नौ नवंबर से शंघाई और दिल्ली के बीच शुरू होंगी उड़ानें

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 अक्तूबर।

भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक कदम के रूप में चाइना ईस्टर्न एअरलाइंस नौ नवंबर से शंघाई और नई दिल्ली के बीच उड़ानें फिर से शुरू करेगी। इस वर्ष अगस्त में तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक के दौरान दोनों देशों ने पांच साल के अंतराल के बाद चुनिंदा शहरों के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने की घोषणा की थी।

दोनों शहरों के बीच उड़ानें हर बुधवार, शनिवार और रविवार को संचालित होंगी। शंघाई के पुडोंग हवाई अड्डे से प्रस्थान करने वाली उड़ान दोपहर 12:50 बजे रवाना होगी और दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शाम 5:45 बजे (स्थानीय समय) पहुंचेगी। इस बीच, वापसी की उड़ान दिल्ली से शाम 7:55 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 4:10 बजे शंघाई पुडोंग पहुंचेगी।

बेजिंग अंतरराष्ट्रीय बाल महोत्सव में प्रदर्शित की गई भारतीय फिल्म 'डुपकी'

बेजिंग, 18 अक्तूबर (भाषा)।

भारतीय कामेडी फिल्म 'डुपकी' का शनिवार को छठे बेजिंग अंतरराष्ट्रीय बाल महोत्सव में प्रीमियर हुआ, लेकिन इस कार्यक्रम में फिल्म का निर्देशक या कोई कलाकार शामिल नहीं हो सका।

बेजिंग अंतरराष्ट्रीय बाल महोत्सव के अधिकारी गेविन ली ने बताया कि 16 अक्तूबर से शुरू हुए चार-दिवसीय कार्यक्रम में 62 फिल्में प्रदर्शित की गईं। वीजा नहीं मिल पाने के कारण ह्यडुपकीह्न के निर्देशक और इसके कलाकारों की गैर-मौजूदगी में इसे प्रदर्शित किया गया। गेविन ली ने कहा, यह अफसोस की बात है कि फिल्म निर्माताओं को वीजा नहीं मिल सका।

दोहा वार्ता से पहले तनाव बढ़ा

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के पक्तिका और अंगूर अड्डा इलाके में बमबारी की

इस्लामाबाद, 18 अक्तूबर (भाषा)।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर ताजा हवाई हमले किए हैं, जिसके बाद दोहा में होने वाली अपेक्षित वार्ता और संघर्ष विराम पर खतरा मंडरा रहा है।

समाचार पत्र 'डान' ने शनिवार को खबर दी कि ये हमले उत्तरी वजीरिस्तान में एक सैन्य प्रतिष्ठान पर आतंकवादियों के हमले के बाद और दो दिवसीय संघर्ष विराम को बढ़ाए जाने के कुछ ही घंटों बाद किए गए। पाकिस्तानी सेना की ओर से कोई बयान नहीं आया है। दूसरी ओर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हाफिज गुल बहादुर समूह ने शुक्रवार तड़के मीर अली में खड्डी किले पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि उन्होंने हमले को नाकाम करते हुए सभी चार हमलावरों को मार गिराया। अखबार के अनुसार, सुरक्षा सूत्रों ने दावा किया है कि हाफिज गुल बहादुर समूह के ठिकानों पर सटीक हमले किए गए, जिनमें कथित तौर पर दर्जनों लड़ाके मारे गए।

समाचार पत्र की खबर के अनुसार पाकिस्तान ने शुक्रवार देर रात अंगूर अड्डा क्षेत्र और अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के उरगुन व बरमल जिलों में आतंकवादियों के ठिकानों को भी निशाना बनाया। खबर के अनुसार पाकिस्तानी सुरक्षा सूत्रों ने कहा है कि अफगान सरकार और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्षविराम समझौते में आतंकवादी संगठनों और उनके ठिकानों पर हमले करने की बात शामिल नहीं है। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब दोनों देशों के प्रतिनिधियों की दोहा में बैठक होने वाली थी, जहां कतर सरकार मध्यस्थता के लिए प्रयास कर रही थी। समाचार पत्र ने बताया कि शुक्रवार रात हुए ताजा हमलों के बाद संघर्ष विराम और दोहा में होने वाली वार्ता दोनों पर खतरा मंडरा रहा है। सुरक्षा से जुड़े एक सूत्र ने शुक्रवार को प्रारंभिक 48 घंटे के संघर्षविराम के समापन पर कहा था, पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों ने कतर के दोहा में वार्ता होने तक संघर्षविराम को आपसी सहमति से बढ़ा दिया है।

वार्ता (शनिवार को) शुरू होने की उम्मीद है। अफगानिस्तान से प्राप्त जानकारी से पता चलता है कि तालिबान प्रतिनिधिमंडल में रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब मुजाहिद और खुफिया प्रमुख मुल्ला वसीक शामिल होंगे। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और आइएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक और विदेश मंत्री इस्हाक डार के बीच देर शाम हुई बैठक में संकेत मिले कि जनरल मलिक दोहा की यात्रा कर सकते हैं।

पाकिस्तानी सुरक्षा सूत्रों ने कहा, अफगान सरकार और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्षविराम समझौते में आतंकवादी संगठनों और उनके ठिकानों पर हमले करने की बात शामिल नहीं है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और आइएसआइ प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक और विदेश मंत्री इस्हाक डार के बीच देर शाम हुई बैठक में संकेत मिले कि जनरल मलिक दोहा की यात्रा कर सकते हैं।

अफगानिस्तान के पूर्वी पक्तिका प्रांत के अरगुन जिले के खंडारो गांव में पाकिस्तान के हमले में मारे गए लोगों के शवों के पास स्थानीय लोग।

पाक सेना ने चार वर्षों में 1,200 बार अफगानिस्तान सीमा का उल्लंघन किया

नई दिल्ली, 18 अक्तूबर (भाषा)।

पाकिस्तानी सेना ने पिछले चार वर्षों में 1,200 से अधिक बार अफगानिस्तान की सीमा और 710 बार उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। अफगान सूत्रों ने शनिवार को यह दावा किया। दोनों देशों के बीच सीमा पर संघर्ष के कारण उनके संबंध और अधिक तनावपूर्ण हो गए हैं।पिछले सप्ताह काबुल पर पाकिस्तानी हवाई हमले के बाद सैन्य झड़पें शुरू हो गईं।

सूत्रों ने बताया कि कई वर्षों के धैर्य और संयम के बाद, अफगानिस्तान ने 11 अक्टूबर को डूरंड रेखा पर पाकिस्तानी सेना की चौकियों के खिलाफ सीमित जवाबी सैन्य अभियान चलाकर अंतरराष्ट्रीय कानून में निहित आत्मरक्षा के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया। पिछले चार वर्षों में की गई पाकिस्तानी कार्रवाइयों का विवरण साझा करते हुए सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तानी सीमा बलों ने 1,200 से अधिक बार सीमा का उल्लंघन किया तथा मोर्टार दागे। सूत्रों ने बताया कि 2024 की शुरुआत से अब तक हमलों के कारण 102 नागरिक और अफगान सीमा रक्षक मारे गए हैं और 139 अन्य घायल हुए हैं। सूत्रों ने बताया कि पिछले चार वर्षों में पाकिस्तानी सेना ने 712 से अधिक हवाई उल्लंघन किए हैं, जिनमें नूरिस्तान, कुनार, नांगरहार, खोस्त और पक्तिका प्रांतों में विमानों और ड्रोन से बमबारी की 16 घटनाएं शामिल हैं।

मोजाम्बिक में नाव दुर्घटना में तीन भारतीयों की मौत, पांच बचाए गए

मापुतो, 18 अक्तूबर (भाषा)।

मोजाम्बिक में एक नाव दुर्घटना में तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, एक घायल हो गया जबकि पांच अन्य को बचा लिया गया। भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह दुर्घटना गुरुवार को हुई।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, भारतीय मिशन ने बेरा बंदरगाह के पास हुई नाव दुर्घटना में 'तीन भारतीय नागरिकों सहित सभी लोगों की मृत्यु पर गहरी संवेदना' व्यक्त की। मिशन ने कहा कि वह दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के संपर्क में है और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है। उच्चायोग ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि मिशन के एक कांसुलर अधिकारी ने उस भारतीय नागरिक से मुलाकात की, जो दुर्घटना में बच गया था और अस्पताल में भर्ती है। उसने कहा, 'पांच अन्य भारतीय नागरिकों को बचा लिया गया है।'

उच्चायोग ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मध्य मोजाम्बिक में बेइरा बंदरगाह के पास 14 भारतीय नागरिकों सहित कई अन्य लोगों को ले जा रही नौका पलट गई। दुर्घटना के कारण और उसमें सवार लोगों की संख्या के बारे में विवरण तुरंत उपलब्ध नहीं हो सका है। भारत और मोजाम्बिक के बीच घनिष्ठ राजनयिक और आर्थिक संबंध हैं।

उच्चायोग की वेबसाइट के अनुसार, लगभग 20,000 मोजाम्बिक नागरिकों की जड़ें भारत से जुड़ी हैं। उनमें से अधिकतर गुजरात, गोवा, दमन और दीव से हैं। देश में लगभग 3,000 भारतीय नागरिक हैं, जो विभिन्न भारतीय कंपनियों में कार्यरत हैं या मोजाम्बिक की कंपनियों में पेशेवर के रूप में काम कर रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने किया युद्ध समाप्त करने का आह्वान, कहा

जहां हैं वहीं रुक जाएं यूक्रेन और रूस

वाशिंगटन, 18 अक्तूबर (एपी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ शुक्रवार को 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में लंबी बैठक के बाद यूक्रेन एवं रूस से युद्ध समाप्त करने का आह्वान करते हुए कहा कि 'वे जहां हैं वहीं रुक जाएं।'

ट्रंप ने राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद से यह युद्ध समाप्त नहीं होने को लेकर कई बार हताशा जताई है लेकिन उनकी ताजा टिप्पणी यूक्रेन के लिए यह संदेश प्रतीत होती है कि वह रूस के हाथों गंवाई भूमि को वापस लेने का प्रयास छोड़ दे। ट्रंप ने जेलेंस्की और उनकी टीम की दो घंटे से अधिक की बातचीत के तुरंत बाद

'ट्रुथ सोशल' पर एक 'पोस्ट' में कहा, 'काफी खून-खराबा हो चुका है, संपत्ति की सीमाएं युद्ध और साहस से तय हो रही हैं।'

उन्होंने कहा, 'उन्हें वहीं रुक जाना चाहिए जहां वे हैं। दोनों को जीत का दावा करने दें, इतिहास को फैसला करने दें!' ट्रंप ने बाद में फ्लोरिडा पहुंचने के तुरंत बाद दोनों पक्षों से 'तुरंत युद्ध रोकने' का आग्रह किया और संकेत दिया कि रूस यूक्रेन से छीना गया क्षेत्र अपने पास रखे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'आप युद्ध रेखा के अनुसार चलें, चाहे वह कहीं भी हो - वरना यह बहुत जटिल हो जाएगा।'

ट्रंप ने कहा, 'आप युद्ध रेखा पर रुक जाएं और दोनों पक्षों को वापस जाना चाहिए, अपने परिवारों के पास जाना चाहिए, हत्याएं बंद करनी चाहिए।' शुक्रवार की बैठक के बाद जेलेंस्की ने कहा कि युद्धविराम और बातचीत का समय आ गया है। उन्होंने जमीन छोड़ने के लिए ट्रंप द्वारा यूक्रेन पर दबाव डाले जाने के बारे में पूछे गए सवाल का सीधा जवाब देने से परहेज किया। जब पत्रकारों ने जेलेंस्की से ट्रंप के पोस्ट के बारे में सवाल किया तो यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, 'राष्ट्रपति सही हैं। हमें वहीं रुकना होगा, जहां हम हैं और फिर बात करनी होगी।'

पाक के हवाई हमले में तीन क्रिकेट खिलाड़ियों की मौत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 अक्तूबर।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तान ने शुक्रवार को अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में हवाई हमला किया। इस हमले में आठ लोगों की मौत हो गई, जिसमें तीन क्लब क्रिकेट खिलाड़ी कबीर, सिबघतुल्लाह और हारून शामिल है। जबकि सात अन्य घायल हुए हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने इसकी पुष्टि की है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर ताजा हवाई हमले किए हैं, जिसके बाद दोहा में होने वाली अपेक्षित वार्ता और संघर्ष विराम पर खतरा मंडरा रहा है। पाकिस्तान मीडिया के मुताबिक, ये हमले उत्तरी वजीरिस्तान में एक सैन्य प्रतिष्ठान पर आतंकियों के हमले के बाद और दो दिवसीय संघर्ष विराम को बढ़ाए जाने के कुछ ही घंटों बाद किए गए। पाकिस्तानी सेना की

हारून सिबघतुल्लाह कबीर

ओर से कोई बयान नहीं आया है। दूसरी ओर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हाफिज गुल बहादुर समूह ने शुक्रवार तड़के मीर अली में खड्डी किले पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि उन्होंने हमले को नाकाम करते हुए सभी चार हमलावरों को मार गिराया।

सुरक्षा सूत्रों ने दावा किया है कि हाफिज गुल बहादुर समूह के ठिकानों पर सटीक हमले किए गए, जिनमें कथित तौर पर दर्जनों लड़ाके मारे गए। पाकिस्तान ने शुक्रवार देर रात अंगूर अड्डा क्षेत्र और अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के उरगुन व बरमल जिलों में आतंकवादियों के ठिकानों को भी निशाना बनाया। ये ताजा हमले ऐसे समय में हुए हैं जब दोनों देशों के प्रतिनिधियों की दोहा में बैठक होने वाली थी, जहां कतर सरकार मध्यस्थता के लिए प्रयास कर रही थी।अफगान मीडिया के मुताबिक, इन हमलों में अर्गुन और बर्मल जिलों के कई घरों को निशाना बनाया गया। ये इलाका दोनों देशों की सीमा डूरंड लाइन के पास है। दोनों देशों एक हफ्ते तक चले संघर्ष के बाद बुधवार शाम 48 घंटे के लिए सीजफायर पर राजी हुए थे।

इसकी मियाद आज शाम खत्म होने वाली थी, लेकिन इसे आगे बढ़ाने पर सहमति बन गई थी। सुरक्षा से जुड़े एक सूत्र ने शुक्रवार को प्रारंभिक 48 घंटे के संघर्षविराम के समापन पर कहा था कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों ने कतर के दोहा में वार्ता होने तक संघर्षविराम को आपसी सहमति से बढ़ा दिया है। वार्ता (शनिवार को) शुरू होने की उम्मीद है।

त्योहार
प्रयागराज में शनिवार को धनतेरस के अवसर पर खरीदारी करतीं महिलाएं।

ब्रिटेन, फ्रांस, नार्वे, पाकिस्तान और अमेरिका प्रतिबंधों पर कर रहे विचार | अध्ययन | डेनमार्क 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाएगा

सोशल मीडिया पर उम्र संबंधी पाबंदी का रुझान बढ़ा

वेलिंगटन, 18 अक्तूबर (भाषा)।

सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर युवाओं पर प्रस्तावित प्रतिबंधों से जुड़ा रुझान हाल के दिनों में विश्वभर में देखने को मिला है। ऐसा उस बढ़ती चिंता से प्रेरित है, जिसके तहत माना जा रहा है कि टिकटाक, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया मंचों से संवेदनशील लोगों को नुकसान पहुंच सकता है।

आस्ट्रेलिया ने सबसे पहले 16 वर्ष से कम आयु के लोगों के सोशल मीडिया अकाउंट रखने पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। न्यूजीलैंड भी जल्द ही इसका अनुसरण कर सकता है और डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने हाल में घोषणा की है कि उनका देश 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाएगा। डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने मोबाइल फोन और सोशल नेटवर्क पर 'हमारे बच्चों का बचपन चुराने' का आरोप लगाया है।

ये कदम बढ़ते अंतरराष्ट्रीय रुझान का हिस्सा हैं : ब्रिटेन, फ्रांस, नार्वे, पाकिस्तान और अमेरिका अब इसी तरह के प्रतिबंधों पर विचार कर रहे हैं या उन्हें लागू कर रहे हैं, जिनमें अक्सर माता-पिता की सहमति या डिजिटल आइडी सत्यापन की आवश्यकता होती है। पहली नजर में ये नीतियां युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी नुकसान, अश्लील सामग्री और व्यसन से बचाने के बारे में लगती हैं। लेकिन सुरक्षा की इस भाषा के पीछे कुछ और भी छिपा है : सांस्कृतिक मूल्यों में बदलाव। ये प्रतिबंध एक तरह के नैतिक बदलाव को दर्शाते हैं, जिससे इंटरनेट से पहले की रूढ़िवादी धारणाओं के फिर से उभरने का खतरा है।

क्या हम इंटरनेट के एक नए विक्टोरियन युग में प्रवेश कर रहे हैं, जहां केवल नियमों से ही नहीं बल्कि नैतिक नियंत्रण की पुनः स्थापना के द्वारा भी युवाओं की डिजिटल जिंदगी को नए रूप में ढाला जा रहा है? विक्टोरियन युग ब्रिटिश इतिहास में लगभग 1820 और 1914 के बीच का काल था।

नैतिक पतन पर नियंत्रण : विक्टोरियन युग कठोर सामाजिक नियमों, शालीन पहनावे और औपचारिक संचार के रूप में जाना जाता था। सार्वजनिक व्यवहार पर कड़े नियम लागू थे और स्कूलों को बच्चों को लैंगिक और वर्गीय पदानुक्रम में सामाजिक रूप से ढालने के प्रमुख स्थल के रूप में देखा जाता था। युवाओं का डिजिटल जीवन जटिल विकासात्मक या तकनीकी बदलावों का लक्षण होने के बजाय, मनोवैज्ञानिक स्तर में गिरावट, ध्रुवीकरण में वृद्धि और साझा नागरिक मूल्यों के क्षरण से जुड़ा है। दरअसल, युवाओं का डिजिटल जीवन सिर्फ निष्क्रिय उपभोग तक सीमित नहीं है। यह साक्षरता, अभिव्यक्ति और जुड़ाव का माध्यम है।

युवा लोगों को अक्सर ठीक से बातचीत करने में असमर्थ, स्क्रीन के पीछे छिपने और फोन काल से बचने वाला माना जाता है। लेकिन ये बदलती आदतें प्रौद्योगिकी के साथ हमारे जुड़ाव में व्यापक बदलावों को दर्शाती हैं। हमेशा उपलब्ध रहने और हमेशा प्रतिक्रिया देने की अपेक्षा हमें अपने उपकरणों से इस तरह बांध देती है कि उन्हें बंद करना वाकई मुश्किल हो जाता है। यदि समाज और सरकारें युवाओं की सुरक्षा के प्रति गंभीर हैं, तो शायद बेहतर रणनीति डिजिटल मंचों को विनियमित करना है।

सोशल मीडिया पर प्रतिबंधों की लोकप्रियता हमारे डिजिटल जीवन में रूढ़िवादी मूल्यों के पुनरुत्थान का संकेत देती है। लेकिन सुरक्षा स्वायत्तता, रचनात्मकता या अभिव्यक्ति की कीमत पर नहीं आनी चाहिए। कई लोगों के लिए, इंटरनेट एक नैतिक युद्धक्षेत्र बन गया है, जहां ध्यान, संचार और पहचान से जुड़े मूल्यों पर कड़ा संघर्ष होता है। लेकिन यह एक सामाजिक ढांचा भी है, जिसे युवा लोग नई साक्षरता और अभिव्यक्ति के माध्यम से आकार दे रहे हैं। उन्हें इससे बचाने से उन कौशल और आवाज को दबाने का जोखिम है।

युवाओं का डिजिटल जीवन जटिल विकासात्मक या तकनीकी बदलावों का लक्षण होने के बजाय, मनोवैज्ञानिक स्तर में गिरावट, ध्रुवीकरण में वृद्धि और साझा नागरिक मूल्यों के क्षरण से जुड़ा है।

विक्टोरियन युग कठोर सामाजिक नियमों, शालीन पहनावे और औपचारिक संचार के रूप में जाना जाता था। सार्वजनिक व्यवहार पर कड़े नियम लागू थे और स्कूलों को बच्चों को लैंगिक और वर्गीय पदानुक्रम में सामाजिक रूप से ढालने के प्रमुख स्थल के रूप में देखा जाता था।

खबर कोना

ब्रिटेन में सिख महिला से बलात्कार मामले में दो गिरफ्तार

लंदन, 18 अक्तूबर (भाषा)।

इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र के ओल्डबरी में पिछले महीने एक सिख महिला के साथ बलात्कार के संदेह में एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। माना जा रहा है कि ये घटना नस्लीय भेदभाव के कारण अंजाम दी गई। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि ये गिरफ्तारियां गुरुवार रात को उसी काउंटी के हेल्सओवेन में महिला (30) के साथ हुए बलात्कार के सिलसिले में की गई हैं। बाद में दोनों आरोपियों को 20 वर्षीय ब्रिटिश सिख महिला के उत्पीड़न के मामले में भी गिरफ्तार किया गया। इस महिला ने नौ सितंबर को ओल्डबरी, सैंडवेल में टेम रोड पर यौन उत्पीड़न की शिकायत की थी। पुलिस ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, सैंडवेल के 49 वर्षीय पुरुष और 65 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया गया। पिछले महीने हुए यौन उत्पीड़न में श्वेत हमलावरों ने कथित तौर पर महिला से कहा था कि तुम इस देश की नहीं हो, यहां से चली जाओ। इस घटना के बाद देश में रोष देखा गया था।

पूर्वोत्तर ब्राजील में यात्री बस दुर्घटना में 15 लोगों की मौत

साओ पाउलो, 18 अक्तूबर (एपी)।

पूर्वोत्तर ब्राजील में एक यात्री बस रेत के टीले से टकरा जाने के बाद पलट गई। इस हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय प्राधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बस में लगभग 30 यात्री सवार थे और घायलों की संख्या की फिलहाल पुष्टि नहीं हुई। घायलों को नजदीक के अस्पताल ले जाया गया है। यह बस बाहिया प्रांत से रवाना हुई थी और पड़ोसी पेरनाम्बुको प्रांत के शहर सलोआ में दुर्घटनाग्रस्त हुई। पुलिस ने बताया कि चालक का बस पर से नियंत्रण खो गया और बस विपरीत लेन में चली गई और वहां सड़क किनारे पत्थरों से टकरा गई। इसके बाद बस फिर अपनी लेन में वापस आई और टीले से टकराकर पलट गई।

ढाका अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगी भीषण आग, उड़ानें स्थगित

ढाका, 18 अक्तूबर (भाषा)।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के 'कार्गो काम्प्लेक्स' में शनिवार को भीषण आग लग गई, जिसके चलते अधिकारियों को सभी उड़ानों का संचालन स्थगित करना पड़ा। आग के बाद हवाई अड्डे के आसपास घना काला धुआं छा गया। घटना में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है। बांग्लादेश नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएबी) ने कहा कि हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दोपहर में आग लग गई, जिसके बाद दो दर्जन से ज्यादा दमकल गाड़ियों को तैनात किया गया और अतिरिक्त टीमें घटनास्थल पर भेजी गईं। अग्निशमन सेवा के प्रवक्ता तल्हा बिन जासिम ने कहा, 'हमें अपराह्न 2:30 बजे सूचना मिली और हमने हवाई अड्डे पर तैनात दमकल वाहनों की मदद के लिए और दमकल गाड़ियां भेजीं।' उन्होंने बताया कि 36 दमकल गाड़ियां आग बुझाने में लगी हुई हैं। सीएएबी के अधिकारियों ने बताया कि वायु सेना की दमकल गाड़ियां भी बचाव अभियान में शामिल हो गईं हैं।

सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत में मनाई गई दिवाली

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 अक्तूबर।

सऊदी अरब में रहने वाला भारतीय समुदाय लगातार दूसरे वर्ष 'जीवन का उत्सव' (एफओएल) के नाम से दिवाली मनाने के लिए एक साथ आया है। इस उत्सव में आयोजित हुईं विभिन्न गतिविधियों में भारत के 18 राज्यों के 1,600 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसका आयोजन क्षेत्रीय संस्कृति को जीवित रखने और त्योहार समारोह के माध्यम से विदेशों में रहने वाले भारतीयों और भावी पीढ़ी के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान करने भावना से किया गया था। इसमें 18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 150 से अधिक कलाकारों ने संगीत, नाटक और नृत्य के माध्यम से क्षेत्रीय संस्कृति और परंपरा की झलक पेश की। कथकली, कुचिपुडी, ओडिसी, भरतनाट्यम और गरबा सहित थिरकते हुए नृत्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पटना में गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल सरकार पर आरोप लगाया, कहा

अवैध प्रवासियों का किया जा रहा स्वागत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 अक्तूबर।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य असम में घुसपैठ रुक गई है, लेकिन पड़ोसी राज्य बंगाल में यह जारी है और वहां की सरकार अवैध प्रवासियों का लाल कालीन बिछाकर स्वागत कर रही है।

पटना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा और कहा कि उन्होंने अब 'वोट चोरी' के मुद्दे को छोड़ दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने यह भी दोहराया कि मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया 'घुसपैठियों को चिह्नित कर हटाने' में सहायक होगी। शाह ने कहा कि यह अचंभे की बात है कि विपक्ष निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू की गई उस प्रक्रिया पर आपत्ति जता रहा है, जिसका उद्देश्य घुसपैठियों को बाहर करना है। मैं एसआइआर प्रक्रिया का समर्थन करता हूं। यह आखिर में पूरे देश में लागू की जाएगी। हालांकि, जब उनसे

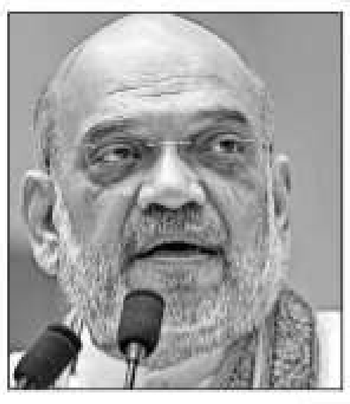

राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए शाह ने कहा कि वह अब 'वोट चोरी' का आरोप भूल गए हैं। पिछले 15 दिनों में जब भी गांधी जनता के बीच आए, उन्होंने इस राग को नहीं अलापा। शाह ने कहा कि शायद बिहार की जनता ने उन्हें इस मुद्दे से पीछे हटने पर मजबूर कर दिया है। उन्हें किसी सुझाव के आधार पर सलाह दी गई होगी। उन्होंने यह बात राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के संदर्भ में कही, जो कुछ माह पूर्व बिहार में निकाली गई थी।

विपक्ष के इस आरोप पर सवाल किया गया कि यदि देश में घुसपैठ हो रही है तो इसकी जिम्मेदारी केंद्र में 11 साल से सत्ता में मोदी सरकार की है, तो शाह ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि लुटियंस दिल्ली में बैठे लोगों को सीमाओं की हकीकत का अंदाजा नहीं है। बांग्लादेश सीमा पर घने जंगल हैं, विशाल नदियां हैं जो बरसात में उफान पर रहती हैं। वहां बाड़ लगाना और 24 घंटे निगरानी रखना लगभग असंभव है। सुरक्षा बलों की नौकाएं भी कई बार बह जाती हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल के लोगों से अपील की कि वे अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को सत्ता से बाहर करें।

शाह ने कहा कि हम राज्य से हर एक घुसपैठिए को बाहर निकाल देंगे। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए शाह ने कहा कि वह अब 'वोट चोरी' का आरोप भूल गए हैं। पिछले 15 दिनों में जब भी गांधी जनता के बीच आए, उन्होंने इस राग को नहीं अलापा। शाह ने कहा कि शायद बिहार की जनता ने उन्हें इस मुद्दे से पीछे हटने पर मजबूर कर दिया है। उन्हें किसी सुझाव के आधार पर सलाह दी गई होगी। उन्होंने यह बात राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के संदर्भ में कही, जो कुछ माह पूर्व बिहार में निकाली गई थी। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उस यात्रा में आरोप लगाया था कि एसआइआर का उद्देश्य बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना है।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शाह ने विपक्ष के इस आरोप को भी खारिज किया कि 130वां संविधान संशोधन विधेयक, 'विपक्षी दलों की सरकारों को अस्थिर करने' की साजिश है। इस विधेयक में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सहित किसी भी मंत्री को 30 दिन या उससे अधिक जेल में रहने पर पद से हटाने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि जब मेरे खिलाफ एक मामला अदालत में लंबित था, तो मैंने स्वयं इस्तीफा दे दिया था और तब तक कोई पद नहीं स्वीकार किया जब तक मैं बरी नहीं हुआ। हमने हाल में देखा है कि कुछ राज्य सरकारें जेल में बैठे लोगों द्वारा चलाई जा रही हैं। यह स्वीकार्य नहीं हो सकता। विपक्ष डर क्यों रहा है?

भाकपा (माले) ने जारी की 20 उम्मीदवारों की सूची

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 अक्तूबर।

बिहार में विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन ने शनिवार को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 20 उम्मीदवारों की सूची जारी की और अपने सभी मौजूदा 12 विधायकों पर भरोसा दिखाते हुए मैदान में उतारा है। पार्टी ने उन सीट पर नए चेहरों को मौका दिया है, जहां वह 2020 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सकी थी।

सभी 12 मौजूदा विधायकों को फिर मैदान में उतारा।

पिछली बार भाकपा (माले) लिबरेशन ने 19 सीट पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से 12 पर जीत दर्ज की थी। भाकपा (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने उम्मीदवारों की सूची जारी करने के बाद कहा कि हमने गठबंधन की भावना को बनाए रखा है। हालांकि, हम अधिक सीटों के हकदार थे, लेकिन अंततः हमने केवल 20 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने का फैसला किया। हमारी इच्छा थी कि इस बार कम से कम 24 सीटों पर चुनाव लड़ें, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो सका। उन्होंने दावा किया कि महागठबंधन इस बार भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगा। बिहार की जनता राजग सरकार से ऊब चुकी है। जिन प्रमुख विधायकों को पुनः टिकट दिया गया है, उनमें अमरजीत कुशवाहा, सत्यदेव राम, गोपाल रविदास, संदीप सौरभ, शिव प्रकाश रंजन, अजीत कुमार सिंह, बिरेंद्र प्रसाद व महबूब आलम शामिल हैं। इनके अलावा दिव्या गौतम, अनिल कुमार और फूलबाबू सिंह के नाम भी सूची में शामिल हैं।

भट्टाचार्य ने बताया कि पहले चरण में जिन सीटों पर मतदान होना है, वहां सभी उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर दिए हैं। इनमें भोरे से धनंजय, जीरादेई से अमरजीत कुशवाहा, दरौली से सत्यदेव राम और दरौंदा से अमरनाथ यादव शामिल हैं। इनके अलावा कल्याणपुर से रंजीत कुमार राम, वारिसनगर से फूलबाबू सिंह और राजगीर से विश्वनाथ चौधरी को उम्मीदवार बनाया गया है। दिघा से दिव्या गौतम, फुलवारी से गोपाल रविदास, पालीगंज से संदीप सौरभ, आरा से कयामुद्दीन अंसारी, अगीआंन से शिव प्रकाश रंजन, तरारी से मदन सिंह और डुमरांव से अजीत कुमार सिंह मैदान में रहेंगे।

मधेपुरा की आलमनगर सीट का मामला

उम्मीदवार ने दो दलों से दाखिल किया नामांकन

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 अक्तूबर।

बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए टिकटों को लेकर मारामारी जारी है। कुछ लोग एक अदद टिकट के लिए परेशान हैं तो यहां की आलमनगर सीट पर एक उम्मीदवार ने दो दलों की ओर से नामांकन भर दिया है।

दरअसल, नबीन कुमार ने मधेपुरा जिले की आलमनगर विधानसभा सीट से विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से नामांकन भरा है। यह घटना महागठबंधन के भीतर सीट समझौते के विवाद की वजह से हुई है, जहां अभी तक सीटों का सटीक बंटवारा नहीं हो पाया है। नबीन

नबीन कुमार ने मधेपुरा जिले की आलमनगर विधानसभा सीट से विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से नामांकन भरा है।

कुमार, जो पिछले चुनाव में भी राजद के टिकट पर आलमनगर से चुनाव लड़ चुके हैं, इस बार वीआइपी की ओर से भी उम्मीदवार हैं।

नबीन ने पहले राजद प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया था। हालांकि, जब उन्हें पता चला कि यह सीट वीआइपी कोटे में चला गया है तो उन्होंने मुकेश सहनी की पार्टी से अपना पर्चा दाखिल कर दिया। अब नबीन का कहना है कि वह राजद से अपना नामांकन वापस ले लेंगे और वीआइपी उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी का जो आदेश हुआ, उसी का मैंने पालन किया है। इसी वजह से दो बार नामांकन करना पड़ा। आगे भी पार्टी जैसा निर्देश देगी वह पालन करूंगा।

उन्होंने 2020 में राजद के टिकट पर चुनाव लड़ा था। उन्हें करीब 74 हजार मत मिले थे लेकिन जनता दल (एकी) के उम्मीदवार नरेंद्र नारायण यादव से चुनाव हार गए थे। नरेंद्र इस बार भी जद (एकी) के टिकट पर चुनाव मैदान में हैं।

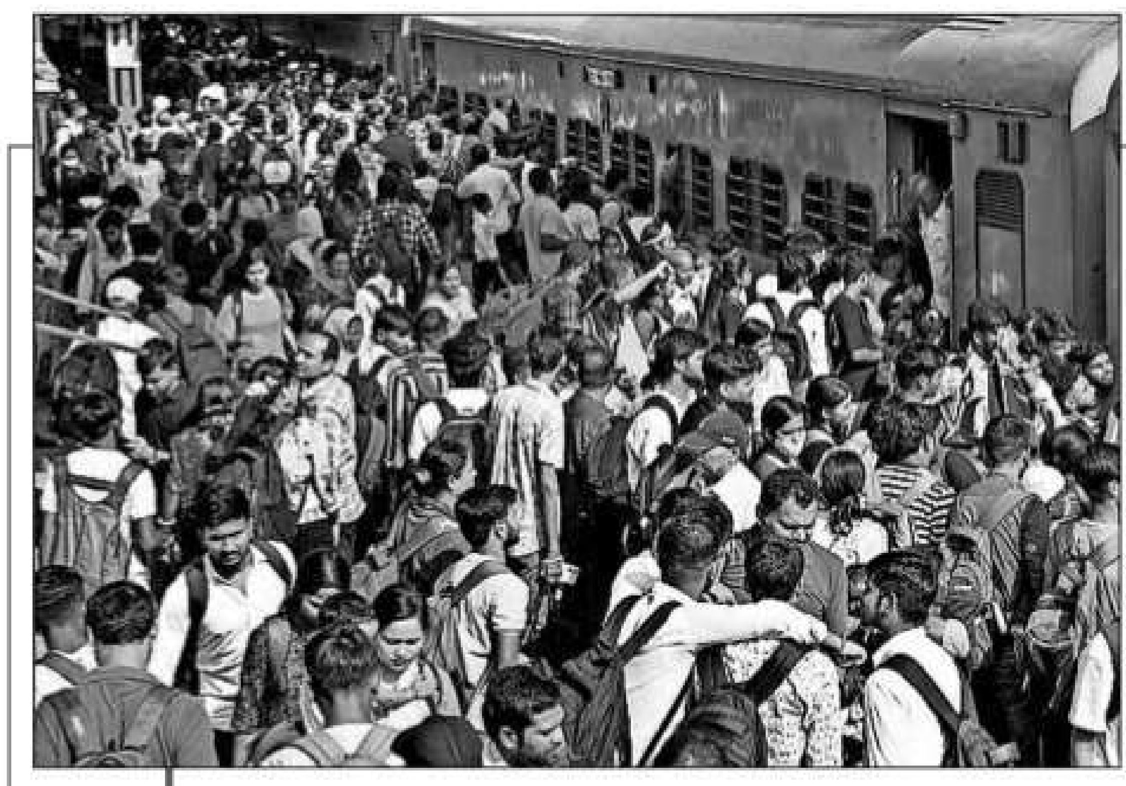

दुश्वारी दिवाली व विधानसभा चुनाव से पहले अपने गृहनगर जाने के लिए शनिवार को पटना जंक्शन पर उमड़ी यात्रियों की भीड़।

भाजपा का दावा

राजग बहुमत से बिहार में सत्ता में वापसी करेगा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 अक्तूबर।

भाजपा ने शनिवार को बिहार में विपक्षी महागठबंधन में समन्वय की कमी और अंदरूनी कलह का दावा करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ राजग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में रेकार्ड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगा।

बिहार विधानसभा की 243 सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में छह और 11 नवंबर को होने वाले हैं। मतगणना 14 नवंबर को होगी। भाजपा सांसद और मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राजग में न केवल सभी 243 सीटों का आबंटन आपसी सहमति से हो गया है, बल्कि नामांकन भी दाखिल हो चुके हैं और 80 से ज्यादा जनसभाएं हो चुकी हैं। दूसरी ओर, महागठबंधन में न तो नेता तय हुआ है, न सीटें तय हुई हैं और न ही आपस में कोई तालमेल है। उन्होंने कहा कि वे आपस में लड़ रहे हैं और एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं।

बलूनी ने दावा किया कि बिहार में 'महागठबंधन' से राजग कहीं आगे है। भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग रेकार्ड तोड़ बहुमत के साथ फिर से सरकार बनाने के लिए तैयार है। बिहार की जनता राजद-कांग्रेस की असलियत से अच्छी तरह वाकिफ है। वहीं, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को 29 सीट मिलने पर भाजपा और जद(एकी) का आभार जताया। साथ ही उन्होंने राजग की जीत का दावा किया।

कांग्रेस ने पांच उम्मीदवारों की एक और सूची जारी की

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 अक्तूबर।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने शनिवार रात पांच उम्मीदवारों की एक और सूची जारी कर दी। इस सूची में दो मुसलिम उम्मीदवारों को शामिल किया गया है। पार्टी अब तक 53 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर चुकी है।

पार्टी ने नरकटियागंज विधानसभा से शाश्वत केदार पांडे को उम्मीदवार बनाया है। किशनगंज सीट से मोहम्मद कमरुल हुदा को टिकट दिया गया है। इसी तरह कस्बा से मोहम्मद इरफान आलम, पूर्णिया से जितेंद्र यादव व गया शहर से मोहन श्रीवास्तव को उम्मीदवार बनाया गया है।

वहीं, निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि बिहार में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में मतदाता मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश के हकदार हैं और इस कानूनी प्रावधान का उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

आयोग ने यह भी कहा है कि जिन राज्यों के आठ विधानसभा क्षेत्रों में 11 नवंबर को उपचुनाव होना है, वहां के मतदाता भी सवैतनिक अवकाश के हकदार हैं। आयोग ने कानूनी प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135बी के अनुसार, किसी भी व्यवसाय, व्यापार, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य प्रतिष्ठान में कार्यरत प्रत्येक व्यक्ति, और लोकसभा या किसी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश की विधानसभा के चुनाव में मतदान करने का हकदार है, उसे मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश दिया जाएगा।

बिहार चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेगा झामुमो

झारखंड में कांग्रेस व राजद के साथ गठबंधन की 'समीक्षा' करेगा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 अक्तूबर।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने शनिवार को घोषणा की कि वह बिहार विधानसभा चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेगा और पड़ोसी राज्य में चुनाव के बाद झारखंड में कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ अपने गठबंधन की 'समीक्षा' करेगा।

झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी बिहार में छह सीट पर उम्मीदवार उतारेगी।बिहार विधानसभा की 243 सीट के लिए मतदान छह नवंबर और 11 नवंबर को होगा तथा मतों की गिनती 14 नवंबर को होगी। पार्टी ने बिहार चुनाव अपने दम पर लड़ने का फैसला किया है। वह छह विधानसभा सीट चकाई, धमदाहा, कटोरिया (सुरक्षित), मनिहारी (सुरक्षित), जमुई और पीरपैंती पर चुनाव लड़ेगी। इन सीट पर दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान होगा। झामुमो ने 11 अक्तूबर को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं को बताया था कि यदि 14 अक्तूबर तक उसे 'सम्मानजनक संख्या में सीट' आबंटित नहीं की गईं, तो पार्टी बिहार चुनाव लड़ने पर अपना फैसला लेगी। झामुमो ने गठबंधन सहयोगी के रूप में चुनाव के लिए 12 सीट की मांग की थी।

भट्टाचार्य ने कहा कि हमने कांग्रेस, वामपंथी दलों और बिहार की सबसे बड़ी पार्टियों में से एक राजद जैसे 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों से झामुमो द्वारा मांगी गईं सीट दिए जाने का आग्रह किया था। वर्ष 2019 के झारखंड चुनाव में हमने कांग्रेस और राजद को अपना समर्थन दिया था। पार्टी ने न सिर्फ राजद को सात सीट दीं, बल्कि चतरा से उसके (राजद) विधायक को मंत्री भी बनाया। 2024 के झारखंड चुनाव में भी झामुमो ने राजद को छह सीट दीं और एक विधायक को मंत्री बनाया। भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि बिहार की लड़ाई एक बहुकोणीय लड़ाई है, जहां राजग के साथ-साथ 'इंडिया' गठबंधन में भी अंदरूनी कलह व्याप्त है। हम लड़ेंगे, जीतेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि बिहार में झामुमो के बिना कोई सरकार न बने। बिहार चुनाव के बाद झामुमो झारखंड में गठबंधन पर पुनर्विचार करेगा।

पार्टी ने चुनाव के लिए 20 'प्रमुख प्रचारकों' की सूची भी घोषित की, जिसका नेतृत्व पार्टी अध्यक्ष एवं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। अन्य 'प्रमुख प्रचारकों' में मुख्यमंत्री की पत्नी एवं गांडेय सीट से विधायक कल्पना सोरेन, दुमका सीट से विधायक बसंत सोरेन, पार्टी के वरिष्ठ नेता स्टीफन मरांडी और सरफराज अहमद शामिल हैं।

पेज 1 का बाकी

लोजपा (रा) उम्मीदवार सहित पांच के पर्चे रद्द

15 नामांकन दाखिल हुए थे। इनमें से पांच नामांकन जांच के दौरान कुछ तकनीकी गलतियां पाने जाने के बाद रद्द कर दिए गए। इसमें सीमा सिंह भी एक हैं। उन्होंने निर्दलीय के तौर पर अपना पर्चा भरा था। आयोग के मुताबिक, इस सीट पर केवल दस नामांकन ही उचित पाए गए।

इसमें राष्ट्रीय सब जनशक्ति पार्टी से पुरुषोत्तम कुमार, द प्लूरल्स पार्टी से मधुबाला गिरि, निर्दलीय अभिषेक रंजन, जन सुराज पार्टी से नवीन कुमार सिंह उर्फ अभय सिंह, निर्दलीय मैनेजर कुमार, निर्दलीय अंकित कुमार, राष्ट्रीय जनता दल से जीतेंद्र कुमार राय, राष्ट्रीय जन संभावना पार्टी से लालू प्रसाद यादव (दो नामांकन) व निर्दलीय संदेव कुमार राय शामिल हैं। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए राजग ने 243 सीटों में से भाजपा और जद (एकी) को बराबर 101-101 सीटें, चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) को 29 सीटें, जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 6-6 सीटें दी गई थी।

निर्दलीय को दे सकते हैं समर्थन मढ़ौरा सीट पर राजग के उम्मीदवार का पर्चा खारिज होने के बाद गठबंधन किसी निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन दे सकता है। इस सीट पर चार निर्दलीय उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। पार्टी किसे समर्थन देगी, यह आने वाले दिनों में ही तय किया जाएगा। इस मुद्दे पर लोजपा (रामविलास) के बड़े नेता सहित अन्य कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

महागठबंधन में खींचतान सतह पर, टिकट को लेकर कई जगह बगावत

और बंटी चौधरी सहित कई नेताओं ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन कर प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजेश राम पर गंभीर आरोप लगाए।

इन नेताओं ने कहा कि कांग्रेस की प्रदेश इकाई अब कुछ नेताओं के निजी दलालों के हाथों में बंधक बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि टिकट वितरण में वर्षों से पार्टी के लिए संघर्ष कर रहे जमीनी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा कर ऐसे चेहरों को प्राथमिकता दी गई है, जिनकी राजनीतिक प्रासंगिकता सीमित है और पहचान केवल धनबल के आधार पर है। असंतुष्ट नेताओं का कहना है कि यह विवाद केवल टिकट मिलने या न मिलने का नहीं, बल्कि पार्टी के भीतर विचारधारा और कर्मठ कार्यकर्ताओं की उपेक्षा को लेकर है। जब टिकट वितरण का आधार संगठनात्मक सक्रियता के बजाय व्यक्तिगत समीकरण और आर्थिक हैसियत बन जाए, तो पार्टी अपनी वैचारिक पहचान खोने लगती है। हालांकि, इन नेताओं ने सीधे तौर पर राहुल गांधी की आलोचना नहीं की, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए केंद्रीय नेतृत्व पर सवाल उठाया कि 'राहुल गांधी के भरोसे का दुरुपयोग हुआ है।'

नेताओं का कहना है कि प्रदेश नेतृत्व पर केंद्रीय नेतृत्व की निगरानी कमजोर रही है, जिसके चलते निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता खत्म हो गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस आलाकमान को असंतुष्ट नेताओं से संवाद कायम करने और टिकट वितरण प्रक्रिया की समीक्षा करने की सलाह दी गई है। नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी शिकायतों को नजरअंदाज किया गया, तो वे आगे की रणनीति पर विचार करेंगे।दूसरी ओर, कई सीटों पर महागठबंधन के ही दो-दो उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर दिया है। इन सीटों वैशाली भी शामिल है, जहां कांग्रेस के संजीव कुमार और राजद के अजय कुशवाहा आमने-सामने हैं। यह सीट महागठबंधन के लिए रणनीतिक महत्त्व रखती है, जहां दोनों दल अपनी मजबूत पकड़ का दावा कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति है, क्योंकि प्रचार में किसे प्राथमिकता दें यह तय नहीं कर पा रहे हैं। इसी तरह लालगंज सीट पर राजद ने बाहुबली मुन्ना शुक्ला की बेटी शिवानी शुक्ला को टिकट दिया, जबकि कांग्रेस ने आदित्य कुमार राजा को मैदान में उतार दिया है।

राजापाकर विधानसभा सीट पर कांग्रेस की प्रतिमा दास और भाकपा-माले के मोहित पासवान आमने-सामने है। बछवारा पर भाकपा-माले और कांग्रेस के उम्मीदवारों के बीच टकराव हो गया है। गौरा बौराम सीट पर वीआइपी प्रमुख मुकेश सहनी खुद मैदान में आने वाले थे, लेकिन बाद में पार्टी के प्रत्याशी को चिन्ह दे दिया गया। जबकि अब राजद ने भी अपना उम्मीदवार उतार दिया है। रोसरा पर राजद और कांग्रेस के उम्मीदवार आमने-सामने हैं। यह सीट पिछड़े वर्ग के वोट बैंक के लिए अहम है, जहां दोनों दल दावा ठोक रहे हैं।

बिहारशरीफ पर कांग्रेस के उमर खान और भाकपा के सतीश यादव के नामांकन से विवाद गहरा गया। यह सीट मुसलिम-यादव समीकरण वाली है और राजग इसे 'गठबंधन की फूट' का प्रतीक बता रहा है। कहलगांव सीट पर दूसरे चरण में मतदान होना है। यहां राजद के रजनीश यादव और कांग्रेस के प्रवीण कुमार कुशवाहा मैदान में हैं। तारापुर सीट पर भी वीआइपी और राजद के बीच सीट विवाद जारी है।

मुनीर की गीदड़भभकी, उकसावे पर भारत को निर्णायक जवाब देंगे

उल्लेख करते हुए, मुनीर ने दावा किया कि उनके देश की सशस्त्र सेनाओं ने सभी खतरों को निष्प्रभावी करके उल्लेखनीय पेशेवर रुख और दूरगामी क्षमताओं का प्रदर्शन किया है और संख्यात्मक रूप से बेहतर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ विजयी बनकर उभरी हैं। भारत ने सात मई को आपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद संघर्ष को समाप्त करने के लिए 10 मई को सहमति बनी थी। यह सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी। मुनीर ने भारत पर पाकिस्तान को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और कहा कि मुट्ठी भर आतंकवादी पाकिस्तान को नुकसान नहीं पहुंचा सकते। उन्होंने चेतावनी दी कि अफगान धरती का इस्तेमाल करने वाले सभी 'प्राक्सी' (छद्म संगठनों) को 'धूल में मिला दिया जाएगा', उनका स्पष्ट संदर्भ तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से था।

सेना प्रमुख ने भारत से अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार, मुख्य मुद्दों को सुलझाने का आग्रह किया, जो कश्मीर विवाद का स्पष्ट संदर्भ था। इसके साथ ही उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों को 'नैतिक और कूटनीतिक समर्थन' प्रदान करने की पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई। पाकिस्तान को एक शांतिप्रिय देश बताते हुए मुनीर ने कहा कि अमेरिका और चीन सहित प्रमुख शक्तियों के साथ उसके मजबूत संबंध हैं। समारोह में मलेशिया, नेपाल, फलस्तीन, कतर, श्रीलंका, बांग्लादेश, यमन, माली, मालदीव और नाइजीरिया सहित कई मित्र देशों के कैडेटों ने भी स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

ब्रह्मोस की जद में है पाक की एक-एक इंच जमीन

यह सिद्ध कर दिया है कि अब जीत हमारे लिए कोई छोटी-मोटी घटना नहीं रही, बल्कि यह हमारी आदत बन चुकी है। अब हमें इस आदत को बनाए रखने के साथ-साथ इसे और भी मजबूत करने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि देश के किसी भी हिस्से में जब ब्रह्मोस का नाम लिया जाता है तो लोगों को इसकी तकनीकी विशेषताएं भले न पता हों, लेकिन बच्चों से लेकर बुजुर्गों और महिलाओं तक के मन में मिसाइल की छवि के साथ-साथ विश्वसनीयता स्वाभाविक रूप से आ जाती है।

उन्होंने कहा कि अब सबको भरोसा है कि हमारे विरोधी ब्रह्मोस से नहीं बच पाएंगे। जहां तक पाकिस्तान की बात है, उसकी एक-एक इंच जमीन अब ब्रह्मोस की पहुंच में है। रक्षा मंत्री ने कहा, 'आपरेशन सिंदूर में जो कुछ हुआ, वह सिर्फ एक झलकी थी। लेकिन उसने ही पाकिस्तान को यह एहसास दिला दिया कि अगर भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, तो समय आने पर वह।' सिंह ने अपने भाषण में उपरोक्त पंक्ति पूरी नहीं, बल्कि वहां मौजूद लोगों से कहा कि अब मुझे आगे बोलने की कोई जरूरत नहीं है-आप खुद समझदार हैं। देश और दुनिया की उम्मीदें भारत के लिए एक बड़ा अवसर हैं। जब देशवासियों को यह विश्वास होता है कि हमारे पास ब्रह्मोस जैसा हथियार है, तो यह उन्हें सुरक्षा का भरोसा देता है। इसमें (मिसाइल) एक ओर परंपरागत चीज है तो दूसरी ओर आधुनिक सिस्टम है। यह लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम है। यह वायुसेना, नौसेना और थलसेना-तीनों ही सेनाओं का भरोसा है। यह एक स्पष्ट संदेश है कि भारत अपने सपनों को साकार करने की ताकत रखता है। ब्रह्मोस की क्षमताओं पर प्रकाश डालते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि ब्रह्मोस केवल एक मिसाइल नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती हुई स्वदेशी रक्षा शक्ति का प्रतीक है।

इसी विश्वास ने हमें आपरेशन सिंदूर में ताकत दी, जहां ब्रह्मोस एक सामान्य सिस्टम नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा का सबसे बड़ा व्यावहारिक प्रमाण साबित हुआ है। राजनाथ सिंह ने दोहराया कि आपरेशन सिंदूर ने ब्रह्मोस को केवल एक परीक्षण नहीं, बल्कि एक व्यावहारिक और सफल सैन्य प्रणाली के रूप में स्थापित कर दिया है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों से लेकर सामान्य नागरिकों तक, बड़े शहरों से लेकर छोटे गांवों तक, और शिक्षित से लेकर कम शिक्षित नागरिकों तक, सभी में ब्रह्मोस की ताकत को लेकर व्यापक विश्वास है।

शुरू हुई हरित पटाखों की बिक्री, बाजारों में बढ़ी रौनक

पटाखे ना बेचें। दरअसल, दिल्ली पुलिस, दिल्ली दमकल विभाग, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति और दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों और अधिकारियों की हर जिले में समिति गठित की गई है। यह समिति उन इलाकों में गश्त कर नजर रखेगी, जहां पर पटाखा बेचने की अनुमति कारोबारियों व दुकानदारों का दी गई है। लाइसेंस के बाद बढ़ी मांगसदर बाजार क्रैकर्स एसोसिएशन के महासचिव हरजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि उच्चतम न्यायालय की ओर से मिली अनुमति और लाइसेंस मिलने के बाद थोक व्यापारियों ने दिल्ली के बाहर निर्माताओं को अपने आर्डर दे दिए थे। हरित पटाखों की कई बड़ी खेप राजधानी शुक्रवार तक पहुंच गई, जिसके बाद थोक व स्थानीय बाजारों में भी हरित पटाखे पहुंचाए गए। उम्मीद है कि रविवार को छुट्टी की दिन होने के कारण कारोबार अच्छा होगा। सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने कहा कि लाइसेंस मिलते ही विनिर्माताओं ने लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों को पटाखे वितरित करना शुरू कर दिया। वहीं, पटाखा विनिर्माता एसबी नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि जैसे ही अनुमति मिली, नियमित ग्राहकों के फोन आने लगे और कुछ ही घंटे में हरित पटाखों की मांग बढ़ गई। वहीं, सरोजिनी नगर के व्यापारी शुकुल कुमार ने कहा कि रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण अच्छे कारोबार की उम्मीद है।

उत्तरी-पूर्वी जिले में 21, पश्चिमी में दस लाइसेंस जारीउत्तरी पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि जिले में 21 स्थान और दुकान चिन्हित किए गए हैं। जिले में कुल 21 व्यापारियों को लाइसेंस जारी किए गए हैं। इनमें मौजपुर में चार, अशोक नगर में दो, सोनिया विहार में चार, गोकुलपुरी में दो और सीलमपुर, नंद नगरी, ब्रिजपुरी, करावल नगर, वजीराबाद रोड, मंडोली, गगन विहार, अशोक नगर और भजनपुरा में एक-एक कारोबारी को लाइसेंस जारी किया गया है। वहीं पश्चिमी दिल्ली में दस लाइसेंस जारी किए गए है।

अनेक परिप्रेक्ष्य, एक निष्कर्ष

दूसरी नजर

पी चिदंबरम

निजी पूंजी भारत में निवेश से क्यों कतरा रही है? इसका सबसे बड़ा कारण सरकार और उद्योग जगत के बीच विश्वास की कमी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने तरकश के हर तीर का इस्तेमाल किया है, लेकिन उनकी मिन्नतों, चेतावनियों का कोई असर नहीं है। भारतीय निवेशक नकदी जमा, इंतजार, दिवालिया कंपनियों का अधिग्रहण या विदेश में निवेश करना ज्यादा पसंद करते हैं।

लेखक की टिप्पणी: मैं यह स्तंभ 2014 से लिख रहा हूं। इससे पहले, मैंने 1999-2004 के दौरान यह स्तंभ लिखा था। हर हफ्ते इसे लिखना एक थका देने वाला काम है, लेकिन मैंने इसका पूरा आनंद लिया है। संपादकों से सलाह-मशविरा करने के बाद मैंने यह स्तंभ लिखना जारी रखने का फैसला किया है, लेकिन बीच-बीच में विराम के साथ। इसे पढ़ने के लिए आप सबका धन्यवाद, क्योंकि यही मेरे लिए सबसे बड़ा इनाम है।]

डा सी रंगराजन तिरानबे वर्ष की आयु में (ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखे) एक खुली अर्थव्यवस्था और विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन के प्रबल पैरोकार हैं। वे कई वर्षों तक केंद्रीय बैंकर और भारतीय रिजर्व बैंक के उन्नीसवें गवर्नर (1992-97) रहे। 14 अक्तूबर, 2025 को उन्होंने डीके श्रीवास्तव के साथ मिलकर भारत की *संभावित* विकास दर के अनुमान पर एक लेख लिखा और इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि विकास दर 6.5 फीसद प्रति वर्ष है। उन्होंने उदारतापूर्वक कहा कि विकास दर 'मौजूदा वैश्विक परिवेश में यथोचित रूप से उच्च स्तर' पर है, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि 'हालांकि रोजगार में उच्च वृद्धि के लिए हमें अपनी संभावित वृद्धि को और आगे बढ़ाने की जरूरत है।'

मेरा मानना है कि कई वर्षों में 6.5 फीसद प्रति वर्ष की औसत वृद्धि दर बेहद *निराशाजनक* है। यह दर भारत को 'निम्न-मध्यम आय' वाले देशों के समूह में रखती है, जिसे (प्रति व्यक्ति) सकल राष्ट्रीय आय 1,146 अमेरिकी डालर से लेकर 4,515 अमेरिकी डालर (2024-25 में) के बीच परिभाषित किया गया है। भारत की सकल राष्ट्रीय आय 2,650 अमेरिकी डालर (2024 में) है, जो इसे मिस्र, पाकिस्तान, फिलीपींस, वियतनाम और नाइजीरिया जैसे देशों के समूह में रखती है। भारत को निम्न-मध्यम आय वर्ग से बाहर निकालने के लिए प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय को *दोगुना* करना होगा। अगर भारत की मौजूदा विकास दर बनी रहती है, तो इस लक्ष्य को हासिल करने में *नौ* वर्ष लगेंगे तथा बेरोजगारी की हालत और ज्यादा खराब हो सकती है।

अनुमानों पर आम सहमति

भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआइ ने 2025-26 के लिए अपने विकास के अनुमान को 6.5 फीसद से बढ़ाकर 6.8 फीसद कर दिया है, लेकिन बेरोजगारी पर उसने बहुत संक्षिप्त राय जाहिर की है *(आरबीआइ बुलेटिन, सितंबर 2025, अर्थव्यवस्था की स्थिति)*: 'अगस्त में रोजगार की स्थिति के विभिन्न संकेतकों ने मिश्रित तस्वीर पेश की। अखिल भारतीय बेरोजगारी दर घटकर 5.1 फीसद रह गई..।' बेरोजगारी पर कम ध्यान इसलिए दिया जा रहा है कि आरबीआइ अधिनियम आरबीआइ को मौद्रिक और मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने का अधिकार देता है और उसमें रोजगार का कोई उल्लेख नहीं है। वित्त मंत्रालय ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा के अगस्त अंक में पूर्व अनुमानित वृद्धि दर को 6.3 से 6.8 फीसद के दायरे में ही रखा। इस समीक्षा में बेरोजगारी पर कुछ नहीं कहा गया।

विश्व बैंक ने 2025-26 में भारत की विकास दर 6.5 फीसद रहने का अनुमान लगाया था, लेकिन 2026-27 में इसे घटाकर 6.3 फीसद कर दिया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 2025 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 6.6 फीसद कर दिया है, जबकि 2026 के लिए इसके 6.2 फीसद तक गिरने का अनुमान लगाया है। वहीं आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) ने 2025-26 में भारत की विकास दर 6.7 फीसद और 2026-27 में 6.2 फीसद रहने का अनुमान लगाया है।

जीएफसीएफ, राह का रोड़ा

आम राय यह है कि भारत की विकास दर चालू वर्ष में 6.5 फीसद रहेगी और अगले वर्ष इसमें 20 आधार अंकों की कमी होगी। ये अनुमान मोटे तौर पर रंगराजन के निष्कर्ष की पुष्टि करते हैं। डा रंगराजन ने इस धीमी विकास दर के कारणों की पहचान की है: *सकल स्थिर पूंजी निर्माण* (जीएफसीएफ) दर, जो पिछले कुछ वर्षों से ठहरी हुई है और इस जीएफसीएफ दर के कारण विकास दर में *ठहराव* आया है। जीएफसीएफ 2007-08 में सकल घरेलू उत्पाद के 35.8 फीसद से गिरकर 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद के 30.1 फीसद पर आ गया है। पिछले दस वर्षों में यह कमोबेश अट्ठाईस से तीस फीसद के बीच स्थिर रहा है।

कुल जीएफसीएफ के हिस्से के तहत निजी स्थिर पूंजी निर्माण (पीएफसीएफ) 2007-08 में सकल घरेलू उत्पाद के 27.5 फीसद से गिरकर 2022-23 में 23.8 फीसद पर आ गया है (अंतिम उपलब्ध आधिकारिक आंकड़े)। डा रंगराजन ने वृद्धिशील पूंजी उत्पादन अनुपात (आइसीओआर) का भी जिक्र किया, लेकिन मैंने उसे छोड़ दिया, क्योंकि यह एक व्युत्पन्न संख्या है। जैसा कि डा रंगराजन ने निष्कर्ष निकाला, जब तक जीएफसीएफ/ पीएफसीएफ में सुधार नहीं होता या आइसीओआर में गिरावट नहीं आती, तब तक भारत 6.5 फीसद की विकास दर पर अटका रहेगा।

निजी पूंजी भारत में निवेश से क्यों कतरा रही है? इसका सबसे बड़ा कारण भारत सरकार और उद्योग जगत के बीच विश्वास की कमी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने तरकश के हर तीर का इस्तेमाल किया है, लेकिन भारतीय निवेशकों पर उनकी मिन्नतों, चेतावनियों या धमकियों का कोई असर नहीं है। वे नकदी जमा करना, इंतजार करना, दिवालिया कंपनियों का अधिग्रहण करना या विदेश में निवेश करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

मनमोहन सिंह जैसे साहस की जरूरत

एक विकासशील देश में *गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा* बनाना और गुणवत्ता से लैस रोजगार पैदा करने की क्षमता सरकार की सफलता का पैमाना है। पिछले दशक में एक ओर बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण हुआ है (और उस पर भारी मात्रा में खर्च किया गया है), वहीं दूसरी ओर बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता भयावह रही है- पुराने डिजाइन और तकनीक, गिरते पुल, ढहती इमारतें और नए राजमार्ग, जो पहली मानसूनी बारिश में ही बह गए। जहां तक गुणवत्तापूर्ण नौकरियों का सवाल है, जितना कम कहा जाए, उतना बेहतर है। 'शिक्षित बेरोजगारों' के लिए कोई रोजगार नहीं है और इस समूह की बेरोजगारी दर 29.1 फीसद है। 'युवा बेरोजगारी' दर 45.4 फीसद है। स्कूली शिक्षा प्राप्त और पढ़ाई छोड़ चुके लोग या तो अनियमित नौकरियां करते हैं या पलायन कर जाते हैं। सितंबर में आधिकारिक बेरोजगारी दर 5.2 फीसद बताया जाना उसी तरह एक मजाक है, जैसे आधिकारिक खुदरा मुद्रास्फीति दर 1.54 फीसद बताई जाए।

6.5 फीसद की जीडीपी वृद्धि दर कोई जश्न का क्षण नहीं है। इसका मतलब है कि भारत निम्न-मध्यम आय वर्ग के भंवर में फंस गया है, जिससे बाहर निकलने के लिए न तो कोई तरकीब है और न ही कोई साहस। अब मनमोहन सिंह की तरह का साहस दिखाने का वक्त आ गया है।

अगला स्तंभ : 2 नवंबर, 2025

सच का सामना

वक्त की नब्ज

तवलीन सिंह

हमारे राजनेता अर्थव्यवस्था की बातें बहुत करते हैं, लेकिन भूल जाते हैं कि जो देश विकसित हुए हैं हमसे पहले, उन्होंने सबसे ज्यादा अहमियत दी है अपने लोगों में निवेश करने पर। विकसित देशों में सरकारी स्कूल ऐसे मिलेंगे जो भारत के निजी स्कूलों से अधिक अच्छे हैं और सरकारी अस्पताल, जो हमारे निजी अस्पतालों से अच्छे हैं। हमने न जाने क्यों इन चीजों पर उतना ध्यान नहीं दिया, जितना देना चाहिए था।

देश वापस आई पिछले सप्ताह एक महीने बाद। विदेश के सफर अक्सर होते रहते हैं मेरे लिए, लेकिन इतना लंबा वतन से दूर रहना हुआ मुद्दतों बाद। तो नई शायद विदेशी नजर से दिख रही हैं चीजें। मुंबई हवाईअड्डे से बाहर आते ही एहसास होने लगा कि अपना देश विकसित पश्चिमी देशों से कितना पीछे है अभी भी। इसका एहसास ज्यादा होता है स्विट्जरलैंड जैसे अति-विकसित देश में एक महीना गुजारने के बाद। मुझे वहां जाना पड़ा किसी के इलाज के लिए। जिस अस्पताल में मैंने तकरीबन महीना गुजारा, वह स्विट्जरलैंड के एक गांव में है। वहां पहुंचते ही पहले हैरान हुई गांव की सफाई और सुंदरता को देख कर।

अस्पताल के आसपास किसानों के खेत-खलिहान थे, जिनमें फसलों के अलावा गायें दिखीं। न कचरा दिखा कहीं, न किसी तरह की गंदगी। इन खेतों को देख कर याद आए अपने देश के खेत-खलिहान और गांव। सोचने पर मजबूर हुई कि यहां के किसान अगर खेतों को इतना साफ रख सकते हैं, तो हमारे किसान क्यों नहीं ऐसा कर सकते! फिर याद यह भी आया कि किसानों से सफाई की उम्मीद कैसे कर सकते हैं, जब गांव ही हमारे इतने गंदे और बेहाल होते हैं। हमारे गांवों को देख कर कोई नहीं कहेगा कि नरेंद्र मोदी ने जो स्वच्छ भारत अभियान चलाया था एक दशक पहले इतने जोश और उत्साह के साथ, उसका कोई खास असर हुआ है। इतना जरूर हुआ है कि खुले में शौच करते लोग कम दिखते हैं आज, लेकिन इसके अलावा सफाई के नाम पर कुछ नहीं हुआ है। आज भी हर गांव और हर देहाती बाजार में दिखती हैं गंदी नालियां और कचरे के सड़ते ढेर। बीमारियों के फैलने का सबसे बड़ा कारण है गंदगी, लेकिन इसका उपाय अभी तक हमारे शासक ढूंढ़ नहीं पाए हैं, बावजूद इसके कि प्रधानमंत्री ने विकसित भारत का लक्ष्य रखा है 2047 तक।

दिवाली की चमकती रोशनी भी छिपा नहीं सकती हैं हमारे बेहाल देश की गुरबत और गंदगी। समस्या यह है कि जब तक इन चीजों का हल नहीं ढूंढ़ पाएंगे हम, तब तक विकसित भारत का सपना साकार नहीं होगा। इन मायूस खयालों में डूबी हुई ही थी जब, ब्रिटेन की पत्रिका 'इकोनामिस्ट' पढ़ने को मिली। जैसे अक्सर करती हूं, वैसे मैंने पहले भारत पर लेख ढूंढ़े और संयोग से दिखा कि इस पत्रिका ने नरेंद्र मोदी के विकसित भारत वाले सपने पर एक लेख छापा है इस सप्ताह। इस लेख में जो मुख्य बात कही गई है, वह यह कि भारत किसी भी हाल में 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में नहीं पहुंच पाएगा।

इस लेख के हिसाब से विश्व बैंक इस श्रेणी में उन देशों को डालते हैं, जिनके आम लोगों की सालाना आमदनी चौदह हजार डालर होती है या 12,30,670 रुपए। जिस रफ्तार से हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, उसे देखते यह विकसित देश होने वाला सपना 2047 तक यथार्थ में बदलता नहीं दिखता है। ऐसा 'इकोनामिस्ट' पत्रिका कहती है, लेकिन मुमकिन है कि तब तक हम इतना विकसित हो जाएंगे, जितना इराक आज है। यानी हर भारतीय की आमदनी छह हजार डालर तक पहुंच सकती है या आज से दुगनी हो सकती है।

हमारे राजनेता अर्थव्यवस्था की बातें बहुत करते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि जो देश विकसित हुए हैं हमसे पहले, उन्होंने सबसे ज्यादा अहमियत दी है अपने लोगों में निवेश करने पर। विकसित देशों में आपको सरकारी स्कूल ऐसे मिलेंगे जो भारत के निजी स्कूलों से कहीं अधिक अच्छे हैं और सरकारी अस्पताल भी ऐसे जो हमारे निजी अस्पतालों से अच्छे हैं। हमने न जाने क्यों इन चीजों पर उतना ध्यान नहीं दिया, जितना ध्यान देना चाहिए था। क्या इसलिए कि हमारे राजनेताओं ने चुनाव जीतने के लिए लोगों को बांट कर उनको कमजोर करके उनसे वोट हासिल किए हैं? मेरी अपनी राय यही है। मैं जब भी चुनावों को देखने निकलती हूं अपने देश में, तो अक्सर पाती हूं कि मुसलमान वोट देना पसंद करते हैं मुसलमानों को। ब्राह्मण देना पसंद करते हैं सवर्ण उम्मीदवारों को और जिन जातियों को हम सबसे पिछड़ी मानते हैं वे भी अपनी जाति के लोगों को वोट देना पसंद करती हैं।

ऊपर से समस्या यह भी है कि हमने लोकतंत्र की असली शक्ति को कमजोर किया है राजनीतिक दलों को निजी कंपनियों में तब्दील करके, जिनके मालिक होते हैं ऐसे राजनेता जिनको अपने परिवार की चिंता ज्यादा रहती है और देश की कम। हमारे सबसे बड़े राजनीतिक मुद्दे आर्थिक हैं, लेकिन जब चुनाव आते हैं, तो अजीब-सा माहौल बन जाता है जिसमें, दीन-धर्म, जात-पात इतने बड़े मुद्दे बन जाते हैं कि लोग भूल जाते हैं कि उनकी असली समस्याएं क्या हैं।

मतदाता जब अपने वोट डालने जाते हैं, तो यह नहीं सोचते हैं कि उनके घरों में पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधा नहीं है। नहीं सोचते हैं कि कंप्यूटर और एआइ के इस दौर में अभी तक उनके घरों में चौबीस घंटे बिजली नहीं आती है। नहीं सोचते हैं कि उनके बच्चे ऐसे स्कूलों में पढ़ाई करने के लिए मजबूर हैं जहां कई बार अध्यापक तक नहीं आते हैं और जब आते हैं, तो खुद इतने अशिक्षित होते हैं कि शिक्षा दे नहीं पाते हैं उस तरह, जिस तरह देनी चाहिए। हमारे सबसे अच्छे सरकारी स्कूलों से भी अधिकतर बच्चे जब पढ़ाई पूरी कर-के निकलते हैं, तो थोड़ा बहुत लिखना-पढ़ना ही सीख कर और थोड़ी बहुत गिनती करना।

इस लेख को शुरू करते ही कहा था मैंने कि एक पूरे महीने बाद आई हूं वतन वापस, इसलिए उन नजरों से देख रही हूं इस सप्ताह जिन नजरों से विदेशी हमको देखते हैं। माफ करिए मुझे कि दिवाली के इस मौसम में मैंने कुछ ऐसी बातें कही हैं जो मीठी नहीं कड़वी हैं, लेकिन त्योहारों पर भी सच का सामना अच्छा है। दिवाली की शुभकामनाएं आपको।

आंदोलन का परिवेश

संदर्भ

राकेश सिन्हा

सत्यभक्त भारत में अध्यात्म के महत्व को समझते थे। इसलिए इसका उपयोग समानता के सिद्धांत के प्रसार में करना चाहते थे। पर सोवियतवादी भारत की मौलिकता से ही लड़ रहे थे। अंधभक्ति व्यक्ति या समुदाय को अनावश्यक समर्पण की प्रेरणा देती है और वह इसे अपने व्यक्ति की उपलब्धि मानने लगता है। अंधभक्ति ही भविष्य के विनाश या पतन का कारण बन जाती है। सत्यभक्त दरकिनार हो गए, पर विनाश का बीज साम्यवादी आंदोलन में पनपने लगा। कम्युनिस्ट पार्टी का इतिहास इसका साक्षी है।

सत्यभक्त कौन थे? यह प्रश्न सिर्फ एक व्यक्ति की पहचान से जुड़ा नहीं होकर भारत के कम्युनिस्ट आंदोलन के चरित्र और प्रकृति को भी दिखाता है। भारत में कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना का विचार सबसे पहले उनके मन में आया और कानपुर में 1925 में इसकी स्थापना हुई। उसी वर्ष उन्होंने चार पृष्ठों का दस्तावेज जारी किया, जिसे सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया। वे पार्टी की नींव रखने वाले थे। पर कम्युनिस्ट इतिहास में उनका नाम कहीं नहीं है, बल्कि वे निंदा के पात्र हैं। ऐसा क्यों हुआ? सत्यभक्त समानता के समर्थक और संघर्ष के सारथी थे। उनका जन्म राजस्थान में हुआ, पर उनकी कर्मभूमि कानपुर थी। वे मजदूर आंदोलन से जुड़े थे। सबसे महत्त्वपूर्ण बात थी कि उनकी वाणी और व्यवहार में दोहरापन नहीं था। उन्होंने दलित महिला से विवाह कर सामाजिक प्रताड़ना झेली थी, पर अपना आत्मविश्वास टूटने नहीं दिया।

जिस वक्त वे कानपुर में कम्युनिस्ट पार्टी की नींव रख रहे थे, भारत में सोवियत समर्थकों की एक 'फौज' विकसित हो रही थी। उनमें सभी धनाढ्य परिवारों के प्रायः विदेशी संस्थाओं से शिक्षित लोग थे। सत्यभक्त का स्वदेशी मिजाज और अंदाज था। समानता की लड़ाई देशकाल और परिस्थिति के अनुसार लड़ी जाती है। पर सोवियत भक्तों को सत्यभक्त का मिजाज और अंदाज नापसंद था। उन्हें पार्टी से बेदखल कर दिया गया। वे अनाम हो गए। 1974 में समाजवादी हरदेव शर्मा ने, जो नेहरू मेमोरियल म्यूजियम और लाइब्रेरी (अब प्रधानमंत्री मेमोरियल म्यूजियम और लाइब्रेरी) के उपनिदेशक रहे, उन्हें गुमनामी से निकाला।

सत्यभक्त से सैद्धांतिक विवाद का कारण उनका भारतवाद था। भारत की परिस्थितियों में सत्यभक्त स्वतंत्र साम्यवादी आंदोलन के समर्थक थे। जबकि सोवियतवाद इसे अंतरराष्ट्रीय कम्युनिस्ट आंदोलन से जोड़कर देखता था। इसलिए सत्यभक्त ने पार्टी का नाम इंडियन कम्युनिस्ट पार्टी रखा था। इसे सोवियतवादियों ने सिरे से खारिज कर दिया। सत्यभक्त में मौलिकता थी। मौलिक व्यक्तित्व समझौतावादी नहीं होता है, न ही महत्त्वाकांक्षी। ये दोनों बातें उनके चरित्र में दिखाई पड़ीं। अलग-थलग होने के बाद वे 'सर्वहारा' की जिंदगी जीते रहे और वैचारिक योगदान करते रहे। 1934 में उन्होंने 'साम्यवाद का सिद्धांत' लिखा। कम्युनिस्ट छिपकर उन्हें पढ़ते थे, पर नाम नहीं लेते थे। 'साम्यवाद' शब्द का उन्होंने ही पहली बार प्रयोग किया था। उनके साथ हुए अन्याय और अनर्थ को छिपाने के लिए साम्यवादी बुद्धिजीवी उन्हें 'हिंदू कम्युनिस्ट' कहते हैं।

सत्यभक्त भारत में अध्यात्म के महत्त्व को समझते थे। इसलिए इसका उपयोग समानता के सिद्धांत के प्रसार में करना चाहते थे। पर सोवियतवादी भारत की मौलिकता से लड़ रहे थे। अंधभक्ति व्यक्ति या समुदाय को अनावश्यक समर्पण की प्रेरणा देती है और वह इसे अपने व्यक्ति की उपलब्धि मानने लगता है। अंधभक्ति ही भविष्य के विनाश या पतन का कारण बन जाती है। सत्यभक्त दरकिनार हो गए, पर विनाश का बीज साम्यवादी आंदोलन में पनपने लगा। कम्युनिस्ट पार्टी के शीर्षस्थ नेताओं में एक भोगेंद्र झा का मौखिक साक्षात्कार तीनमूर्ति पुस्तकालय में है। इसमें उस अंधभक्ति के गर्भ में पल रहे विनाशकारी मन-मस्तिष्क का तथ्यात्मक खुलासा है। एक बार अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सोवियत संघ और उसके राष्ट्रपति जोसेफ स्टालिन के कदम को उन्होंने गलत बताया, तो उनके साथियों का जवाब था, 'स्टालिन और गलती! ऐसा नहीं हो सकता है।'

इसी सोवियतवाद का दूसरा उदाहरण है। पार्टी के दूसरे शीर्षस्थ नेता इंद्रदीप सिन्हा लंबे समय तक पार्टी के मुखपत्र 'न्यू एज' के संपादक थे। उनका मौखिक साक्षात्कार तीनमूर्ति पुस्तकालय में है। स्वतंत्रता के बाद क्रांति शहर केंद्रित है या ग्राम केंद्रित, पार्टी में विवाद का विषय बना। दोनों ही धरा के दो -दो नेता, राजेश्वर राव, एसए डांगे, ए वासुपुनैया और अजय घोष मास्को में स्टालिन से समाधान लेने गए। सिन्हा ने उस भेंट का जो विवरण दिया, उसमें स्टालिन भारत के कम्युनिस्टों से कहीं अधिक विवेकवादी नजर आए। वे सभी एक कमरे में प्रतीक्षा कर रहे थे। स्टालिन स्वयं आ गए। सिन्हा ने कहा, उस 'महामानव' को अचानक साक्षात देखकर घबरा गए। फिर वार्ता शुरू हुई। स्टालिन ने उन्हें कहा, 'भारत की परिस्थितियों को देख कर निर्णय लेना चाहिए।' और 1942 में भारत के कम्युनिस्टों द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध में सोवियत संघ और ब्रिटेन का समर्थन का कारण पूछते हुए कहा कि पार्टी ने गलत किया। उन्हें भारत छोड़ो आंदोलन का साथ देना चाहिए। फिर प्रतिप्रश्न किया, 'अगर वे सोवियत संघ का समर्थन नहीं करते, तो क्या हम युद्ध नहीं जीत पाते?'

पर यह सब औपचारिकता और दिखावटी विवेकवाद था। सोवियत नेताओं से असहमति का मतलब साम्यवादी नहीं रह जाना। मानवेंद्र नाथ राय, जिन्होंने सत्यभक्त के लिए गड्ढा खोदा था, वे भी उसी गड्ढे में गिरे। औपनिवेशिक देशों में कम्युनिस्टों की भूमिका पर वे सोवियत नेता लेनिन से मतभेद रखते थे और दृष्टि की भिन्नता के कारण वे आंदोलन से बाहर ही नहीं हुए, अलग-थलग पड़ गए। लंबे समय तक स्वयं अर्जित दासता के भाव में जीने वाला व्यक्ति अपना अंत आते हुए भी दासता को नहीं छोड़ता है। आज के कम्युनिस्ट आंदोलन के वाहक निकले थे सर्वहारा की लड़ाई लड़ने और काल्पनिक सांप्रदायिकता से लड़ने लगे। साम्यवाद के सौ वर्षों का इतिहास स्वायत्तता का इतिहास नहीं होकर समझौता और समर्पण का इतिहास रहा है। अब सत्यभक्त उन्हें जरूर याद आएंगे।

सब ठीक-ठाक है

बाखबर

सुधीश पचौरी

एक चैनल पर बहस 'बेजान अर्थव्यवस्था' पर चल रही थी। एक विशेषज्ञ विपक्षी प्रवक्ता का जवाब दे रहे कि थे कि किस तरह से भारत की अर्थव्यवस्था जिंदा है, बल्कि तेज गति से आगे बढ़ रही है, जिसका प्रमाण स्वयं विश्व की बड़ी कंपनियों का नया आकलन देता है।

एक नाराज, दूजा नाराज, तीजा नाराज..! फिर भी प्रवक्ताओं की यही एक लाइन कि अपने गठबंधन में सब ठीक-ठाक है! कुछ एंकर और संवाददाता निराश कि हाय इतनी जल्दी सब ठीक कैसे हो गया! यह अपनी खबर बनाने की कला है जो इसी तरह के दो मिनट के 'रूठ मटक्के' से बनाई जाती है। ऐसे ही एक और 'नाराज' कहिन कि वह सीट हमारी... उसी से हम लड़ेंगे और नामित कर दिए दूसरे के कोटे की सीट पर अपने उम्मीदवार का नाम। जवाब में दूजे ने भी तय कर दिए ऐसी हर सीट पर अपने उम्मीदवार..। एंकर कहिन कि अब क्या होगी 'दोस्ताना लड़ाई'! तब तो जीत लिया राजग..!

फिर खबर आई कि गठबंधन में भी सब कुछ ठीक नहीं। एक साठ के आसपास सीट मांग रहा है... तो दूसरा मांग रहा है चालीस के साथ उपमुख्यमंत्री! तीसरा कह रहा है कि न ये, न वो... अकेला मैं..। असली 'किंगमेकर' मैं..। कई चर्चक भी उनकी 'एकला चलो रे' की मुद्रा पर मुग्ध। कई सर्वे भी मुग्ध। एक ने तो कह दिया कि एक बरस में 'तेरह फीसद वोट' ले सकने वाला बनने की कोशिश कोई मामूली बात नहीं। एक कहिन 'सत्तारोधी लहर' है और वह गुल खिलाएगी। दूजा कहिन कि ये दौर अलग है। 'सुशासन बाबू' ने इतना विकास किया है कि विकास भी दंग है..।

राजनीति में यों तो 'कुनबावाद' है, 'जातिवाद' है। मगर तत्त्वतः यहां न कोई 'तेरा' है, न 'मेरा'। भतीजा कहता है कि चचा बीमार और बेकार हैं। उनके बस का कुछ नहीं, तो प्रवक्ता दहाड़ते हैं कि अपनी फिक्र करो 'विकास बाबू' फिर आ रहे हैं। यों सबको जाति 'मिटानी' है, लेकिन इसके लिए पहले जाति 'भुनानी' है। इस तरह बिहार में विचारों की कमी नहीं है। यहां जाति विचार है, धर्म विचार है, 'मुफ्त की सौगात' एक विचार है और महिलाओं को सीधे दस हजार है। इस तरह 'वोट विचार' है... 'जनतंत्र' विचार है। मगर बिहार के चुनाव का असली आनंद तो 'तेज' बरक्स 'तेज' के बीच नजर आता है।

एक 'शांति वार्ता' सीधे प्रसारित हुई। अमेरिका के आदेश पर इजराइल और हमास ने हथियार डाले और एक दूसरे के बहुत से बंधक वापस किए। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपना 'शो' दिखाया..। उन्होंने मंच से ही पुकारा- वे कहां हैं और संकोच में पीछे खड़े वे बच्चे की तरह आगे आए... ट्रंप कहिन कि वह बोलें जो कुछ पहले बोले हैं... तो वे सीधे उनकी 'तारीफ' में शुरू हो गए कि 'खुदी को कर बुलंद इतना..!' फिर वे इस शेर का अंग्रेजी में तर्जुमा करते हुए शुरू हो गए। मंच के एकदम पीछे इटली की प्रधानमंत्री अपनी हंसी किसी तरह रोकती हुई दिखीं।

शीर्ष नेताओं के बीच ऐसा 'वैश्विक प्रहसन' न कभी देखा, न सुना। पाकिस्तान के चैनल पर एक पाकिस्तानी नागरिक बोला, ये बंदा बूट पालिश अच्छी करता है। इतना ही नहीं ट्रंप ने अपने मंच संचालन के नए तेवर दिखाते हुए सीधे इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी की सुंदरता की तारीफ तक कर दी कि वे कितनी सुंदर महिला हैं। शुष्क कूटनीति के बीच भी ट्रंप ने अपना 'सौंदर्यबोध' नहीं खोया! इसीलिए मैं उनको दुनिया का सबसे बड़ा 'कलाकार' मानता हूं। वे युद्ध और शांति के बीच भी अपना 'हास्यबोध' बनाए रखते हैं। शायद इसी झोंक में कह दिया कि उनकी बात हुई है। अब भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। जवाब में एक बार फिर विदेश मंत्री को कहना पड़ा कि दिल्ली अपनी नीति स्वयं तय करती है..।

एक विपक्षी ने कहा कि लगता है, वे अंकल की नौकरी करते हैं, तो दूसरा बोला कि भारत की कोई विदेश नीति नहीं है। अंकल पीटते हैं, तो चीन की ओर भागते हैं। चीन पीटता है, तो रूस की ओर जाते हैं। चर्चा के दौरान एक विशेषज्ञ ने कहा कि अंकल जानबूझ कर अपनी 'कल्पना' से अक्सर नई-नई बातें गढ़ते हैं।

इस बीच हरियाणा के एक बड़े पुलिस अधिकारी की खुदकुशी की खबर तो बड़ी खबर बनी ही। इसके साथ ही राजनीति भी मैदान में आ गई और फिर पुलिस अफसर की खुदकुशी पर भी राजनीति होने लगी। चैनल पर चर्चा में सभी इस बात पर सहमत दिखे कि कोई उच्चस्तरीय निष्पक्ष व्यक्ति ही सच को सामने ला सकता है..।

एक चैनल पर एक बहस 'बेजान अर्थव्यवस्था' पर चल रही थी कि एक विशेषज्ञ, एक विपक्षी प्रवक्ता का जवाब दे रहे कि थे कि किस तरह से भारत की अर्थव्यवस्था जिंदा है, बल्कि तेज गति से आगे बढ़ रही है, जिसका प्रमाण स्वयं विश्व की बड़ी कंपनियों का नया आकलन देता है। तभी एक विपक्षी टोकने लगे, तो उन्होंने कहा कि क्या अब विपक्ष में यह हाल है कि बिना सोचे बोल पड़ते हैं! फिर एक चैनल ने यह बता कर सबको चौंकाया कि पिछले नौ महीनों में अयोध्या के 'श्रीराम मंदिर' के दर्शन करने वाले दर्शनार्थियों की संख्या बाईस करोड़ रही। यह एक नया कीर्तिमान है।

भास्कर ब्रेकिंग 126 साल पुरानी मैनुअल स्टाम्प की व्यवस्था जल्द ही पूरी तरह होगी बंद, पंजीयन विभाग ने राज्य सरकार को भेजा प्रस्ताव

मप्र में अब सिर्फ ई स्टाम्प... सभी मैनुअल स्टाम्प होंगे बंद, सालाना 34 करोड़ बचेंगे

अजय वर्मा | भोपाल

टेलीग्राम और मनीऑर्डर की तरह मध्यप्रदेश में 126 साल बाद मैनुअल स्टाम्प पूरी तरह बंद होने जा रहे हैं। अब सिर्फ ई-स्टाम्प ही जनरेट किए जाएंगे। ये व्यवस्था कुछ महीनों में लागू करने की तैयारी है। इससे सरकार को मैनुअल स्टाम्प की छपाई, परिवहन और सुरक्षा व्यवस्था पर सालाना खर्च होने वाले करीब 34 करोड़ रुपए की बचत होगी। 100 रुपए से ऊपर के मैनुअल स्टाम्प 2015 में ही बंद किए जा चुके हैं।

पंजीयन अफसरों के मुताबिक अभी 100 रुपए से नीचे के स्टाम्प की छपाई नीमच और हैदराबाद प्रेस में होती है। यहां से स्टाम्प को विभिन्न हिस्सों में भेजने के लिए परिवहन व सुरक्षा व्यवस्था करनी पड़ती है। ई-स्टाम्पिंग से ये भी आसानी से ट्रैक किया जा सकेगा कि किसने, कब कितने मूल्य का स्टाम्प खरीदा। इससे फर्जीवाड़ा और दोहरी बिक्री जैसी शिकायतों पर अंकुश लगेगा। मैनुअल स्टाम्प बंद करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेज दिया गया है।

100 रुपए से ऊपर मूल्य के मैनुअल स्टाम्प साल 2015 में ही हो चुके बंद

किरायानामा से लेकर एफिडेविट तक रोज पड़ती है आम लोगों को स्टाम्प की जरूरत

किरायानामा, एफिडेविट, सेल एग्रीमेंट, नॉन-ज्यूडिशियल डॉक्यूमेंट्स, पॉवर ऑफ अटॉर्नी जैसे सैकड़ों कामों के लिए लोगों को रोज मैनुअल स्टाम्प की जरूरत पड़ती है। अब बैंकों या अधिकृत केंद्रों पर जाकर आसानी से ई-स्टाम्प मिल जाएगा। राजस्व अधिकारियों का कहना है कि ई-स्टाम्प व्यवस्था से आम लोगों को काउंटर पर लाइन लगाने की जरूरत नहीं होगी। स्टाम्प सीधे ऑनलाइन जनरेट होकर डिजिटल रूप में डाउनलोड किया जा सकेगा। राजस्व संग्रहण अधिक सटीक होगा। अब किसी भी ट्रांजेक्शन का डेटा रीयल टाइम में उपलब्ध रहेगा। मप्र में 100 रु. से अधिक के मैनुअल स्टाम्प पहले ही खत्म किए जा चुके हैं।

व्यक्ति खुद जनरेट कर सकता है ई स्टाम्प

- पंजीयन मुख्यालय के अफसरों ने बताया कि मप्र में 2014-15 से ई स्टाम्प जनरेट करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। अगस्त 2015 ये आम लोगों के लिए जारी होने लगे।
- देश में एमपी अकेला ऐसा राज्य है, जो खुद के सॉफ्टवेयर के जरिए ई स्टाम्प जारी करता है। अन्य राज्यों में थर्ड पार्टी एजेंसी स्टॉक होल्डिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया के जरिए ई स्टाम्प जारी किए जाते हैं।
- इस एजेंसी को पहले व्यक्ति पैसा देता है। ये एजेंसी के पास जमा हो जाता है। इसके बाद राज्य सरकार के खजाने में इसकी राशि जमा होती है। जबकि एमपी में पूरी राशि सीधे राज्य सरकार के खजाने में ही जमा होती है।
- मप्र अकेला राज्य है, जहां व्यक्ति खुद भी ऑनलाइन प्रक्रिया का पालन कर ई स्टाम्प जनरेट कर सकता है।

भास्कर नॉलेज
स्टाम्प की अब तक की कहानी

- ब्रिटेन ने 1694 में युद्ध का खर्च जुटाने के लिए स्टाम्प ड्यूटी की शुरुआत की गई थी।
- भारत में 1899 में भारतीय स्टाम्प अधिनियम बना। इसके तहत कानूनी दस्तावेजों पर टैक्स के लिए स्टाम्प ड्यूटी लागू की गई। यहीं से भारत में मैनुअल स्टाम्प की शुरुआत थी।
- नकली छपाई रोकने के लिए इन पर वाटर मार्क, माइक्रोटेक्स्ट और यूनिक सीरियल नंबर होते हैं।
- मध्यप्रदेश समेत सभी राज्यों की आमदनी का 8-10% हिस्सा स्टाम्प ड्यूटी और पंजीयन शुल्क से आता है।
- 2003 के फर्जी स्टाम्प घोटाले (30,000 करोड़ तक) के बाद ई-स्टाम्पिंग की जरूरत महसूस हुई।
- 2008 में ई-स्टाम्पिंग सबसे पहले दिल्ली में लागू हुई। मप्र में 2015 में शुरू हुई।

बदमाश ने साथियों के साथ युवक को पीटा, बोला- मैं शहर का बाप हूं

भास्कर न्यूज़ | रायपुर

राजधानी में एक बदमाश सरेआम गुंडागर्दी की। उसने अपनी पत्नी और दोस्तों के साथ मिलकर एक युवक की जमकर पिटाई की। उसने पीड़ित से माफी मंगवाई, फिर अपनी पत्नी के पैर पर युवक का सिर रखवाया और चुमवाए भी। इस दौरान उसने वीडियो भी बनवाया, जो अब सोशल मीडिया पर है। वीडियो सिविल लाइन थाना क्षेत्र के न्यू शांति नगर स्थित श्मशान घाट का बताया जा रहा है। इसमें हिस्ट्रीशीटर विक्की कोचड़ और उसके साथ 3-4 लड़के एक युवक रानू सिंह नामक की बेरहमी से पिटाई कर रहे हैं। वीडियो में एक युवती भी पीटने में लगी हुई है। युवक माफी मांग कर गिड़गिड़ा रहा है। पीटते वक्त बदमाश विक्की कह रहा है कि उस पर पहले से ही कई केस चल रहे हैं। इस दौरान बदमाश पिस्टल दिखाकर युवक को डराने लगा।

बेसरा, देवजी, गणपति, हिड़मा, रमन्ना जैसे 5 कुख्यात नक्सली ही सक्रिय

पूर्वी और उत्तर बस्तर से नक्सली खात्मे की ओर

प्रमोद साहू | रायपुर

जगदलपुर में शुक्रवार को नक्सलियों के अब तक के सबसे बड़े सरेंडर के साथ ही प्रदेश में नक्सलियों का दायरा सिकुड़ गया है। नक्सलियों की टॉप लीडरशिप धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है। नक्सली संगठन को संचालित करने वाला पोलित ब्यूरो भी अब लगभग खाली हो चुका है, जिसमें एक समय आठ से अधिक सदस्य थे। सेंट्रल कमेटी को मिलाकर यह संख्या 17 से भी ज्यादा थी। अब दोनों को मिलाकर आठ से भी कम सदस्य बचे हैं। वजह- नक्सली संगठन के महासचिव बसवराजू सहित कई बड़े लीडर मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं या आत्मसमर्पण कर चुके हैं। फोर्स का दावा है कि पूर्वी और उत्तरी बस्तर के इलाके में लगभग नक्सलवाद खत्म हो गया है। संगठन में बड़ा लीडर अब यहां सक्रिय नहीं है। माढ़ इलाके में तो नक्सलियों का लगभग सफाया हो गया है। फिलहाल फोर्स के सामने सबसे बड़ी चुनौती सुकमा और बीजापुर जिले हैं, जो पश्चिम और दक्षिण बस्तर के इलाके हैं। यहां अभी भी पोलित ब्यूरो के सदस्य मिसिर बेसरा, तिरुपति उर्फ देवजी और गणपति के अलावा सेंट्रल कमेटी के सदस्य माडवी हिड़मा, रमन्ना, गणेश उइके समेत कुछ सदस्य सक्रिय बताए जा रहे हैं।

प्रदेश में केवल हिड़मा ही बचा

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फोर्स के लगातार ऑपरेशन और सरकार की नीतियों के कारण नक्सली अब हथियार छोड़ रहे हैं। इनमें ज्यादातर स्थानीय नक्सली हैं, जो निचले स्तर पर कैडर को संभाले हुए थे। टॉप लेवल पर दूसरे राज्यों के नक्सली लीडर थे, जो उन्हें दिशा दे रहे थे। शीर्ष नेतृत्व में छत्तीसगढ़ से केवल नक्सलियों ही है। देवजी को नक्सली संगठन का नया मुखिया यानी महासचिव बनाए जाने के बाद संगठन में दो फाड़ हो गया है।

नए चेहरे बनेंगे बड़ी चुनौती

राज्य में नक्सली संगठन कमजोर होने के कारण अब दूसरे राज्यों से नक्सलियों को यहां भेजा जा रहा है। आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, झारखंड और केरल से संगठन से जुड़े लोग छत्तीसगढ़ पहुंच रहे हैं। वहीं नक्सलियों के बड़े लीडर लगातार ऑपरेशन की वजह से हथियार छिपाकर बड़े शहरों में रहने लगे हैं। झुग्गी-बस्तियों और लेबर क्वार्टर में रहकर वे सरकार के मूवमेंट पर नजर रख रहे हैं। कई बड़े लीडर राज्य से बाहर चले गए हैं। अब छोटे कैडर सदस्य भी शहरों की ओर रुख कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक नक्सलियों ने फिलहाल युद्धविराम का निर्णय लिया है। वे छिपकर संगठन को फिर से मजबूत करने की कोशिश में हैं। आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बॉर्डर इलाके अब नक्सलियों के नए ठिकाने बन गए हैं। ये इलाके उनके छिपने की सुरक्षित जगहें बन चुके हैं।

मार्च 2026 तक खत्म हो जाएगा नक्सलवाद

बस्तर आईजी पी. सुंदर राज ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों तथा फोर्स के लगातार ऑपरेशन के कारण बस्तर में नक्सलवाद समाप्ति की ओर है। फोर्स जंगलों में घुसकर और कठिन पहाड़ियों पर चढ़कर नक्सलियों को खदेड़ रही है। वहीं, सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर नक्सली हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौट रहे हैं। बस्तर से नक्सलवाद के सफाए की दिशा में तेजी से कदम बढ़ रहे हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार फिलहाल पूर्वी और उत्तरी बस्तर में कोई बड़ा नक्सली लीडर सक्रिय नहीं दिख रहा है। अन्य इलाके में देव जी, हिड़मा समेत कुछ गिने-चुने नक्सली ही बचे हैं, जो पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज हैं। लेकिन वे भी राज्य से बाहर चले गए हैं। पुलिस आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों से जानकारी लेकर गांव-गांव जाकर यह जांच करेगी कि कहीं संगठन में नई लीडरशिप तो नहीं उभर रही है।

फोर्स का बढ़ रहा दबाव, अब सशस्त्र आंदोलन जारी रखना मुश्किल

गरियाबंद | नक्सलियों के नुआपाड़ा गरियाबंद धमतरी डिविजन की उदंती एरिया कमेटी ने आत्मसमर्पण की इच्छा जताई है। इसके साथ ही अन्य कमेटियों को भी सरेंडर करने की अपील की है। कमेटी के कमांडर सुनील ने शनिवार को मीडियों का एक पत्र जारी कर साथियों से कहा है कि वर्तमान परिस्थितियों में सशस्त्र आंदोलन जारी रखना कठिन हो गया है। फोर्स का दबाव बढ़ने और जनसमर्थन घटने के कारण अब जनांदोलनों और सामाजिक माध्यमों से जनता की समस्याओं को उठाने का संकल्प लिया गया है। हमारी टीम सोनू दादा और रूपेश दादा द्वारा लिये फैसलें का समर्थन करते हुए सशस्त्र आंदोलन को विराम करने जा रही है। पत्र के उन्होने शीर्ष नक्सली नेता सोनू दादा द्वारा जारी बुकलेट की भी जिक्र किया है। सुनील ने जिले में सक्रिय गोबरा, सीनापाली, एसडीके और सीतानदी के सदस्यों से भी शांति के मार्ग पर लौटने और आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में जुड़ने की अपील की है।

संडे बिग इन्फो • 1 साल में ढाई लाख आवेदन, 24 हजार मामूली गलती से अटके

मप्र में पुलिस की एडवर्स रिपोर्ट व स्पेलिंग मिस्टेक के कारण अटके 12 हजार पासपोर्ट

वंदना श्रोती | भोपाल

पासपोर्ट बनवाने वालों को जानकारी की कमी और तकनीकी गलतियां भारी पड़ रही हैं। साल 2024 में प्रदेशभर के पासपोर्ट सेवा केंद्रों में आए 2.50 लाख आवेदनों में से 24 हजार फाइलें अधूरे दस्तावेजों और छोटी-छोटी गलतियों के कारण क्लोज की गईं। पुलिस की एडवर्स रिपोर्ट, खुद के या पिता के नाम की स्पेलिंग में गलती या मिलान न होने से ही 12 हजार फाइलें क्लोज की गई हैं। क्लोज की गई फाइलों के लिए आवेदकों को दस्तावेज जमा करने और त्रुटियां सुधारने के लिए तीन माह का समय दिया था। इस अवधि में अधिकांश आवेदक दस्तावेज जमा करने नहीं पहुंचे। अब इन्हें नए सिरे से आवेदन करना होगा।

3000 आवेदन पासपोर्ट के लिए रोज आते हैं प्रदेशभर में

90 दिन का समय मिलता है गलतियां ठीक करने के लिए

जानें... क्या-क्या गलतियां कीं

- 20% — 4,800 पुलिस की एडवर्स रिपोर्ट पर जवाब न देना
- 18% — 4,320 अंकसूची और फॉर्म में नाम की स्पेलिंग अलग
- 15% — 2,880 प्रमाणपत्रों में अलग-अलग जन्मतिथि
- 12% — 2,880 पिता के नाम की स्पेलिंग अलग
- 10% — 2,400 प्रमाण-पत्र अधूरे या गलत पते के साथ
- 8% — 1,920 नोटिस का जवाब न देना
- 9% — 2,160 कोर्ट केस या एनओसी का अभाव
- 4% — 920 नाबालिगों के केस में अभिभावक विवाद

एक्सपर्ट व्यू

शीतांशु चौरसिया, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी

नाम सही लिखें और नोटिस का जवाब दें

- फॉर्म में वही नाम, जन्मतिथि लिखें जो आधार, अंकसूची व जन्म प्रमाणपत्र में दर्ज हो।
- फाइल होल्ड में हो तो तय समय में दस्तावेज जमा करें।
- नोटिस या ईमेल का जवाब जरूर दें, वरना फाइल क्लोज हो सकती है। नाबालिगों के केस में कस्टडी विवाद पर फाइल क्लोज हो सकती है।
- कोर्ट केस की जानकारी दें। एड्रेस वेरिफिकेशन के समय मौजूद रहें। शादीशुदा महिलाएं मैरिज सर्टिफिकेट लगाएं।

बाजारों में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से रखी जाएगी नजर

इंदौर | पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें दीपावली के दौरान लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर कुछ प्लान बनाए हैं। साथ ही निर्देश दिए कि बाजार में बड़ी संख्या में बल तैनात रहेगा। चौकसी ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से भी होगी। सभी बाजारों में लोगों की सुविधा के लिए यातायात व पार्किंग कराई जाएगी। फायर ब्रिगेड भी तैयारी रखेगा।

सूचना

केनरा वित्तीय सलाहकार ट्रस्ट के पद हेतु आवेदन

केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम अनुबंध के आधार पर स्नातक धारकों से पुन्हाना क्षेत्र के लिए आवेदन आमंत्रित करता है, जिनकी आयु 62 वर्ष से कम हो, बैंकिंग ज्ञान हो, सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में जागरूकता हो, तथा जो अपने आबंटित परिचालन क्षेत्र में कार्यक्रम और गांव का दौरा करके लोगों के बीच वित्तीय साक्षरता जागरूकता फैलाने के इच्छुक हों। इसके लिए सेवानिवृत्त बैंक अधिकारियों को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यकाल तीन वर्ष का होगा और पारिश्रमिक 20115 रुपये प्रति माह होगा। 3000 रुपये प्रति माह का वाहन भत्ता शर्तों के अधीन होगा। इच्छुक अभ्यार्थी आवेदन पत्र केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, बी-35, प्रथमतल साइबर मीड्यिा हाउस, सेक्टर-32, गुरुग्राम-122003 के पते पर 31.10.2025 तक या उससे पहले जमा कर सकते है। प्रोफार्मा आवेदन और अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे 0124-2657529, 9253047303.

उपमहाप्रबंधक/ सहायक महाप्रबंधक, केनरा बैंक

संगठन सृजनः दावेदारों से मिले पर्यवेक्षक गुद्दाढे

भास्कर न्यूज़ | रायपुर

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान शुक्रवार को समाप्त हो गया। केंद्रीय पर्यवेक्षक प्रफुल्ल गुद्दाढे ने अंतिम दिन रायपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदारों से वन-टू-वन चर्चा की। साथ ही रायपुर जिले के शहर और ग्रामीण कांग्रेस संगठनों में ब्लॉक और विधानसभा के पदाधिकारियों से भी बात हुई। गुद्दाढे ने कहा कि संगठन सृजन अभियान कांग्रेस के भीतर लोकतांत्रिक भावना को और सशक्त करता है। हर कार्यकर्ता और दावेदार की राय हमारे लिए महत्वपूर्ण है। यही कांग्रेस की असली ताकत है।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Sh. Manish Kumar
Civil Judge (Senior Division), Gurugram
GURBINDER SINGH CHAUDHRI
Vs.
RAJMAAN SINGH CHAUDHRI
CNR No. HRGR02-002358-2020
Next Date:- 17-11-2025
PUBLICATION ISSUED TO ;
GENERAL PUBLIC AT LARGE :-
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/ respondent(s) should appear in person or through counsel on 17-11-2025 at 10:00 a.m. For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Gurugram
Civil Judge (Senior Division) Gurugram
Dated, this day of 18.10.2025

पंजीकरण

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पीतमपुरा, दिल्ली से संबंधित विभिन्न सेवाओं, खरीद आपूर्ति एवं मरम्मत तथा एएमसी कार्यो हेतु पंजीकरण कराने हेतु दिल्ली की इच्छुक फर्मो एवं एजेंसियों से आवेदन पत्र 10 दिनों के अंतर्गत जी. एस. टी, पैन न. लाइसेंस की कॉपी लगाकर पंजीकरण करवा सकते है।

प्राचार्य

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (जोन क्र. 02)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

क्र./1230/न.पा.नि./जोन 02/लोनिवि/2025-26 — तिफरा, दिनांक 17/10/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदा दिनांक 07.11.2025 समय 17.30 Hours (IST) तक आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि
177896	Construction of B.T., C.C. raod and drain under integrated development in Tifra area.	597.41	2,99,000

निविदा की सामान्य शर्तें, अमानत राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से दिनांक 17/10/2025 से डाउनलोड/देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता (जोन क्रमांक-02) नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

Green City, Clean City, Dream City

स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़

शुद्धिपत्र

संदर्भः ई-निविदा सूचना संख्या पीआई (ईपी)/25-26/01

निम्नलिखित परिवर्तन किए गए हैं :-

क्र.सं	उपकरण/मद का नाम	मूल बोली जमा करने की तिथि	संशोधित बोली जमा करने की तिथि	मूल बोली खुलने की तिथि	संशोधित बोली खुलने की तिथि	विभाग का नाम
7	लो एनर्जी लिनियर एक्सिलेटर	23-10-2025	30-10-2025	24-10-2025	31-10-2025	रेडियोथेरेपी

अन्य सभी विवरण वही रहेंगे।

प्रोफेसर प्रभारी (ईपी)

भास्कर matrimony — BhaskarAd.com — अब Matrimonial ad ऑनलाइन बुक करें — Call: 9772019222

रिश्ते

सर्वोत्तम शादियां साझेदारी हैं। साझेदारी के बिना एक सर्वोत्तम शादी नहीं हो सकती।

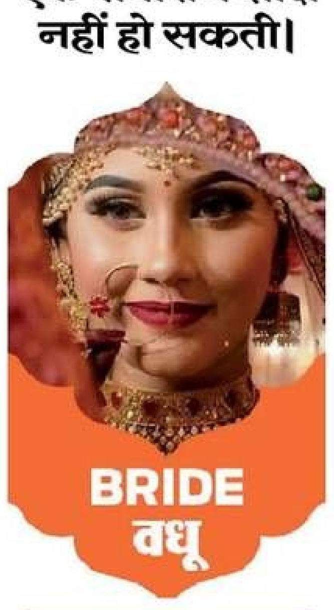

ब्राह्मण

21-30 वर्ष

SUITABLE MATCH FOR BRAHMIN HANDSOME CANADIAN CITIZEN BOY B.TECH HEIGHT 6'-2" 26 MARCH 1995 6:04 PM SEEKING SUITABLE GIRL. 9501035414

31-40 वर्ष

Brahmin boy 1987, 5'-9", MBA, Assistant Manager Chandigarh, Own house Mohali. Caste no bar. 95170-76858.

SM4 Gaur Brahmin Boy 5'5" 26.8.1994 wrkng in Merchant Navy 2nd Officers B.Sc Nautical Sc. B'ful Bride Req. living in Gurgaon. 9910956611

वधु चाहिए — पंजाबी सारस्वत ब्राह्मण 39/5'8" बी.एस.सी. (इलेक्ट्रॉनिक्स) एमएनसी/ बीपीओ, इंदौर (म.प्र.) में कार्यरत, तलाकशुदा (नाममात्र विवाह)। सर्व ब्राह्मण एवं खत्री समाज स्वीकार। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें संपर्क करें। 9993888982

41-50 वर्ष

45 वर्षीय फार्मा रिसर्च मुंबई में कार्यरत अविवाहित एम.फार्म. तमिल ब्राह्मण (14 लाख वार्षिक) हेतु अविवाहित शाकाहारी वधु चाहिए। सर्व ब्राह्मण स्वीकार्य। 8422859904

कायस्थ

51 वर्ष से अधिक

बिहार श्रीवास्तव अविवाहित डेंटल डॉक्टर, 60/5'5", अपना 2 मकान 2 कार, हेतु कायस्थ विधवा भी, प्रोफेशनल, लेक्चरर, रेलवे, आंगनबाड़ी, प्रशासनिक इत्यादि वधू चाहिए। डॉक्टर परिवार। # 09939928866, 09934279831

खत्री

21-30 वर्ष

BRIDE WANTED — Suitable Match For Handsome Arora Khatri Boy, 5'11", 17-04-1995, B.A., Chandigarh. WELL SETTLED BUSINESSMAN (Resident Since 1962), Small Family. Preference Non Working Girl. TRI CITY PREFERRED. CONTACT 98886-53894

31-40 वर्ष

Wanted an suitable alliance for my unmarried son (21/01/1990, Jalandhar, 5'3", Graduate, Pvt. Sector with good salary, Own house, nuclear family) Preference to Jalandhar Or Districts around. Interested please call me on 7696382930.

अग्रवाल

21-30 वर्ष

वधु चाहिए अग्रवाल युवक 27/5'9" स्वयं का व्यवसाय (शोरूम), मोहाली निवासी हेतु वधु चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। संपर्क करें - 9876711833, 9888911833

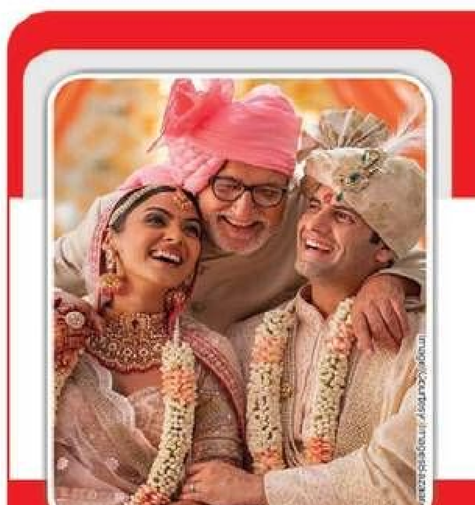

भास्कर matrimony से मेरी बेटी को मिला उसका जीवनसाथी

दैनिक भास्कर मेटरीमोनी में विज्ञापन बुकिंग का सबसे सरल माध्यम

BhaskarAd.com — बनाए विज्ञापन बुकिंग आसान

- घर बैठे ऐड बुकिंग
- आसान ऑनलाइन पेमेंट

9772019222

अब आप क्लासीफाइड, वैवाहिकी, शोक संदेश और जाहिर सूचना के विज्ञापन भी सीधे बुक कर सकते हैं

अन्य

31-40 वर्ष

BRIDE wanted — Seeking a Suitable Match for our Son, Dob.14-12-1993, 5'10" Jangra, Bachler of Engineering, Presently Working in TCS - GURUGRAM, Living in Chandigarh. Requirements: Age-Upto 28 yrs, minimum 5'2", Graduate, Working professional preferred. Intercaste is also acceptable. 9417778543

पंजाबी

21-30 वर्ष

पंजाबी वधु चाहिए- उम्र 6-10-95/5'-9" डबल MBA पंजाबी ब्राह्मण कनाडा में उच्च पोस्ट मैनेजर वेलसेटल्ड शुद्ध शाकाहारी परिवार, सुशील, सुंदर, पढ़ी-लिखी लड़की चाहिए। सभी जनरल कास्ट स्वीकार, जातिबंधन नहीं, संपर्क- 7987912375, 9131450674

31-40 वर्ष

1989/ 5'5', B.A., B.Ed, JBT, पंजाबी सरकारी नौकारी (हरियाणा) इकलौता पुत्र (बहन विवाहित) हेतु वधु चाहिए शीघ्र विवाह। मो.: 9466832725

सिख

21-30 वर्ष

Suitable match for Sikh divorcee handsome boy, 09-11-1996, 5'-6", Amritsar, Diploma in Mechanics, working in private sector, salary 50k, seeks Beautiful and Educated homely girl. Contact-8558945880, 9780483502

31-40 वर्ष

रामगढ़ीआ सिख लड़का, 1993, 6', प्राईवेट जॉब अच्छे कद वाली लड़की चाहिए। लड़की ग्रेजुएट/ पढ़ी लिखी चाहिए। No Demand. 7589045850

सिख-जट युवक, 37/5'9 पैतृक निवास लुधियाना, मूलनिवास छत्तीसगढ़, ऑस्ट्रेलिया में PR, स्वयं का व्यापार, सिख-जट कन्या चाहिए। संपर्क 7828999989, मैरिजब्यूरो क्षमा।

अंतरजातीय

21-30 वर्ष

सर्वजाति मान्य, अग्रवाल-29- वर्ष/ मध्यमवर्गीय परिवार, दहेज़ नहीं दे पाएंगे, इच्छुक व्यक्ति ही संपर्क करें - 9259637570, 9045312349

हिंदू कन्या सर्वजाती मान्य- 23-वर्षीय / 5''3' कुंवारी कन्या, पढ़ीलिखी, घरेलु गरीब परिवार कन्या, मंदिर द्वारा शादी, जरूरतमंद संपर्क - 9568910030

31-40 वर्ष

दो बहने अग्रवाल-33-वर्ष और 36-वर्ष/ मध्यमवर्गीय परिवार, दहेज़ नहीं दे पाएंगे, इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें, सर्वजाति मान्य - 7668561708, 9259032215

ब्राह्मण - 32-वर्षीय कन्या, पढ़ीलिखी, घरेलु गरीब परिवार कन्या से मंदिर द्वारा शादी, जरूरतमंद ही संपर्क करें - 8868991239, 9259032215

ब्राह्मण

31-40 वर्ष

-जांगिड़ वर चाहिये- जांगिड़ विधवा 33 वर्षीय 10वीं पास; नि:संतान, अविवाहित 27 वर्षीय 12वीं पास; कन्याओं हेतु योग्य वर स्वीकार्य सर्वब्राहम्ण मान्य। 8852001354; गौड़ ब्राहम्ण 32 वर्षीय 12वीं पास; अविवाहित 27 वर्षीय B.A. पास; कन्याओं हेतु योग्य वर स्वीकार्य, सर्व ब्राहम्ण मान्य। 8852001354

कायस्थ

31-40 वर्ष

श्रीवास्तव, 30/5'5'', MD (Doing) डॉक्टर, हेतु only कायस्थ, IAS/IPS/IFS वर चाहिए। पिता- IAS (Ald), माता-लेक्चरर, बहन- MD डॉक्टर। # 07678089534, 09934279831.

अन्य

31-40 वर्ष

धानक 11 अगस्त 1988/ 5'2" पोस्ट ग्रैजुएट कन्या हेतू सुयोग्य वर चाहिए। केवल धानक समाज वाले कॉल करें- 7973991085

41-50 वर्ष

45/5'4''/ M.A. B.Ed/ Govt. स्कूल टीचर आय-65,000/- हेतु वर चाहिए। अविवाहित, विधुर, तलाकशुदा, रिटायर्ड, घरजमाई बच्चे वाले मान्य। हिन्दु-मुस्लिम मान्य।- 06391072948, 07571884750, 08528892401

51 वर्ष से अधिक

54/5'4"/ MA./Bed., Govt. बिजली विभाग क्लर्क, मासिक 72,500/- वर चाहिए, अविवाहित, रिटायर्ड, बच्चेवाले, तलाकशुदा घरजमाई हिन्दू-मुस्लिम मान्य, 08528892401, 09125171906, 09918221465

पंजाबी

21-30 वर्ष

वर चाहिए- 29-वर्षीय/ 5"5" /B.COM, पंजाबी परिवार की कन्या हेतु वर चाहिए, सिख एवं पंजाबी परिवार मान्य - 9109513144, 9179375140

राजपूत

31-40 वर्ष

Rajput girl 1989 Shimla born MBBS MD Anatomy HP govt regular job Himachali rajput prefered 9418274422

मैरिज ब्यूरो

Marriage Bureau

चालिया शादी प्वाईंट, स्पेशलिस्ट चमार/ बनियों के हाई प्रोफाइल रिश्तों के लिए 2 फोटो, बायोडाटा Whatsapp करें। 80590-77330 कुरुक्षेत्र।

Notice : Ads have not been verified factually and Bhaskar does not stand responsible for the sales propositions.

उस फ्लाइट में जाने से रोक दिया था, जो बाद में हो गई थी हादसे का शिकार

जितेंद्र: पत्नी की जिद ने बचा लिया था सुहाग

मेरे हिस्से के किस्से

रूमी जाफरी
बॉलीवुड फिल्मों के लेखक, निर्देशक

पिछले शुक्रवार यानी 10 अक्टूबर को करवा चौथ था। हर साल मैं और मेरी पत्नी करवा चौथ अनिल कपूर जी के घर में मनाते हैं। उनकी पत्नी सुनीता बहुत सुंदर तरीके से यह त्योहार मनाती हैं। सुनीता और अनिल दोनों ही बेहद अच्छे होस्ट हैं। हर साल उनके घर का करवा चौथ यादगार बन जाता है। तो इस बार भी हम अनिल जी के घर बैठकर करवा चौथ से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें कर रहे थे। उन बातों और किस्सों में से कुछ आपके साथ भी साझा कर रहा हूं।

पहला किस्सा मुझे जीतू जी यानी जितेंद्र जी ने कई साल पहले सुनाया था। बात 1978 की है। उन्होंने बताया था, 'करवाचौथ का दिन था। शाम को मद्रास (अब चेन्नई) के लिए मेरी फ्लाइट थी। वहां डी. रामा नायडू जी की फिल्म की शूटिंग थी। शोभा जी (जितेंद्र जी की पत्नी) ने करवा चौथ का व्रत रखा हुआ था। उन्होंने कहा कि मुझे आपका चेहरा देखकर व्रत खोलना है, आप आज मत जाइए। लेकिन मैंने कहा कि मुझे जाना ही होगा, मैंने एक साल पहले डेट दी थी, किसी भी हालत में पांच बजे एयरपोर्ट पहुंचना पड़ेगा। इससे शोभा नाराज हो गईं, लेकिन मैंने कहा कि कमिटमेंट है और जाना जरूरी है। मैं एयरपोर्ट पहुंच गया।' जितेंद्र जी ने आगे बताया, 'मैंने चेक-इन किया, बोर्डिंग पास लिया। मेरे साथ जर्नलिस्ट आत्माराम जी भी थे, जो मद्रास जा रहे थे। हम दोनों बैठकर बातें कर ही रहे थे कि तभी अनाउंसमेंट हुआ कि फ्लाइट डिले हो गई है। थोड़ी देर बाद फिर बताया गया कि फ्लाइट और लेट हो गई है। मैंने शोभा को फोन किया और बताया कि फ्लाइट डिले हो गई है। इस पर उन्होंने कहा, देखो, अब तो चांद निकलने का समय हो गया है, तुम घर आ जाओ। इस पर मैंने आत्माराम जी से कहा कि मैं घर जाता हूं और शोभा का व्रत तुड़वाकर आता हूं। मैं घर पहुंच गया। छत पर गया। शोभा ने

जितेंद्र अपनी पत्नी शोभा कपूर के साथ (फाइल फोटो)।

वहीं चांद व मेरा चेहरा देखा और व्रत खोला। फिर मैंने एयरपोर्ट फोन किया तो पता चला कि फ्लाइट और डिले हो गई है। शोभा ने कहा कि अब तुम आज मत जाओ, सुबह की फ्लाइट से निकल जाना। मैंने कहा, नहीं, मुझे आज ही जाना होगा। लेकिन उन्होंने जिद कर ली और मुझे रोक लिया। मैंने मेकअप मैन और बॉय से भी कहा कि तुम लोग घर चले जाओ, अब कल सुबह की फ्लाइट से चलेंगे।'

जीतू जी ने बताया कि उनका घर पाली हिल के 20वें माले पर था। उस वक्त स्काई-राइज बिल्डिंग्स बहुत कम थीं, इसलिए वहां से पूरा एयरपोर्ट नजर आता था। रात करीब 11 या साढ़े 11 बजे उन्हें आसमान में आग का गोला दिखाई दिया, पर समझ में नहीं आया कि क्या हुआ। उन्होंने बताया, 'फिर मैं सो गया। सुबह जब उठा तो फोन लगातार बज रहे थे, लोगों के कॉल आ रहे थे। तब पता चला कि रात 11:30 बजे जो फ्लाइट उड़ी थी, उसमें आग लग गई थी और वह आसमान में ही क्रैश हो गई। उसमें सवार सभी लोग मारे गए। जर्नलिस्ट आत्माराम जी भी उसी फ्लाइट में थे। वे भी चल बसे। चूंकि मेरा बोर्डिंग पास बन चुका था, इसलिए मेरा नाम भी पैसेंजर लिस्ट में था। तो सबको लगा कि मैं भी उसी फ्लाइट में था, इसीलिए सारे दोस्तों और प्रेस वालों के फोन लगातार आ रहे थे।'

जीतू जी ने कहा, 'कहते हैं, पत्नी करवा चौथ का व्रत पति की लंबी उम्र के लिए रखती है। यह किस्सा उस आस्था की मिसाल है। मानो तो पत्नी के व्रत का असर था और न मानो तो इत्तेफाक।'

इसी बात पर मुझे निदा फाजली का एक शेर याद आता है:
तुम भी लिखना तुमने उस शब कितनी बार पिया पानी
तुमने भी तो छज्जे ऊपर देखा होगा पूरा चांद

दूसरा किस्सा मुझे श्रीमती राज कपूर यानी कृष्णा आंटी ने सुनाया था। हम लोग न्यूयॉर्क में शूटिंग कर रहे थे। कृष्णा आंटी के साथ अक्सर बैठकर पुरानी बातें होती थीं। वे पुराने किस्से बड़े प्यार से सुनाती थीं। एक दिन उन्होंने बताया, 'मैं और राज साहब अमेरिका घूमने आए थे। न्यूयॉर्क में थे। करवा चौथ का दिन था, मैंने व्रत रखा हुआ था। शाम हुई तो मैंने खिड़की से बाहर देखा, पर जिधर भी नजर जाती, बस बिल्डिंगें ही दिखतीं। नीचे स्ट्रीट से ऊपर देखो तो गर्दन टेढ़ी हो जाए, फिर भी आसमान का थोड़ा-सा हिस्सा ही नजर आता। चांद का तो नामोनिशान नहीं था। भूख लगी थी, लेकिन चांद नजर नहीं आ रहा था। मैंने राज साहब से कहा तो उन्होंने किसी भारतीय से पूछा। उसने बताया कि न्यूयॉर्क में चांद देखना बहुत मुश्किल है। यहां ऊंची इमारतों की वजह से चांद दिखाई नहीं देता। आप न्यू जर्सी चले जाइए, वहां से दिख जाएगा।' कृष्णा आंटी ने बताया कि राज साहब उन्हें लेकर न्यू जर्सी गए। सचमुच वहां से चांद दिख गया। उन्होंने फुटपाथ पर खड़े होकर चांद देखा और राज साहब का चेहरा देखकर व्रत खोला।

करवा चौथ को याद करते हुए 'सुहागरात' फिल्म का ये गाना सुनिए, अपना खयाल रखिए और खुश रहिए।

गंगा मईया में जब तक पानी रहे, सजना तेरी जिंदगानी रहे...

• rumyjafrywrites@gmail.com

लेखक-प्रकाशक के पास सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित पूर्वानुमति के बिना इस लेख के किसी भी हिस्से को ना तो पुनः प्रकाशित किया जा सकता है, ना ही किसी तरह का व्यावसायिक इस्तेमाल किया जा सकता है।

'मेरे हिस्से के किस्से' कॉलम को अपने मोबाइल पर सुनने के लिए **QR कोड** को स्कैन करें।

इस दिवाली घर पर बनाएं ब्रेड से रबड़ी घेवर

रीडर रेसिपी कॉन्टेस्ट

मंजु जैसलमेरिया
गृहिणी
जोधपुर

भेजिए रेसिपी और जीतिए 5,100 रु. का गिफ्ट

इस कॉलम में आप भी अपनी रेसिपी भेजकर हर सप्ताह जीत सकते हैं **5,100 रु.** मूल्य का गिफ्ट। इसके लिए **QR कोड** को स्कैन कीजिए और लिख भेजिए अपनी रेसिपी। साथ में अपना नाम, प्रोफेशन, फोटो, डिश की तस्वीर जरूर भेजें।

कल दिवाली है। वैसे तो दिवाली पर कुछ दिन पहले से ही अनेक तरह के पकवान बन जाते हैं, लेकिन हम बना सकते हैं एक ऐसा खास मीठा व्यंजन जो हर किसी को न सिर्फ पसंद आएगा, बल्कि बनाने में आसान भी रहेगा। यह है ब्रेड रबड़ी घेवर।

बनाने की सामग्री :
मगज के बीज (घी में सेंके हुए): 1 बड़ा चम्मच, ब्रेड: 12 नग, शक्कर: स्वादानुसार, रबड़ी: 50 ग्राम, गुलकंद: 1 बड़ा चम्मच, दूध में भीगी हुई केसर: 1/2 छोटा चम्मच, गुलाब जल: 1 छोटा चम्मच, घी में तले हुए बादाम-पिस्ते की कतरनें: 7 नग प्रत्येक, इलायची दाने का पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच, खाने का केसरिया रंग: चुटकी भर, घी: तलने के लिए।

बनाने की विधि :
- ब्रेड को कटोरी से गोल काटकर एक घंटे तक सूखने दीजिए। इसके बाद कड़ाही में घी गरम करें और ब्रेड स्लाइस को सुनहरा होने तक तल लीजिए।
- दूसरी कड़ाही में पानी गरम कर उसमें शक्कर डालिए और चाशनी बना लीजिए। इस चाशनी में केसर, केसरिया रंग, गुलाब जल और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए।
- तली हुई ब्रेड को चाशनी में डालकर अच्छी तरह भिगो लीजिए और फिर बाहर निकालकर कुछ समय के लिए सूखने दीजिए।
- अब कांच के एक बॉउल में रबड़ी, केसर, शक्कर, गुलकंद, बादाम-पिस्ते की कतरन, मगज के बीज और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए।
- दो ब्रेड स्लाइस पर रबड़ी मिश्रण लगाएं और दोनों को एक-दूसरे पर रख दीजिए। ऊपर वाले हिस्से पर भी रबड़ी मिश्रण अच्छी तरह लगा लीजिए।
- अब इस पर मगज के बीज, केसर, गुलकंद, इलायची पाउडर और बादाम-पिस्ते की कतरनें डालें। इस तरह तैयार है ब्रेड रबड़ी घेवर।

तारे-सितारे

मनीष शर्मा
ज्योतिषाचार्य

दीपावली के पर्व से सप्ताह का आरंभ होगा। सोमवार की रात को 'ओम महालक्ष्मयै स्वाहा' मंत्र से हवन करें। इससे समृद्धि बढ़ती है। देश में छोटे व्यापार की स्थितियों में सुधार रहेगा। पर्वतों पर बर्फबारी हो सकती है। पूर्वोत्तर के क्षेत्रों में हिंसा की आशंका।

• jyotish.sansar@gmail.com

मेष
रवि से लेकर बुधवार तक का समय अनुकूल है। आय अच्छी बनी रहेगी। विवादित मामलों में सफलता मिलेगी। बुधवार को विरोधी हावी होंगे। गुरु एवं शुक्रवार प्रतिकूल समय रह सकता है। शनि को यश प्राप्त होगा।

वृषभ
आज एवं कल अनुकूल चंद्र से कार्य की अधिकता रहेगी। मंगल एवं बुधवार को विरोधी प्रबल रहेंगे। गुरु एवं शुक्रवार को सुखद समय रहेगा तथा धन की प्राप्ति होगी। शनिवार को संभलकर रहें। विवाद बढ़ सकते हैं।

मिथुन
चतुर्थ चंद्र। आय इच्छानुसार नहीं रहेगी। सोमवार भी तनावपूर्ण हो सकता है। मंगलवार को समस्याएं समाप्त होंगी। गुरुवार एवं शुक्रवार को मामूली तनाव रह सकता है। शनिवार सबसे बेहतर दिन रहेगा।

कर्क
रवि एवं सोमवार को समय अच्छा रहेगा। मंगल व बुधवार को सावधानीपूर्वक कार्य करें एवं ऋण लेने से बचें। गुरु एवं शुक्रवार से स्थितियां पुनः पक्ष की हो जाएंगी। शनिवार को शत्रु पर विजय मिलेगी।

सिंह
द्वितीय चंद्र से सुख की प्राप्ति। सोमवार भी अच्छा दिन रहेगा। मंगल एवं बुधवार को संपत्ति संबंधी मामलों में मजबूत होंगे। गुरु एवं शुक्रवार को आवश्यक कार्य को टालने का प्रयास करें। शनि को धन की आवक होगी।

कन्या
आज से लेकर शुक्रवार तक का समय सर्वप्रकार अनुकूल रहेगा। चंद्र का गोचर राशि में रहेगा। आय अच्छी बनी रहेगी। कार्य में तेजी आएगी। विरोधियों के स्वर शांत रहेंगे। शनिवार को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाएगी।

तुला
रवि एवं सोमवार को कठिनाईयुक्त समय रह सकता है। मंगलवार को कार्यों में एवं बुधवार को आय में सुधार होगा। गुरु एवं शुक्रवार को स्थाई संपत्ति से लाभ की संभावना है। शनिवार को भाइयों से सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक
रवि एवं सोमवार बेहतर दिन रहेंगे। आय की प्राप्ति होगी। सहयोग भी मिलेगा। मंगल एवं बुधवार को सभी योजनाएं गड़बड़ा सकती हैं। गुरु एवं शुक्रवार को सावधानी रखें। शनिवार सब प्रकार से अच्छा दिन रहेगा।

धनु
आज एवं सोमवार को समय अनुकूल रहेगा। मंगल एवं बुधवार को योजनाएं सफल होंगी। सहयोग भी प्राप्त होगा। गुरु एवं शुक्रवार को अच्छे दिन रहने में संदेह है। शनि को कार्य में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि होगी।

मकर
आरंभ अच्छा होगा। भाग्य का साथ मिलेगा। मंगल एवं बुधवार को आर्थिक स्थितियां तेजी से सुधरेंगी। गुरु एवं शुक्रवार को किसी प्रकार का नुकसान होने की संभावना नहीं है। शनिवार को संभलकर रहना होगा।

कुंभ
अष्टम चंद्र से आय में रुकावट संभव। मंगलवार एवं बुधवार को राहत भरा समय रहेगा। कार्य समय पर होंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। गुरु एवं शुक्रवार को नए कार्य की योजना बनेगी। शनिवार अच्छा समय रहेगा।

मीन
चंद्र की दृष्टि से आय बेहतर रहेगी। मंगल एवं बुधवार को समस्याएं रहेंगी। मन खिन्न रहेगा। गुरुवार से समय अनुकूल हो जाएगा। शुक्रवार को भाग्य का साथ मिलेगा। शनिवार को कार्य की अधिकता होगी।

मेरा पैसा

सुझाव और प्रतिक्रिया इस पते पर भेज सकते हैं- business.bhaskar@dbcorp.in

मैनेजमेंट गुरु
एन. रघुरामन

सोने की दीवानगी टिकेगी या नहीं!

सोना एकमात्र ऐसी संपत्ति है, जिसके मूल्य का आकलन करना अन्य परिसंपत्तियों की तरह कठिन है। इस साल 27 जनवरी को 24-कैरेट सोने की कीमत 79,910 रुपए प्रति 10 ग्राम थी और 15 अक्टूबर को बढ़कर 1,28,890 रु. हो गई। इस सप्ताह अमेरिका-चीन संबंधों जैसे भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण सोना एक और रिकॉर्ड स्तर पर चढ़ गया। विश्लेषकों का सुझाव है कि अगर ये ग्लोबल मार्केट ट्रेंड्स बने रहते हैं, तो आने वाले सत्रों में सोने की गति ऊपर की ओर जारी रह सकती है। लेकिन सवाल यह है कि कब तक?

हर कोई पहले ही इस बारे में बात करना शुरू कर चुका है कि इसमें गिरावट कब आएगी। सच्चाई ये है कि जब भी कीमतों में गिरावट आती है, तो मुख्य रूप से विकासशील देशों में केंद्रीय बैंकों की खरीदारी बढ़ जाती है, क्योंकि वे अपनी आरक्षित परिसंपत्तियों में अमेरिकी डॉलर से दूर विविधता लाना चाहते हैं। यह गतिविधि सोने की कीमतों को और ऊपर ले जाने में मदद करती है। इस तरह की खरीदारी आप और हम जैसे आम निवेशकों में भी अधिक सोना खरीदने का कारण बन गई है, जो 'सोने का बढ़ा हुआ फोमो (फियर ऑफ मिसिंग आउट - लाभ चूक जाने का डर)' महसूस करते हैं। विश्व स्तर पर, सोना अब महंगे हो चुके स्टॉक्स और विकसित राष्ट्रों के कुछ अस्थिर सरकारी बॉन्ड से बचा हुआ एकमात्र सुरक्षित ठिकाना बन गया है।

किसी कंपनी के शेयरों के विपरीत, यह पता लगाना आसान नहीं है कि सोने की कीमतें बुलबुले की स्थिति में हैं या नहीं। मैंने बाजार रणनीतिकारों और फंड प्रबंधकों को यह कहते हुए सुना है, 'निवेशक अनजाने में एक नया जोखिम पैदा कर रहे हैं- सोने में संभावित बुलबुला।'

हम भारतीय इस कीमती धातु से बहुत अधिक जुड़े हुए हैं। एक बार खरीद लेने के बाद, हम इसे अपनी अलमारियों या बैंक लॉकरों में जमा कर लेते हैं। लेकिन अब समय बदल गया है कि आप खुद को इस धातु से अनासक्त करें। यदि आप खरीद सकते हैं, तो खरीदें। चूंकि हम इसके भविष्य को नहीं जानते हैं, इसलिए खुद को इससे जल्दी अलग करें और यदि आपको लगता है कि इसकी कीमतें तेज गिरावट के लिए तैयार हैं, तो बेच दें और मुनाफे को कैश कर लें। इस मुनाफे से दोबारा गोल्ड खरीद लें। यदि और भी ज्यादा गिरावट आती है, तो आपकी पूंजी सुरक्षित रहेगी और मुनाफे का ही नुकसान होगा। इस रणनीति से आपके निवेश पर कोई ज्यादा असर नहीं होगा।

मैनेजमेंट टिप:

चूंकि हम नहीं जानते कि सोने की ये दीवानगी कब तक चलेगी, इसलिए हम भारतीयों के लिए यह समय है कि हम सबसे प्यारी धातु सोने के प्रति 'लगाव में अनासक्ति' का प्रदर्शन करें।

दीपोत्सव गाइड • हम नए संवत 2082 में प्रवेश कर रहे हैं, जानिए सफल निवेशक बनने की पहली शर्त

धैर्य-अनुशासन सर्वोपरि... जो लंबी गिरावट में टिके रहते हैं, वे अगले 3 वर्ष राज करते हैं

मेरा पैसा टीम

दीपावली समृद्धि का महापर्व है। यहां से हम नए संवत वर्ष में प्रवेश करते हैं और यह निवेश की नई शुरुआत का वर्ष होता है। ऐसे में इस नई शुरुआत पर समझते हैं कि लॉन्ग टर्म में वेल्थ क्रिएशन की सबसे अहम सीख क्या है। पीजीआईएम म्युचुअल फंड की हालिया स्टडी 'बिहेवियर एज: स्टेइंग द कोर्स' का सार यह है कि निवेश की दुनिया में धैर्य और अनुशासन सबसे अहम है। निवेश की सही टाइमिंग का अनुमान लगाने वाले अक्सर बड़े मौके छोड़ देते हैं। जब बाजार में करेक्शन यानी गिरावट का दौर शुरू होता है तो निवेशक बेचैन हो जाते हैं और मार्केट से दूरी बना लेते हैं। यह रिपोर्ट कहती है कि बाजार की सर्दियां (गिरावट) हमेशा वसंत जैसी तेज रिकवरी का मार्ग प्रशस्त करती हैं। जब भी भारतीय बाजारों ने सालभर निगेटिव रिटर्न दिया है, इसके बाद 3 साल मजबूत उछाल आई। औसत फॉरवर्ड रिटर्न 24% रहा।

धैर्य की ताकत... हर निगेटिव वर्ष के बाद 3 साल का फॉरवर्ड रिटर्न 24%

जब पोर्टफोलियो हरे निशान में होते हैं, तो आत्मविश्वास ऊंचा होता है। लेकिन गिरावट होने पर डर हावी हो जाता है। अगस्त 2025 तक, निफ्टी 500 टीआरआई (टोटल रिटर्न इंडेक्स) ने बीते 1 वर्ष में -5% रिटर्न दिया। यह चिंताजनक लग सकता है, लेकिन डेटा अधिक आशावादी तस्वीर दिखाता है।
- 1999 से (25 वर्षों में), भारतीय बाजारों में लगभग हर एक साल के निगेटिव रिटर्न के बाद तीन साल की सकारात्मक अवधि आई है।
- नकारात्मक साल के बाद औसत 3 साल का रिटर्न 23.4% रहा, जिसका मीडियन 20.4% था। यानी जो गिरावट में टिके रहे। उन्हें ज्यादा फायदा हुआ।

जितनी गहरी गिरावट, आगे उतनी कमाई... -5% तक गिरावट के बाद 19.5% रिटर्न

इस स्टडी के तहत बाजार की विभिन्न तीव्रताओं वाली गिरावटों का विश्लेषण किया गया और उनकी तुलना बाद के तीन साल के रिटर्न से की गई। परिणाम चौंकाने वाले थे:
- जब बाजार 0% से -5% तक गिरा, तो तीन साल का मीडियन फॉरवर्ड रिटर्न लगभग 19.5% रहा।
- -15% से -25% के बीच की गहरी गिरावट के लिए, मीडियन रिटर्न 23 से 24% तक चढ़ गया।
- सबसे गंभीर गिरावटों (लगभग -40%) पर भी, भविष्य का रिटर्न 23–24% के आसपास रहा। सबसे दिलचस्प तथ्य यह है कि गिरावट के बाद सकारात्मक तीन साल का रिटर्न आने की 'सफलता दर' लगभग 100% थी। यानी बेहतर रिटर्न की गारंटी।

निवेशकों के लिए सबक मार्केट का बॉटम न तलाशें... एसआईपी पर टिके रहें

- **एसआईपी पर टिके रहें:** बाजार की गिरावट के दौरान भी एसआईपी पर टिके रहना फायदेमंद होता है। बाजार गिरने पर आपका तय मासिक योगदान अधिक यूनिट खरीदता है, जिससे आपकी लागत 'औसत' हो जाती है।
- **निवेश का समय तय करने से बचें:** मार्केट का निचला स्तर घटना हो जाने के बाद ही पता चलता है। इसका अनुमान लगाने की कोशिश करने का परिणाम यह होता है कि हम अक्सर ऊंचे दाम पर खरीदते हैं। कम दाम पर बेचते हैं।
- **गिरावट को मौके की तरह लें:** यदि आपका एसेट आवंटन भटक गया हो तो गिरावट की अवधि इक्विटी एक्सपोजर को बढ़ाने का अवसर हो सकती है।
- **दीर्घकालिक लक्ष्यों पर ध्यान दें:** रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा, या वित्तीय स्वतंत्रता के लिए निवेश करते समय एक साल की गिरावट, 10 या 15 साल की निवेश यात्रा में एक छोटी सी घटना है।

सुपर टिप: गिरावट के बाद शेयरों के वैल्युएशन आकर्षक हो जाते हैं, जल्द रिकवरी होती है

1. जैसे उत्साह कीमतों को ऊपर धकेलता है, उसी तरह डर नीचे खींचता है। गहरी गिरावट के बाद, शेयरों के वैल्युएशन अधिक आकर्षक होते हैं।
2. स्टॉक की कीमतें ऊपर-नीचे होती हैं, पर कॉर्पोरेट आय लंबी अवधि में बढ़ती रहती है। जैसे-जैसे आय बढ़ती है, कम मूल्य वाले बाजार बढ़ने लगते हैं।
3. बाजार की मंदी अक्सर अनिश्चितता के साथ मेल खाती है। एक बार स्पष्टता वापस आने पर, तरलता में बढ़ोतरी होती है, जिससे तेजी को बल मिलता है।
4. अधिकांश लोग गिरावट के दौरान घबराकर बाहर निकल जाते हैं और उछाल आने के बाद देर से प्रवेश करते हैं, जिससे वे सबसे बड़े लाभों से चूक जाते हैं।

भास्कर Q&A

ज्यादा ईएमआई यानी नया लोन मुश्किल

मेरी सालाना आय 4.88 लाख रु. है। घर की ईएमआई 6,401 रु. और ट्रक की 15,821 रु. है। होम लोन पर टॉप-अप लेकर ट्रक लेना है। पर बैंक मना कर रहे हैं? मैं ट्रक के लिए लोन कैसे जुटा सकता हूं। -सजल सिंह, ग्वालियर

आपकी ईएमआई (22,222 रु.) आय (40,667 रु.) के 50% से ज्यादा है। इस स्थिति में बैंक बड़ा टॉप-अप नहीं दे सकते। नई ईएमआई के लिए 10,000 रु. तक की गुंजाइश है। 25 लाख रु. के ट्रक के लिए ईएमआई 35,000 से 58,000 रु. होगी, जिसे आप अपनी मौजूदा आय से नहीं चुका सकते। आप इन तरीकों से यह ट्रक ले सकते हैं:

सह-आवेदक जोड़ें: पत्नी, भाई-बहन या माता-पिता को सह-आवेदक बनाएं, जिनकी अपनी स्थिर आय हो। इससे लोन मिलने की संभावना बढ़ जाएगी।
- यदि ट्रक व्यावसायिक उपयोग के लिए है, तो ऋणदाता को यह समझाएं कि ट्रक से होने वाली आय कितनी होगी। इससे बैंक का भरोसा बढ़ेगा।
- गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) या कमर्शियल व्हीकल कर्जदाताओं से संपर्क करें। ये पारंपरिक बैंकों की तुलना में अधिक लचीले हैं। व्यावसायिक संपत्ति के लिए आसानी से लोन देते हैं।

लोन कम करें: पात्रता सुधारने के लिए, किसी भी मौजूदा लोन का कुछ हिस्सा पहले चुका दें, ताकि मासिक ईएमआई का बोझ कम हो जाए। 25 लाख रु. के ट्रक के लिए 5 से 10 लाख रु. का डाउन पेमेंट करना पड़ सकता है। इससे ईएमआई भी घटेगी। लोन पास होने की संभावना बढ़ जाएगी।

मैं 19 साल की हूं। इंटर्न कर रही हूं और नौकरी की तैयारी कर रही हूं। अभी से कहां निवेश करूं ताकि इमरजेंसी फंड तैयार हो जाए?- प्रियांशी

आपकी योजना शानदार है! जितनी जल्दी आप निवेश शुरू करेंगी, कम्पाउंडिंग का उतना फायदा मिलेगा। इमरजेंसी फंड के लिए लिक्विड म्यूचुअल फंड सुरक्षित विकल्प हैं। जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा निकाला जा सकता है। पोस्ट ऑफिस में आरडी के जरिए छोटी-छोटी किश्तें जमा करना शुरू करें। शुरुआत में 30 से 50 हजार रु. जमा करने का लक्ष्य रखें। जैसे-जैसे आय बढ़े, राशि को बढ़ाते रहें। लंबे समय में वेल्थ क्रिएशन के लिए हर माह 500 रुपए जैसी छोटी रकम से इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी करें। फ्लेक्सी-कैप फंड या इंडेक्स फंड अच्छे विकल्प हैं। ये बाजार के उतार-चढ़ाव को संतुलित करते हैं। यह 10-15 साल में बड़ा फंड तैयार कर देगा। अपनी बचत का उपयोग अतिरिक्त कोर्स या सर्टिफिकेशन के लिए करें। इससे आपकी भविष्य की नौकरी और आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

एक्सपर्ट: आदिल शेट्टी (सीईओ, बैंकबाजार)

आपके मन में बचत, निवेश और टैक्स जैसे पर्सनल फाइनेंस से जुड़े कोई भी सवाल हों, तो यह क्यूआर कोड स्कैन करके भेजें। एक्सपर्ट इनके जवाब देंगे।

पेंशनर्स... 'जीवन प्रमाण' प्रक्रिया शुरू, तैयारी करें

पेंशन पाने वाले सभी लोगों को अपनी पेंशन बिना रुके मिलती रहे, इसके लिए हर साल डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना जरूरी होता है। इसे जीवन प्रमाण भी कहा जाता है। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभागने इसे जमा करने के लिए तारीखों का ऐलान कर दिया है। 80 वर्ष और उससे अधिक उम्र के सीनियर सिटीजन के लिए एक विशेष सुविधा दी गई है। वे 1 अक्टूबर से सर्टिफिकेट जमा करना शुरू कर सकते हैं। बाकी सभी पेंशनर्स को सर्टिफिकेट 1 नवंबर से 30 नवंबर 2025 के बीच अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।'जीवन प्रमाण' एक आधार-आधारित और बायोमेट्रिक द्वारा समर्थित डिजिटल प्रमाण पत्र है। यह बैंक को इस बात की पुष्टि करता है कि पेंशनर जीवित है। यह एक वार्षिक आवश्यकता है, यानी आपको इसे हर साल जमा करना होगा।

पत्नी के नाम घर लेने से होती है अतिरिक्त बचत!

विजय माहेश्वरी, फाउंडर, स्टॉकटिक | घर खरीदना किसी भी परिवार के लिए सबसे बड़ा निवेश है। क्या आप जानते हैं कि संपत्ति को पत्नी के नाम पर लेने से आपको विशिष्ट वित्तीय और कानूनी लाभ मिल सकते हैं? आइए समझते हैं यह रणनीति...

1. स्टाम्प ड्यूटी में बचत... महिला के नाम पर संपत्ति पंजीकृत करने का लाभ यह है कि कई राज्यों में पुरुष खरीदार की तुलना में स्टाम्प ड्यूटी 1-2% तक कम है। 3 करोड़ की महंगी संपत्ति पर यह अंतर 6 लाख तक की बचत में बदल सकता है। यदि संयुक्त मालिक बनते हैं, तब भी पत्नी के हिस्से पर कम स्टाम्प ड्यूटी से कुल लागत घट जाती है।

2. होम लोन पर कम ब्याज दर... बैंक और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां अक्सर महिला उधारकर्ताओं को कम ब्याज दरें देती हैं। यह छूट 0.5% से 1% तक हो सकती है, जो होम लोन जैसे लंबी अवधि के लोन में लाखों की बचत होती है। प्रधान मंत्री आवास योजना जैसी सरकारी योजनाएं विशेष रूप से महिलाओं के लिए ब्याज सब्सिडी देती हैं।

3. दोहरा टैक्स लाभ... जब संपत्ति पति और पत्नी द्वारा संयुक्त रूप से खरीदी जाती है, तो दोनों होम लोन चुकाने पर टैक्स कटौती का दावा कर सकते हैं। **धारा 80C:** दोनों पति-पत्नी मूलधन पर हर साल 1.5 लाख तक की कटौती का दावा कर सकते हैं। **धारा 24(b):** दोनों होम लोन पर दिए गए ब्याज पर सालाना 2 लाख तक की कटौती का दावा कर सकते हैं।

4. कानूनी सुरक्षा और संपत्ति की गारंटी... यदि पति को बिजनेस में नुकसान होता है, तो लेनदार पत्नी के हिस्से पर दावा नहीं कर सकते। आयकर कानून में 'क्लबिंग प्रोविजन' का ध्यान रखना अहम है। संपत्ति पत्नी के नाम पर है, लेकिन उन्होंने वित्तीय योगदान नहीं दिया, तो उस संपत्ति से होने वाली किराये की आय पर टैक्स की देयता पति पर बनेगी।

सोमवार को भास्कर बिजनेस गाइड में पढ़ें
मार्केट इनसाइट- दीपावली के बाद अब मार्केट का प्रदर्शन कैसा रह सकता है, कौन से फैक्टर बन सकते हैं ट्रिगर।
फंड का फंडा- जानिए लिक्विड म्यूचुअल फंड क्या होते हैं, ये कैसे काम करते हैं, इनमें निवेश किस लक्ष्य के लिए करें।

आज का पंचांग

पंडित प्रो. विनोद शास्त्री

तिथि संवत् : कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी, रविवार दोपहर 01:52 तक रहेगी। विक्रम संवत् 2082, शाके 1947, हिजरी 1447, मुस्लिम माह रवि उलसानी तारीख 26, सूर्य दक्षिणायन, शरद ऋतु, 19 अक्टूबर।

सूर्योदय कालीन नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र सायं 05:50 तक, इसके बाद हस्त नक्षत्र रहेगा। ऐन्द्र योग रात्रि 02:04 तक, इसके बाद वैधृति योग रहेगा। वणिज करण दोपहर 01:52 तक, इसके बाद विष्टि करण रहेगा।

ग्रह विचार (प्रातः 05:30) : सूर्य-तुला, चंद्र-कन्या, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरु-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुंभ, केतु-सिंह राशि में स्थित है।

दिशाशूल : पश्चिम दिशा – यदि जरूरी हो तो छुआरा खाकर यात्रा कर सकते हैं।

राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00 तक रहेगा।

शुभाशुभ ज्ञानम् : भद्रा दोपहर 01:52 से रात्रि 02:48 तक, धन्वन्तरी जयंती, नरक व रूप चतुर्दशी निमित्त सायं दीपदान एवं आगामी अरुणोदय में प्रभात स्नान व दीपदान, चन्द्रोदय जयपुर में आगामी प्रातः 05:18 बजे, मास शिवरात्रि, श्री हनुमान जयंती उत्तर भारत में, पद्म प्रभु जयंती जैन।

चौघड़िया मुहूर्त : प्रातः 07:57 से 09:22 तक चर का, प्रातः 09:22 से दोपहर 12:12 तक लाभ व अमृत का, दोपहर 01:37 से 03:02 तक शुभ का चौघड़िया रहेगा।

आज विशेष : आज रविवार को प्रातः स्नानादि के बाद जलपूर्ण कलश में लाल पुष्प, लाल चंदन डालकर सूर्य भगवान को चढ़ाएं। इसके प्रभाव से ऐश्वर्य एवं आत्मबल बढ़ता है। आदित्यहृदय स्तोत्र का पाठ करें और दिन में एक बार बिना नमक का भोजन करें तो सूर्य जनित दोष दूर होते हैं। आज ऐन्द्र योग में कांसी का दान करना शुभ फलदायी होता है। आज दक्षिण दिशा की ओर मुख करके यम के निमित्त दीपदान करना चाहिए।

आज जन्मे बच्चों के नामाक्षर व राशि

समय	नक्षत्र	चरण	पाया	राशि	नामाक्षर
06:32	उत्तराफाल्गुनी	3	रजत	कन्या	प
11:16	उत्तराफाल्गुनी	4	रजत	कन्या	पी
17:50	हस्त	1	रजत	कन्या	पू
24:25	हस्त	2	रजत	कन्या	ष

जगराओं की घटना • दफ्तर से दोनों को उठाया-लुधियाना ले गए, परिजनों से मांगी फिरौती

फर्जी एसटीएफ अफसर बन एसडीओ-जेई से अगवा कर वसूले 7 लाख, दो गिरफ्तार

भास्कर न्यूज | जगराओं

लुधियाना के थाना दाखां में एक बड़ा मामला सामने आया है। चार युवकों के गैंग ने खुद को विजिलेंस और एसटीएफ अधिकारी बताते हुए पीएसपीसीएल के एसडीओ व जेई को अगवा कर लिया। हथियार दिखाकर दोनों अधिकारियों से 7.20 लाख रुपए की फिरौती भी वसूली गई। पुलिस ने इस गिरोह के चार में से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी की तलाश जारी है। एसडीओ ने घटना के बारे में बताया कि कुछ दिन पहले दो व्यक्ति मुल्लांपुर लिंक रोड पर प्लास्टिक की बोतल बनाने वाली फैक्ट्री लगाने के लिए एमएस कैटेगरी का बिजली कनेक्शन लेने के सिलसिले में उनसे संपर्क में थे। 15 अक्टूबर को एक व्यक्ति, जिसने अपना नाम राजवीर बताया, उनके पास आया और कनेक्शन संबंधी जानकारी लेकर चला गया। इसके बाद दोपहर 1:21 बजे एसडीओ को एक्सियन के सरकारी नंबर से वॉट्सएप कॉल आई। कॉल पर उन्हें दफ्तर से बाहर बुलाया गया, लेकिन एक्सियन नहीं मिले। जब एसडीओ एक्सियन के कमरे में पहुंचे तो वहां दो अज्ञात युवक पहले से मौजूद थे। एक युवक ने खुद को इंस्पेक्टर गगन बताया और कहा कि वह विजिलेंस टीम के साथ रेड करने आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक्सियन ने उनसे 2 लाख की रिश्वत मांगी है, जिसमें से 1 लाख एसडीओ को देना था।

4 आरोपियों ने कमरे में बंद किया, असलाह दिखा डराया

दो गाड़ियां, पुलिस की वर्दी, फर्जी प्रेस कार्ड, मोबाइल मिले..

डीएसपी वरिंदर सिंह खोसा ने बताया, दो आरोपियों को अंबिका एन्क्लेव, पटियाला से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुरविंदर सिंह उर्फ इंस्पेक्टर गगन उर्फ गुरिंदर गिल, पुत्र सिकंदर सिंह, निवासी झिल, पटियाला और ब्रह्मप्रीत सिंह, पुत्र गुरिंदर सिंह, निवासी सफाबादी गेट, पटियाला के रूप में हुई है। आरोपियों से दो इनोवा गाड़ियां पुलिस वर्दी में तस्वीरें, दो मोबाइल और दो फर्जी प्रेस कार्ड भी बरामद हुए हैं। अमनदीप सिंह उर्फ राजवीर उर्फ अमन राजपूत, पुत्र दलेर सिंह और विनय अरोड़ा, पुत्र सुरिंदर अरोड़ा फरार होने में कामयाब हो गए है। चारों पर बीएनएस 2023 की धारा 140(1), 319(2), 308(5), 3(5) के तहत केस दर्ज किया है। आरोपियों से पूछताछ जारी है। दो की तलाश जारी है।

एसडीओ को जांच में फर्जी मे , फेसबुक पर मिले असली आईडी से पकड़े

एसडीओ के अनुसार, आरोपियों ने उन्हें और जेई परमिंदर सिंह को कमरे में बंद कर लिया और धमकाया कि उनके पास रिश्वत के सबूत हैं। अगर पैसे नहीं देंगे तो केस दर्ज कर सस्पेंड करवा देंगे। आरोपी बार-बार असलाह दिखाकर जान से मारने की धमकी देते रहे। आरोपी दोनों को किडनैप कर लुधियाना ले गए। वहां उनके जानकारों से फोन पर बात करवाकर 7.20 लाख रुपए की फिरौती वसूली। चंडीगढ़ नंबर की कार में फरार हो गए। बाद में एसडीओ ने खुद जांच की तो सामने आया कि जो खुद को गगनदीप बता रहा था, उसकी इंस्टा आई गुरिंदर गिल के नाम से मिली। अन्य आरोपियों अमन और विनय की फेसबुक आईडी अमन राजपूत और अरोदा विनय के नाम से मिली।

दिवाली इन्फो
काम की 7 बातें

स्मार्ट गैजेट खरीदते वक्त डेटा सिक्योरिटी पहले चैक करें

दिवाली पर लोग एलेक्सा, स्मार्ट टीवी, सीसी टीवी कैमरा या स्मार्ट बल्ब जैसे गैजेट खरीदते हैं। लेकिन CERT-In (भारत की साइबर इमरजेंसी एजेंसी) के मुताबिक, बिना सुरक्षा अपडेट वाले डिवाइस हैक होकर पूरे वाई-फाई नेटवर्क को एक्सपोज कर सकते हैं। इसलिए सावधानियां जरूरी हैं।

1. स्मार्ट डिवाइस खरीदने से पहले हमेशा ब्रांड और CERT-In प्रमाणित मॉडल चुनें। कंपनी की प्राइवेसी पॉलिसी पढ़ें, देखें डेटा कहां स्टोर होता है। बॉक्स पर "एन्क्रिप्शन" या "2FA सपोर्ट" लिखा हो तो वही लें। सस्ता नकली गैजेट बिल्कुल न खरीदें।
2. **डिफॉल्ट पासवर्ड बदलें :** हर डिवाइस कॉमन पासवर्ड लेकर आता है। खरीदते ही इसे मजबूत पासवर्ड से बदलें।
3. **वाई-फाई नेटवर्क अलग रखें :** स्मार्ट डिवाइस को गेस्ट नेटवर्क पर चलाएं। इससे पर्सनल डेटा वाले डिवाइस सुरक्षित रहेंगे।
4. **रिमोर्ट एक्सेस बंद करें :** कैमरा, माइक या एप में दिए रिमोट कंट्रोल फीचर ऑफ रखें, ताकि बाहर से कोई एक्सेस न कर सके।
5. **एप परमिशन सीमित करें :** स्मार्ट टीवी या एप को जरूरी एक्सेस दें। कैमरा, माइक, लोकेशन की अनुमति मैन्युअल रखें।
6. **टू-फैक्टर लॉगिन लगाएं :** एलेक्सा या गूगल होम में 2एफए ऑन करें, ताकि पासवर्ड लीक होने पर कोई लॉगिन न कर सके।
7. **पब्लिक वाई-फाई से न जोड़ें :** कैफे या मॉल जैसे नेटवर्क पर स्मार्ट डिवाइस कनेक्ट न करें, यह हैकिंग का आसान रास्ता हो सकता है। आपके स्मार्ट डिवाइस का डेटा निर्माता, एप, क्लाउड या हैकर्स तक पहुंच सकता है।

मैनेजमेंट फंडा

एन. रघुरामन
मैनेजमेंट गुरु, raghu@dbcorp.in

दीपावली के दौरान आपने अपने पिता पर खास ध्यान दिया क्या?

यह 50 साल पुरानी कहानी मैंने 40 साल पहले पढ़ी थी, जिसमें बताया गया था कि कैसे पिता अपने बच्चों को खुश रखने के लिए संघर्ष करते हैं, खासकर दीपावली जैसे त्योहारों के अवसर पर। कहानी एक पुलिस वाले के घर से शुरू होती है। एक दिन जब वह अपनी ड्यूटी पर जा रहा था, तो उसकी पत्नी कहती है, तुम भाग्यशाली हो कि तुम्हारी बेटी का जन्मदिन हर साल दीपावली वाले सप्ताह में ही पड़ता है, इसलिए तुम उसके लिए साल में दो बार कपड़े खरीदने से बच जाते हो। कम से कम आज उसके लिए कुछ खरीदने के लिए 50 रुपयों का बंदोबस्त कर लेना। पुलिस वाला सहमति में सिर हिलाता है और अपनी साइकिल पर निकल जाता है। पूरी सुबह वह किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में रहता है, जिससे वह कुछ पैसे ले सके, लेकिन उसे कोई नहीं मिलता। निराश होकर वह पास की चाय की दुकान पर बैठ जाता है, जो कि एक पोस्ट बॉक्स के पास बाजू में है।

संडे स्पेशल

उस पोस्ट बॉक्स पर एक मंदिर के पुजारी को वह एक इनलैंड लेटर डालने की कोशिश करते हुए देखता है। लेकिन पोस्ट बॉक्स में पहले से कोई लिफाफा फंसा हुआ था। पुजारी धीरे से उस लिफाफे को निकालता है, ताकि उसे अच्छे से तह करके फिर से नीचे धकेल दे। पुलिस वाले को इसमें अपने लिए एक मौका दिखाई देता है। वह उछलकर उसका हाथ पकड़ लेता है और कहता है, थाने में शिकायत आई थी कि कोई पोस्ट बॉक्स से चिट्ठियां चुरा रहा है, और आज मैंने अपराधी को रंगे हाथों पकड़ ही लिया, चलो थाने। पुजारी समझाने की कोशिश करता है, लेकिन वह सुनने को तैयार नहीं होता। पुजारी समझ नहीं पाता कि पुलिस वाला क्या चाहता है। आखिरकार थका हुआ पुलिस वाला कहता है, 50 रुपए दो और यहां से चले जाओ।

पुजारी माजरा समझ जाता है तो अपना रुख बदलकर कहता है, ठीक है, थाने चलते हैं। कहानीकार ने उन दोनों के पैदल चलने के दृश्य को बहुत खूबसूरती से लिखा है। पुलिस वाला अपनी साइकिल को धकेलता हुआ चला जा रहा था और पुजारी कभी उसके पीछे, कभी आगे चल रहा था। इससे उन्हें देखने वालों के मन में एक अजीब-सा सवाल उठ रहा था कि आखिर कौन किसे थाने ले जा रहा है? थाने से लगभग 20 फीट पहले पुलिस वाला पुजारी से विनती करते हुए कहता है कि इंस्पेक्टर बहुत गुस्सैल आदमी है और वह आप पर हमला भी कर सकता है। लेकिन पुजारी टस से मस नहीं होता। अंततः पुलिस वाला कहता है, मुझे 50 रुपयों की दरकार थी, क्योंकि आज मेरी बेटी का जन्मदिन है और दीपावली भी है। पुजारी अपनी धोती से 100 रुपए निकालता है और उसे देते हुए कहता है, आज शाम अपनी बेटी के साथ मंदिर आइए। मैं उसके लिए प्रार्थना करूंगा। पुलिस वाला शाम को परिवार के साथ मंदिर पहुंचता है और पुजारी उसके लिए प्रार्थना करता है। पुलिस वाला कहता है, जब मुझे मेरा बोनस मिल जाएगा, तब मैं आपके पैसे लौटा दूंगा। उस दिवाली दो पिताओं ने अपने लिए कुछ नहीं खरीदा था। एक पैसे वापस करना चाहता था, दूसरा किसी की बेटी के लिए 50 रुपये दान करना चाहता था।

मुझे हर दिवाली पर यह किस्सा याद आता है, जब मां पिता से आग्रह करती थीं कि वे दोनों बड़े परिवारों के कई लोगों के लिए नए कपड़े खरीदें। अगर पिता के उनमें से कुछ लोगों से अच्छे संबंध न हों, तब भी वे चुपचाप मां की बात मान लेते थे। खासकर दीपावली के दौरान, जब वे अपनी जरूरतों में कटौती करने लगती थीं, क्योंकि उन दिनों आमदनी के साधन आज के मुकाबले सीमित थे। आखिरकार पिता अपनी कुछ निजी जरूरतों का त्याग करके मां को चौंका देते थे। यह सिलसिला तब भी जारी रहा, जब मैं स्वयं पिता बना। मेरी पत्नी ने दूसरों की जरूरतें पूरी करने में मेरी मां का अनुसरण करना शुरू कर दिया। इस साल जब मैं चार साल बाद अपने लिए मोबाइल फोन खरीदना चाहता था, तो अचानक इसी हफ्ते हमारा फ्रिज खराब हो गया। शनिवार को मैंने चुपचाप अपने फोन की टूटी हुई स्क्रीन ठीक करवा ली, जो पिछले सोमवार को मुझसे क्रैक हो गई थी। क्योंकि फिलहाल तो फ्रिज ही प्राथमिकता है। 2025 की दीपावली में एक और पिता ने कुछ त्याग किया।

फंडा यह है कि कुछ खास दिनों जैसे दीपावली पर आपने ध्यान दिया होगा कि पिता आपको और परिवार को खुश रखने के लिए कितना त्याग करते हैं।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

राजस्थानः सरकारी और निजी विद्यालयों में बच्चों को दी जाएगी विधिक शिक्षा

स्कूल-कॉलेज में बनेगी 'कानून की दीवार', बच्चे समझाएंगे कानूनी अधिकार

कन्हैया हरितवाल | जयपुर

बच्चों में कानून की समझ विकसित करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजस्थान में जयपुर की ओर से अक्टूबर के अंत में कानून कनेक्ट मुहिम चलाकर स्कूलों से न्याय तक अभियान की शुरुआत होगी। इसके तहत जयपुर शहर सहित जिलेभर के सरकारी-निजी स्कूलों व कॉलेज में स्टूडेंट्स को कानून व अधिकारों के बारे में जानकारी दी जाएगी। वर्तमान में विद्यार्थियों एवं युवा विधिक अधिकारों से अनभिज्ञ हैं। बच्चों को विद्यालय स्तर से ही सरल भाषा में कानून की मूल बातें नियमित समझाएंगे। इससे बच्चे परिवार और समाज को जागरूक कर सकेंगे। इसके लिए स्कूल और कॉलेज में कानून की दीवार बनेगी, जहां प्रार्थना सभा में रोजाना बच्चों को दी जाने वाली कानून संबंधी सूचनाओं का लेखन किया जाएगा। साथ ही कानून दूत के रूप में स्टूडेंट्स परिवारजनों व मोहल्लेवासियों को विधिक जानकारी से अवगत कराएंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला सचिव पवन जीनवाल ने बताया कि राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में इस माह के अंत से अभियान की शुरुआत होगी। स्कूलों में रोज प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को विधिक जानकारी दी जाएगी।

अभियान का उद्देश्य

- विद्यार्थियों को दैनिक जीवन से जुड़े कानूनों की सरल भाषा में जानकारी देना।
- कानून की पालना के लिए प्रोत्साहित करना।
- विद्यालयों में विधि के पालन की संस्कृति का वातावरण तैयार करना।

नोडल अधिकारी नियुक्त होंगे

- प्राधिकरण स्कूलों में विधिक सूचनाएं प्रिंट व डिजिटल फॉरमेट में उपलब्ध करवाएगा जिसके लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे।
- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण स्कूलों में प्रतिदिन प्रार्थना सभा में बताए जाने वाले कानूनों का प्रिंट व डिजिटल फॉरमेट में प्रिंसिपल को उपलब्ध करवाएंगे। शिक्षा विभाग व उच्च शिक्षा विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए प्रत्येक स्कूल में नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। सबसे पहले बाल विवाह निषेध अधिनियम, उपभोक्ता अधिकार, यातायात नियम, साइबर सुरक्षा, बाल अधिकार, पर्यावरण कानून आदि की जानकारी दी जाएगी। विद्यार्थियों को मोबाइल में राजकोप एप डाउनलोड करवाएंगे। विद्यालय व कॉलेज परिसर में "कानून की दीवार" बनाई जाएगी। यहां प्रार्थना सभा में बताए गए कानूनों की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी।

मां महालक्ष्मी का 2 करोड़ के नोटों से शृंगार

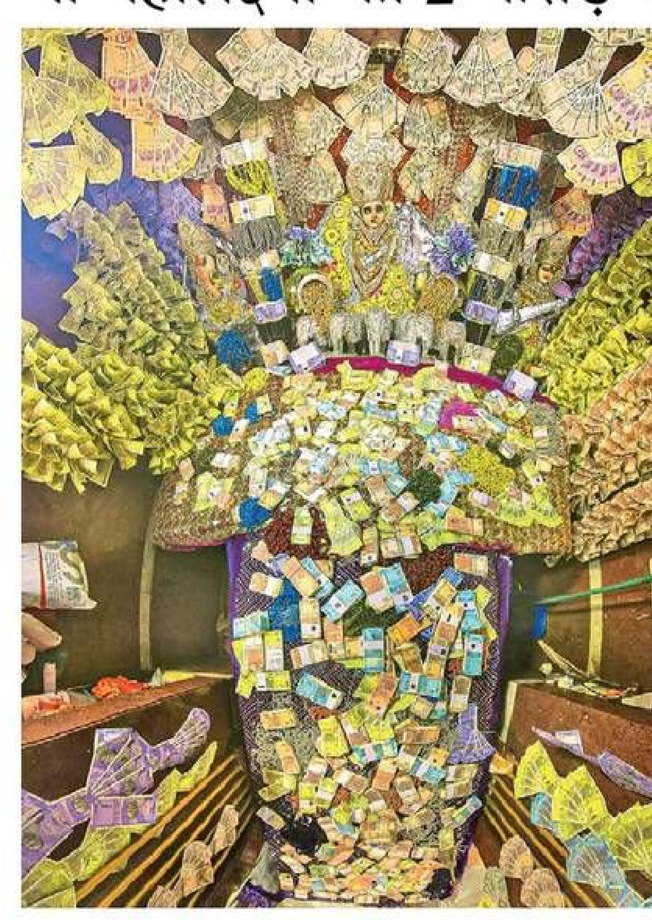

भास्कर न्यूज़. रतलाम | एमपी के रतलाम में मां महालक्ष्मी मंदिर का अद्भुत शृंगार हुआ। मां लक्ष्मी को 1, 5, 10, 20, 50, 100, 200, 500 के नोटों से सजाया है। कुल 2 करोड़ की राशि के ये नोट व आभूषण सजावट के लिए देशभर से श्रद्धालुओं ने पहुंचाए हैं। इस दृश्य के दर्शन के लिए देशभर से लोग यहां पहुंच रहे हैं। मंदिर की यह सजावट भाईदूज तक रहेगी। इसके बाद ये नोट दोबारा श्रद्धालुओं को लौटा दिए जाएंगे। (फोटोः चिंटू मेहता)

पेज एक का शेष

वो चीजें, जिनमें ज्यादा राहत दी गई...

वस्तु	जो घटाना था	जो घटाया
9. टूथब्रश	6.25	11.23
10. टेल्क. पाउडर	11.02	11.77
11. फेस पाउडर	11.02	12.22
12. कॉन्टैक्ट लेंस	6.25	7.15
13. स्पेक्स/चश्मे	6.25	7.15
14. फीडिंग बोतल	6.25	6.28
15. ज्योमेट्री बॉक्स	6.25	7.45
16. रबर	4.76	6.93
17. एसी	7.81	10.40
18. टीवी	7.81	8.48
19. दवाएं	6.25	6.93
20. डायग्नोस्टिक किट	6.25	7.36
21. ग्लूकोमीटर	6.25	6.48
22. नैपकिन	6.25	7.75
23. क्लिनिकल डायपर	6.25	10.38
24. बैंडेज	6.25	7.58
25. स्टील/कॉपर बर्तन	6.25	10.24
26. चीनी/पोर्सलेन बर्तन	6.25	9.91
27. सीमेंट	7.81	7.97
28. छाता	6.25	9.19
29. सोलर कुकर	6.25	6.96
30. खिलौने	6.25	8.93

वो चीजें, जिनमें कम रियायत दी गई...

वस्तु	जो घटाना था	जो घटाया
9. केक	11.02	9.87
10. हेयर ऑयल	11.02	9.93
11. टूथपेस्ट	11.02	8.37
12. डेंटल फ्लॉस	11.02	7.66
13. शेविंग क्रीम	11.02	9.13
14. ऑफ्टर शेव	11.02	10.57
15. शेविंग लोशन	11.02	9.13
16. कॉपी/नोटबुक	10.71	7.54
17. पेंसिल	10.71	7.97
18. क्रेयॉन	10.71	8.02
19. पेंसिल शॉर्पनर	10.71	8.55
20. डिश वॉशर	7.81	7.22
21. मॉनीटर/प्रोजेक्टर	7.81	7.01
22. थर्मामीटर	11.02	7.38
23. साइकिल	6.25	5.46
24. सोलर वाटर हीटर	6.25	5.50

नेपाल के जेन-जी युवाओं ने...

हमारी दो मुख्य मांगें हैं- देश में सीधे जनता द्वारा चुनी जाने वाली कार्यपालिका प्रणाली लागू की जाए और विदेश में रह रहे नेपाली नागरिकों को मतदान का अधिकार दिया जाए।' धुंगाना के मुताबिक, जब तक इन 'बॉटम लाइन' शर्तों को स्वीकार नहीं किया जाता, तब तक वे चुनाव में नहीं उतरेंगे। धुंगाना ने कहा, 'हम सुशासन, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार पर रोक के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखेंगे। जेन-जी युवाओं के बलिदान व्यर्थ नहीं जाने देंगे।' धुंगाना ने यह भी कहा कि नेपाल की अर्थव्यवस्था ठहराव में है और इसका बड़ा कारण युवाओं का रोजगार के लिए विदेश पलायन है। नेपाल दो घनी आबादी वाले देशों से घिरा है जिनकी संयुक्त जनसंख्या तीन अरब है। हमें अपने उत्पादन को इन पड़ोसी बाजारों के लिए बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

मिलान में अटका एअर इंडिया...

एअर इंडिया ने शनिवार को बताया कि विमान में 'लंबे तकनीकी मेंटेनेंस की जरूरत' के चलते उड़ान रद्द करनी पड़ी। सभी को होटल में ठहराने की व्यवस्था की गई है। हालांकि एयरपोर्ट के नजदीक पर्याप्त होटल न होने के कारण कुछ यात्रियों को दूर स्थित होटलों में ठहराया गया है। यात्रियों को अब 20 अक्टूबर की फ्लाइट्स में रीबुक किया गया है। एक यात्री का शेंगेन वीसा 20 अक्टूबर को खत्म हो रहा था, इसलिए उसे 19 अक्टूबर की दूसरी एयरलाइन की फ्लाइट में भेजा जा रहा है, ताकि वीसा की वैधता बनी रहे।

दिल्ली में एयर टैक्सी 2028 से...

कंपनी के अनुसार ये एयरक्राफ्ट फेडरेल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) और यूरोपियन यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (ईएएसए) के रेगुलेशंस के अनुरूप तैयार किए जा रहे हैं। अभी गुजरात और आंध्र प्रदेश में ईवीटॉल के लिए सैंडबॉक्स ट्रायल साइट तैयार की जा रही हैं। इनमें वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम भी भागीदार है। एयरोडायनामिक टेस्टिंग जारी है। कंपनी का लक्ष्य है कि 2028 तक कॉमर्शियल ऑपरेशन शुरू कर दिए जाएं।

दुनिया में अभी यूएई, अमेरिका और चीन जैसे कुछ देश ही इस तकनीक पर तेजी से काम कर रहे हैं। वैश्विक निवेश संस्था मॉर्गन स्टैनली की रिपोर्ट बताती है कि 2050 तक ईवीटॉल का बाजार आकार 9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। भारत इस ग्रोथ में निर्णायक भूमिका निभा सकता है, क्योंकि यहां श्रम, इंजीनियरिंग और विनिर्माण लागत अन्य देशों की तुलना में कई गुना कम है।

छेड़छाड़ में ट्यूशन टीचर गिरफ्तार

हिसार | शहर में ट्यूशन पढ़ाने वाले टीचर पर 2 नाबालिग रिश्तेदार छात्रों को अश्लील वीडियो दिखाने, कुकर्म करने के आरोप में केस दर्ज कर हुआ है। पुलिस ने टीचर को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित 13 वर्षीय छात्र ने बताया कि वह अगस्त में ट्यूशन पढ़ने टीचर के घर गया। उन्होंने अश्लील हरकत की। कुकर्म के बाद उसे लेने मम्मी आई थी। टीचर ने धमकाया कि किसी को बताएगा तो तुझे मार दूंगा।

इनोवेशन • आईआईटी बॉम्बे ने तैयार किए मॉडल

सैटेलाइट से मापा जा सकता है शहरों का कार्बन प्रदूषण का स्तर

भास्कर न्यूज | मुंबई

इंडयन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे के रिसर्चर्स ने पाया है कि सैटेलाइट से मिले रिमोट सेंसिंग डेटा की मदद से देश के कई मेट्रो शहरों जैसे मुंबई और राजधानी नई दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन गैस के स्तर को भरोसेमंद तरीके से मापा जा सकता है। भारत में ग्रीनहाउस गैसों (जीएचजी) को मापने के लिए पर्याप्त ग्राउंड स्टेशन नहीं हैं, इसलिए प्रोफेसर मनोरंजन साहू और आदर्श अलगड़े ने सैटेलाइट डेटा का सहारा लिया।

आईआईटी बॉम्बे की इस रिसर्च में पाया गया कि दिल्ली और मुंबई में जीएचजी का स्तर लगातार बढ़ रहा है और इसमें मौसमी और क्षेत्रीय बदलाव भी देखे गए हैं। रिसर्चर्स ने इन शहरों के लिए खास स्टैटिस्टिकल मॉडल भी तैयार किए हैं, जो भविष्य में गैसों के स्तर का अनुमान लगा सकते हैं।

प्रोफेसर साहू ने बताया कि इंडियन सैटेलाइट से मिले अलग अलग डेटा से ट्रेंड और हॉटस्पॉट की पहचान की जा सकती है। इससे पॉलिसी मेकर्स को यह तय करने में मदद मिलती है कि सबसे ज्यादा कार्बन व अन्य तरह का प्रदूषण फैलाने वाले स्रोत कौन से हैं। जैसे- लैंडफिल गैस कैप्चर को प्राथमिकता देना, ज्यादा प्रदूषण वाले इलाकों में बेतरतीब ट्रैफिक कंट्रोल करना या इंडस्ट्रियल एमिशन पर सख्ती करना।

स्टोन पेट में छोड़ा, 2 डॉक्टर दोषी, ₹1.42 लाख का हर्जाना

जिला उपभोक्ता आयोग का 7 साल पुराने मामले में फैसला

जोधपुर | जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने चिकित्सा लापरवाही के 7 साल पुराने मामले में निजी अस्पताल और दो डॉक्टर को चिकित्सा सेवा में कमी और लापरवाही का दोषी माना। उन्हें 1.42 लाख रु. का मुआवजा देने तथा ऑपरेशन की राशि लौटाने का आदेश दिया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. यतीशकुमार शर्मा और सदस्य डॉ. अनुराधा व्यास की पीठ ने कहा कि डॉ. एसके गौड़ और डॉ. बीएल चौधरी तथा ग्लोबल केयर अस्पताल ने अपेक्षित ड्यू केयर नहीं बरती। बताया जाता है कि ऑपरेशन के दौरान स्टोन पेट में छोड़ा। परिवादी बाड़मेर निवासी सबलसिंह ने शिकायत दर्ज कराई। इसमें बताया कि किडनी में दर्द की समस्या होने पर पावटा स्थित निजी केयर सेंटर हॉस्पिटल में भर्ती हुआ। डॉक्टरों ने पथरी का ऑपरेशन किया। उन्होंने कहा कि एक माह बाद गुर्दे में लगे स्टंट को हटवाने के लिए पुनः आना होगा। गांव लौटने के बाद लगातार दर्द व पेशाब में खून आने की शिकायत बनी रही।

चिकित्सा सेवा में मरीज सर्वोपरि

कोर्ट ने निजी हॉस्पिटल और दोनों डॉक्टर को 32 हजार 771 रु. वापस देने और दी न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को परिवादी को 1.10 लाख रु. की क्षतिपूर्ति राशि अदा करने का आदेश दिया। आयोग ने अपने निर्णय में कहा कि चिकित्सा सेवा केवल तकनीकी प्रक्रिया नहीं है। इसमें मरीज की सुरक्षा और भरोसे का तत्व सर्वोपरि है। यदि चिकित्सदेखरेख में लापरवाही बरतते हैं, तो यह चिकित्सा सेवा में स्पष्ट कमी मानी जाएगी।

भास्कर CLASSIFIED

एनाउंसमेंट / ANNOUNCEMENTS

नाम परिवर्तन

NAME CHANGE
I, MINTU PRASAD son of Jagdish Prasad resident of- 189, Gali No. 13, Vinay Nagar, Agwanpur, Faridabad, Haryana-121003, That "RISHAV", is my real son who is studying in 10th Class in G.B.S.S.S NO. 2, MOLARBAND NEW DELHI. That my correct name is MINTU PRASAD as per my Aadhaar Card & other documents but my name has been mentioned as MINTU SINGH at the time of admission of my ward in the school record instead of MINTU PRASAD. Vide AFFIDAVIT That I also declare that MINTU PRASAD & MINTU SINGH are same name and same person.

आवश्यकता / APPOINTMENT

ऑफिस स्टॉफ

FMCG Co. req. Sales Officer with minimum 5 year experience in Frozen Products or Ice Cream will be preferred , Salesman , Sales representative , Freshers candidate can also apply as (Marketing Trainee) . 76680- 53649.https://www.itsfoodproducts.com

सेल्स /मार्किटंग

भास्कर CLASSIFIED से मैंने बेची अपनी प्रॉपर्टी सही रेट पर

दैनिक भास्कर क्लासीफाइड में विज्ञापन बुकिंग का सबसे सरल माध्यम

BhaskarAd.com
बनाए विज्ञापन बुकिंग आसान

• घर बैठे ऐड बुकिंग
• आसान ऑनलाइन पेमेंट
9772019222

अब आप क्लासीफाइड, वैवाहिकी, शोक संदेश और जाहिर सूचना के विज्ञापन भी सीधे बुक कर सकते हैं

Urgent Hiring- Chokhi Dhani Group Profiles: Hospitality Wedding Sales Manager- Delhi Location Only Hospitality Sales Coordinator- Delhi Location Only Location: Delhi Eligibility: Local candidates only and Hotel Experience mandatory, Preference: Experience in Hotel sales, Minimum 4-5 years, Send Resume: hr@chokhidhani.com, Contact: 9799926176

सर्विसेस / SERVICES

फायनेंस

बालाजी फाइनेंस कंपनी आधार , पर्सनल, बिजनेस , प्रोपर्टी, ग्रुप (30,000- 90,00,000) (1,00,000) (2%ब्याज) (50%छूट) सिविल खराब लोन पाए- 9588501838.

ज्योतिष / ASTROLOGY

ज्योतिष

फीस नहीं ईनाम लूंगा। पंडित रविशंकर (गोल्ड मेडलिस्ट) मनचाहा प्यार/शादी, गृहक्लेश, पति-पत्नी अनबन, सौतन-दुश्मन छुटकारा, प्रेमविवाह। घरबैठे सभी समाधान #7055429792

Notice : Ads have not been verified factually and Bhaskar does ot stand responsible for the sales propositions.

अपराध संक्षेप

फंदे से लटका मिला युवक का शव

नई दिल्ली। नरेला औद्योगिक क्षेत्र इलाके में शनिवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला है। पुलिस ने उसके शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के पास से कोई दस्तावेज नहीं मिलने से उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि युवक की उम्र करीब 25 से 30 साल थी। पुलिस ने आस पास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच कर रही है ताकि यह पता लग सके कि युवक यहां कैसे पहुंचा और इसके साथ कोई और तो मौजूद नहीं था। ब्यूरो

120 ग्राम गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी जिले की राज पार्क थाना पुलिस ने मादक पदार्थ के साथ आरोपी शेर सिंह (59) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से 120 ग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपी पर पहले से आबकारी अधिनियम और एनडीपीएस अधिनियम के कई मामले दर्ज हैं। जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 16 अक्तूबर को राज पार्क थाना पुलिसकर्मी डीडीए मार्केट मंगोलपुरी में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति एक पारदर्शी पॉलीथिन बैग लिए हुए दिखा, जिसे भीड़ ने घेर रखा था। पुलिस को देख भीड़ तितर-बितर हुई तो युवक भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे गिरफ्तार कर लिया। ब्यूरो

अवैध ई-सिगरेट रैकेट का भंडाफोड़, चार पकड़े

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस अपराध शाखा की टीम ने अवैध ई-सिगरेट रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि टीम ने आरोपियों के कब्जे से 410 प्रतिबंधित ई-सिगरेट जब्त की है। चारों की पहचान विजय नगर निवासी अवधेश कुमार चौरसिया (30), ज्ञान चंद (32), सनी (22) और शास्त्री नगर निवासी निर्मल कुमार के रूप में हुई। टीम ने 16 अक्तूबर की रात करीब 3 बजे विजय नगर में छापा मारकर दो आरोपी ज्ञान चंद व सनी चौरसिया और शास्त्री नगर से निर्मल को गिरफ्तार किया। ब्यूरो

झगड़ा करने से मना करने पर चाकू से गोदकर ई-रिक्शा चालक की हत्या

नेपाल के रहने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार, चाकू और कपड़े बरामद

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। मोहन गार्डन इलाके में झगड़े का विरोध करने पर मोहित नाम के ई-रिक्शा चालक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त मोहित के रूप में हुई। घटना को अंजाम देकर आरोपी मौके से भाग गया। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए आरोपी नेपाल निवासी ताजराज को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चाकू बरामद कर लिया है।

द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि 4 अक्तूबर की देर रात पुलिस को डीडीयू अस्पताल से एक युवक को चाकू लगने के बाद भर्ती कराए जाने की सूचना मिली। घायल युवक की पहचान सैनिक एन्क्लेव निवासी मोहित के रूप में हुई। वह बयान देने की हालत में नहीं था। डॉक्टरों ने उसे सफदरजंग अस्पताल रेफर किया जहां उपचार के दौरान अगले दिन उसने दम तोड़ दिया।

ई-रिक्शा चालक मोहित का किसी से हुआ था झगड़ा

पेशे से ई-रिक्शा चालक मोहित का हाल ही में किसी से झगड़ा हुआ था। पुलिस घटनास्थल के पास पहुंची, जहां मौजूद रणहौला निवासी सुनील ने बताया कि शुक्रवार रात ताजराज नेपाली अपने ई-रिक्शा के साथ ग्रोवर स्वीट्स के पास आया और झगड़ा करने लगा। इसी बीच मोहित आया और ताजराज नेपाली को ऐसा करने से मना किया।

इस बात पर ताजराज नेपाली मोहित से झगड़ा करने लगा और इसी दौरान उसके पेट पर चाकू से वार कर उसे घायल कर दिया। थाना प्रभारी मुकेश अंतिल के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने आरोपी के कई ठिकानों पर दबिश दी। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने एक सूचना पर आरोपी को शुक्रवार को इलाके से गिरफ्तार कर लिया।

वीडियो बनाने से मना करने पर युवक पर किया हमला

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। डाबड़ी इलाके में वीडियो बनाने से मना करने पर एक युवक पर पेपर कटर से हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल युवक को उसके दोस्तों ने पास के अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं हमलावर अपने दोस्त के साथ बाइक से भाग गया। पीड़ित के बयान पर पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक संजीव कुमार राजापुरी स्थित एक कंपनी के स्टोर में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत हैं। थाने में दर्ज प्राथमिकी में उन्होंने बताया कि 15 अक्तूबर की रात वह स्टोर बंद कर अपने दोस्तों के साथ पास की पान की दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान उसने एक युवक को उन लोगों का वीडियो बनाते हुए देखा। उनके एक दोस्त ने युवक से वीडियो बनाने का कारण पूछा। इस पर युवक गाली गलौज करने लगा।

दोस्त के साथ आरोपी युवक ने दिया वारदात को अंजाम

उन लोगों ने युवक को गाली गलौज करने से मना किया तो उसने फोन कर एक साथी को मौके पर बुला लिया। उसका साथी बाइक से वहां पहुंचा। उसके आते ही वीडियो बना रहा युवक संजीव के दोस्त विकास के साथ हाथापाई करने लगा।

संजीव झगड़ा में बीच बचाव करने लगे, तभी बाइक से आए युवक ने बैग से पेपर कटर निकाल लिया और संजीव पर हमला कर घायल कर दिया। पेपर कटर लगने से उनके पेट और हाथ में चोट लगी। उनके दोस्त संजीव को संभालने लगे, तभी दोनों आरोपी बाइक से वहां से भाग गए। दोस्तों ने घायल संजीव को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां से घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची।

पुलिस के सामने आरडब्ल्यूए अध्यक्ष को बंधक बनाकर पीटा

आरोपियों ने दिलशाद गार्डन में एक प्रॉपर्टी डीलर के दफ्तर में दिया वारदात को अंजाम

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। सीमापुरी इलाके में बदमाशों ने पुलिस की मौजूदगी में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष को न सिर्फ पीटा बल्कि उनके साथ लूटपाट भी की। आरोपियों ने पीड़ित को उनके ही पॉकिट में एक प्रॉपर्टी डीलर के दफ्तर में बंधक बना लिया। वारदात के दौरान पीड़ित को बचाने के बजाए बीट अफसर वहां से चला गया। इस दौरान बदमाशों ने पीड़ित की पिटाई कर दी।

विरोध करने पर पिस्टल और चाकू दिखाकर पीड़ित की सोने की चेन, तीन अंगूठी और उनका पर्स लूट लिया। वहां मौजूद महिलाएं पीड़ित को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने लगी। एक राहगीर की शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंची और उनको छुड़ाया।

पीड़ित मनीष सांखला को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने शनिवार को उनका बयान लेकर मामला दर्ज कर लिया। अब पुलिस आरोपी मुकेश गोस्वामी और उसके साथियों की तलाश कर रही है। आरोपी मुकेश को हाल में सीमापुरी का घोषित बदमाश बनाया गया है।

पुलिस के मुताबिक मनीष सांखला आरडब्ल्यूए अध्यक्ष व इहबास में नर्सिंग अधिकारी हैं। पीड़ित ने पुलिस को बताया की 16 अक्तूबर को वह इहबास अस्पताल में ड्यूटी पर थे। इस बीच सीमापुरी थाने में तैनात बीट अधिकारी सचिन का उनके पास कॉल आया। सचिन ने उनसे कहा कि उनको आरडब्ल्यूए के सीसीटीवी कैमरे चेक करना है।

बीट अफसर ने सीसीटीवी की जांच के लिए पीड़ित को बुलाया था

दरअसल किसी लड़की के साथ झपटमारी हुई थी। इस संबंध में कैमरों की जांच करने के लिए कहा गया। पीड़ित ने सचिन को सीसीटीवी फुटेज दिखा दी। वहां से वह बाहर निकले तो सीमापुरी थाने का घोषित बदमाश मुकेश वहां पहुंचा।

उसके साथ विशाल जायसवाल, संजीव कुमार, जीत कुमार, त्रिवेंद्र उर्फ मिंटू व अमित और अन्य मौजूद थे। आरोप है कि मुकेश ने बीट अधिकारी सचिन की मौजूदगी में उनको पीटना शुरू कर दिया। उनको बचाने के बजाए सचिन वहां से चला गया।

बाद में आरोपी मनीष को एक प्रॉपर्टी डीलर के दफ्तर में ले गए वहां उनको बंधक बनाकर पीटा गया। आरोपियों ने उनसे अंगूठियां, चेन और पर्स लूट लिया। शनिवार को पुलिस ने मनीष के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है।

टक्कर लगने के बाद घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त कार। अमर उजाला

कार ने बाइक और ई-रिक्शा को मारी टक्कर चालक ने दोनों घायलों को कराया भर्ती

नई दिल्ली। बेगमपुर इलाके में शनिवार सुबह कार ने एक बाइक और ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार दीप विहार निवासी मनोज और ई-रिक्शा चालक राजू घायल हो गए। घटना के बाद कार चालक सेक्टर 24 रोहिणी निवासी आदित्य ने दोनों घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया।

रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि शनिवार सुबह 10.27 बजे बेगमपुर थाना पुलिस को दहिया बादशाह मार्ग पर सड़क हादसे की जानकारी मिली।

पुलिस ने तीनों वाहनों को कब्जे में कर लिया है। घायल बयान देने की हालत में नहीं हैं। पुलिस का कहना है कि घायलों के बयान के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। ब्यूरो

मुकुंदपुर इलाका गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजा

बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक के घर पर गोलीबारी कर जान से मारने की दी धमकी

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। भलस्वा डेयरी का मुकुंदपुर इलाका शुक्रवार रात गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। बाइक से आए 12 से अधिक हमलावरों ने एक युवक के घर पर चार से पांच राउंड फायरिंग की। गली में रहने वाले लोग दहशत में आ गए।

हालांकि गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ है। गोलीबारी करने के बाद युवक को जान से मारने की धमकी देकर सभी हमलावर भाग गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वारदात में शामिल अंकित, मनीष और शिखर को गिरफ्तार कर लिया गया है। भागे हुए हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित युवक जतिन का कुछ लड़कों से विवाद हुआ था, जिसका बदला लेने के लिए लड़कों ने गोलीबारी की है। जतिन अपनी मां गीता के साथ मुकुंदपुर इलाके में रहता है।

गीता घरों में साफ-सफाई का काम करती है, जबकि जतिन पीओपी का काम सीख रहा है। गीता के पति की करीब दस साल पहले मौत हो चुकी है। गीता ने बताया कि शुक्रवार रात वह अपने बेटे को लेकर जैसे ही घर के अंदर गई। घर के सामने कई बुलेट बाइक आकर रुकीं, जिस पर करीब 10 से 12 लड़के सवार होंगे।

गोलीबारी में कोई हताहत नहीं पीड़ित परिवार ने कहा, रंजिशन युवकों ने की फायरिंग

बाइक सवार जतिन को घर से बाहर निकलने के लिए कह रहे थे लेकिन उसने बेटे को बाहर जाने नहीं दिया। इसी बीच बाइक सवारों ने घर पर ताबड़तोड़ गोलीबारी की। सूचना पर बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त सहित पुलिस के सभी आला अधिकारी मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाई। पुलिस को मौके से चार खोखे मिले। जांच के बाद पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि देर रात भलस्वा डेयरी थाना पुलिस को डी ब्लॉक मुकुंदपुर में गोलीबारी की सूचना मिली।

मौके पर गीता और उनका बेटा जतिन मिला। जतिन ने बताया कि उसका और उसके दोस्तों का रात 9.30 बजे मच्छी बाजार चौक पर अंकित से झगड़ा हुआ था। इसके बाद अंकित अपने साथियों आयुष, राजा, शिखर उर्फ कबरिया और मनीष उर्फ तोतला के साथ बाइकों पर आए और गोलीबारी कर भाग गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

अंतरराज्यीय पारदी गिरोह का दो बदमाश गिरफ्तार

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। अपराध शाखा ने अंतरराज्यीय पारदी गिरोह के दो बदमाशों गुना, मध्यप्रदेश निवासी विक्रम पारदी (50) और बंटी (45) को गिरफ्तार किया है। इनमें दोहरे हत्याकांड में इनामी और आजीवन कारावास की सजा काट रहा बदमाश भी शामिल है। गुरुग्राम के भोंडसी थाना और दिल्ली के नेबसराय थाने में वांछित थे।

अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि बदमाशों के एक गिरोह ने सैनिक फार्म में 2 मार्च, 2022 की मध्यरात्रि को आभूषण की दुकान पर धावा बोल दिया था। बदमाशों ने 200 ग्राम सोने के आभूषण, 25-30 किलोग्राम चांदी और एक लाइसेंसी पिस्तौल चुरा ली थी। जांच के दौरान पता चला कि इस वारदात में मध्य प्रदेश के कुख्यात पारदी गिरोह का हाथ है। मामले में 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि विक्रम, शक्तिमान और दीपदी नाम के तीन आरोपी अभी भी फरार थे। बाद में अदालत ने उन्हें भगोड़ा बदमाश घोषित कर दिया था। दिल्ली पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी पर 25,000 रुपये का इनाम घोषित कर दिया था।

दोहरे हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रहा बदमाश भी शामिल

जांच में पता लगा कि विक्रम वर्ष 1996 में थाना विकासपुरी क्षेत्र में दोहरे हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और फरार है। यहां उसने अपने साथियों के साथ मिलकर घर में डकैती के दौरान दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया था। उसके बाद पुलिस ने रेलवे स्टेशन, रोहतक, हरियाणा के पास घेराबंदी कर विक्रम को उसके साथी बंटी पारदी के साथ गिरफ्तार कर लिया। विक्रम दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश में हत्या, घर में डकैती, लूट, आभूषण की दुकानों में सेंधमारी आदि के 16 मामलों में शामिल/वांछित है। बंटी 17 मामलों में शामिल रहा है।

सूफियाना कव्वालियों से गूंजा हजरत निजामुद्दीन

दरगाह से उठा अमन का पैगाम, भारत मोहब्बत से चलता है, नफरत से नहीं

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। धनतेरस की रौशन शाम में दिल्ली की हजरत निजामुद्दीन औलिया दरगाह एक बार फिर रूहानी रोशनी में नहाई नजर आई। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) की जानिब से सालाना जश्ने-चिराग का आयोजन किया गया। दीयों की जगमग, रंग-बिरंगे चिराग और सूफियाना कव्वालियों की गूंज ने माहौल को मोहब्बत और एकता की खुशबू से भर दिया।

कार्यक्रम की अगुवाई एमआरएम के मार्गदर्शक इंद्रेश कुमार ने की। उन्होंने दरगाह पर चादर चढ़ाकर मुल्क की अमन, तरक्की और खुशहाली की दुआ की। इस मौके पर उन्होंने कहा, कि भारत ही दुनिया का असली शांति मॉडल है। हमें अपने मुल्क को नशामुक्त, दंगामुक्त और पर्यावरण युक्त बनाना है। तालीम, तहजीब और तरक्की, यही असली रास्ता है। इस दौरान दरगाह के सज्जादानशीन अफसर निजामी और सलमी निजमी ने कहा, कि निजामुद्दीन औलिया की दरगाह सदियों से मोहब्बत, इंसानियत और एकता का प्रतीक रही है।

इंद्रेश कुमार ने दरगाह पर चादर चढ़ाकर मुल्क की अमन और खुशहाली मांगी

वरिष्ठ पत्रकार शाहिद सईद ने कहा, कि भारत नफरत से नहीं, मोहब्बत से चलता है। जो लोग इसे तोड़ना चाहते हैं, वे इसकी रूह को नहीं समझते। इस मौके पर डॉ शालिनी अली ने कहा, कि असली रौशनी दिलों में जलती है और डॉ शाहिद अख्तर ने तालीम और तहजीब को समाज की बुनियाद बताया। वहीं देशभर से आए अकीदतमंदों ने मिलकर दुआ की ए खुदा, इस मुल्क में अमन कायम रख। इस खुसनुमा शाम के जरिए चिरागों की रोशनी और सूफियाना सरगम में दरगाह से अमन और चैन का पैगाम उठा।

चिरागों और सूफियाना कव्वालियों से गूंजा हजरत निजामुद्दीन। अमर उजाला

निजामुद्दीन औलिया दरगाह में फूल चढ़ाते हुए। अमर उजाला

बाजार को बम से उड़ाने की फर्जी धमकी, पुलिस ने की मॉक ड्रिल

नई दिल्ली। नांगलोई की जनता मार्केट को बम से उड़ाने की फर्जी धमकी मिलने के बाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था की गंभीरता को देखते हुए मॉक ड्रिल की। इसका उद्देश्य संभावित आपातकालीन स्थितियों से निपटने में पुलिस, दमकल, चिकित्सा और अन्य एजेंसियों की दक्षता, समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का मूल्यांकन करना था।

जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि जैसे ही नकली धमकी की सूचना मिली, पुलिस बल, आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन (ईआरवी) और पीसीआर इकाइयां तुरंत मौके पर पहुंचीं और भीड़ नियंत्रण व संचार व्यवस्था संभाली। इस दौरान एटीओ नांगलोई, निरीक्षक नरेंद्र ने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर कार्यों की निगरानी की। कुछ ही समय में दमकल विभाग की गाड़ियां और राजमार्ग गश्ती दल (एचपी) भी घटनास्थल पर पहुंच गए और मार्केट के बाहर की सुरक्षा संभाली। केंद्रीकृत एम्बुलेंस और ट्रॉमा टीम मौके पर तैनात रही। विशेष शाखा ने सुरक्षा पहलुओं पर नजर रखी, जबकि बम निरोधक दल (बीडीटी) ने संभावित खतरे वाले क्षेत्र का निरीक्षण कर सुरक्षित निपटान प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। संवाद

पांच लाख दो नहीं तो सीने में खाओ गोली

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। शाहदरा इलाके के रोहताश नगर में एक कपड़ा कारोबारी और उसके परिवार को जान से मारने के साथ कारोबार नहीं करने की धमकी दी गई है। बदमाशों ने धमकाया है अगर ऐसा नहीं चाहते हो तो पांच लाख रुपये दे दो। धमकी देने के बाद आरोपी अपने साथियों के साथ फरार हो गए। प्रिंस ने वारदात की सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को मुहैया करवाई है।

पीड़ित प्रिंस चावला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी पहले भी रंगदारी न मिलने पर मार्केट में गोली चला चुका है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

पुलिस के मुताबिक पीड़ित प्रिंस चावला परिवार के साथ रोहताश नगर में रहते हैं। गली नंबर-7 में इनकी कपड़े की दुकान है। आरोप है कि 10 अक्तूबर की शाम को एक बदमाश उनकी दुकान पर पहुंचा। आरोपी ने कहा कि मुनव्वर भाई बाइक पर तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं। प्रिंस दुकान से बाहर निकले तो आरोपी बाइक पर खड़ा था।

बदमाशों ने कारोबारी से मांगी रंगदारी, पीड़ित ने सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंपा

मुनव्वर के साथ कई लड़के मौजूद थे। आरोपी ने प्रिंस से कहा, यदि उसे दुकान चलानी है और जिंदा रहना है तो उसे पांच लाख रुपये रंगदारी देना होगा। ऐसा न करने पर उसे और उसके परिवार को जान से मार दिया जाएगा। प्रिंस ने रकम देने से इन्कार किया तो आरोपी उनके साथ गाली-गलौज करने लगा। बाद में वह गोली खाने के लिए तैयार रहने के लिए कहकर वहां से चला गया।

पिकअप की टक्कर से साढ़े तीन वर्षीय मासूम की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिमी दिल्ली के महिपालपुर इलाके में तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से साढ़े तीन साल के मासूम की मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने चश्मदीद रेहड़ी वाले के बयान पर मामला दर्ज कर पिकअप को जब्त कर लिया।

जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि वसंत कुंज साउथ थाना इलाके के महिपालपुर ब्लॉक-2, गली संख्या छह में एक तेज रफ्तार पिकअप ने साढ़े तीन साल के बच्चे को टक्कर मार दी। घायल बच्चे को परिजन तुरंत अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान श्रेयांश कुमार के रूप में हुई है। मौके पर मौजूद महिपालपुर निवासी बद्री यादव ने बताया कि वह घटना के दौरान सड़क पर मौजूद थे। पिकअप चालक ज्ञानेंद्र सिंह ने गाड़ी तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाते हुए श्रेयांश को टक्कर मार दी। आरोपी भी इसी गली का रहने वाला है। संवाद

निजी स्कूल बस ने ऑटो, कार में मारी टक्कर

नई दिल्ली। अलीपुर इलाके में शनिवार सुबह निजी स्कूल बस ने एक ऑटो और वैगनआर कार में टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो चालक सिंटू घायल हो गए। पुलिस उन्हें पास के अस्पताल ले गई, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें लोकनायक अस्पताल रेफर कर दिया है। घटना में बस में सवार किसी भी बच्चे को चोट नहीं लगी। हादसे के बाद चालक बस छोड़कर भाग गया। संवाद

गैस का बिल नहीं चुकाया तो किरायेदार को कमरे में किया बंद

नई दिल्ली। शकरपुर इलाके में पीएनजी का बिल नहीं चुकाने पर मकान मालिक ने किरायेदार को कमरे में बंधक बना लिया। आरोपी ने कमरे के बाहर ताला लगाकर पीड़ित को धमकाया। काफी देर बाद भी ताला नहीं खोलने पर पीड़ित ने अपने भाई को सूचना दी। पुलिस ने ताला तोड़कर युवक को निकाला और मकान मालिक पर मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से मुजफ्फरपुर, बिहार निवासी पीड़ित अजीत कुमार अपने भाई अमित के साथ स्कूल ब्लॉक के एक मकान में दूसरी मंजिल पर किराये पर रहते हैं। वह दिल्ली के एक संस्थान से पढ़ाई कर रहे हैं। 12 अक्तूबर को वह कहीं गए थे। वापस आकर सो गए। शाम को सोकर उठे और बाहर से दरवाजा बंद था। आवाज लगाई तो मकान मालिक अरविंद पटेल ने कहा कि गैस का बिल नहीं चुकाया है, लिहाजा उसने ताला लगा दिया। ब्यूरो

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्री अमित कुमार
गोलोकवास- 19-10-24
आज आपकी प्रथम पुण्यतिथि पर हम सभी परिवारीजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धासुमन अर्पित करते है।
महावीर सिंह आर्य- मनोरमा सिंह (पिताजी - माताजी)
शिवानी सिंह (पत्नी)
अमृत्य प्रताप सिंह (पुत्र)
82, हरि एन्क्लेव, बुलंदशहर
इंजी . बलवीर सिंह, (ससुर), मथुरा

Government of Jammu & Kashmir

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER MECHANICAL& HOSPITAL DIVISION SRINAGAR

(Erstwhile Mechanical Hospital & Central Heating Division Srinagar)

Contact No: 0194-2496089, Email Id: exen-mechospsgr@jk.gov.in

GIST of e-tender

e-NIT No: M&HDS/TS /2025-26/84/e-tendering, Dated: 16-10-2025

(SHORT TERM)

For and on behalf of the Lt. Governor, J&K UT e-tenders are invited in two cover system on percentage basis from registered/reputed/experienced firms with J&K State Govt., CPWD, Railways and other State/Central Governments for the below mentioned work: -

Name of Work	Est. Cost (In rupees)	Cost of T/Doc. (In rupees)	Time of com-pletion	AA Accorded Vide No:	TS No	Earnest Money	Position of Funds
1	2	3	4	5	6	7	8
Annual Maintenance of Central Heating System at RRIUM, Hazratbal (2025-26)	1,38,000/	200	15 days	RRIUM/KU/2025-26/ Maint/811, Dated:- 15-10-2025	M&HDS/TS/59, Dated:- 10/2025	2% of the estimated cost	Available with intending Department

The bidding document consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, Bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the Govt. website www.jktenders.gov.in as per schedule given below:-

1.	Publish date	16-10-2025 (17:00 hrs)
2.	Period of downloading of bidding document	16-10-2025 (17:00 hrs)
3.	Bid submission start date	16-10-2025 (18:00 hrs)
4.	Bid submission end date	22-10-2025 (13:00 hrs)
5.	Date and time of opening of bids	22-10-2025 (15:00 hrs)

DIP/K-7317/25
Dtd : 18-10-2025

Sd/-
Executive Engineer,
M&HD, Srinagar

इंदिरा IVF रवि वुमन्स हॉस्पिटल
अब सेक्टर-35 नोएडा में
नि:शुल्क
नि:संतानता परामर्श
सप्ताह के 7 दिन खुला

8826975080, 8585808073
ए-1 गोल्फ कोर्स रोड सेक्टर 35 (मोरना बस स्टैण्ड के पास)
RAVI HOSPITAL
Email : noida@ravihospital.org
आगरा । अलीगढ । फिरोजाबाद । नोएडा

गुप्त रोगी मिलें
नामर्दी, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी
भारत प्रसिद्ध गोल्ड मेडलिस्ट
डा. शेख
रोजाना मिलें - लाजपत नगर, नई दिल्ली
हर मंगलवार - सेक्टर 18 नोएडा
हर बुधवार - नीलम चौक, फरीदाबाद
हर इतवार - बस स्टैण्ड, गुरुग्राम
Call & Book Appointment
9837023223

अगर आपकी वजह से दूसरों में कुछ जीवित हो जाए, तो आप अमरता की ओर बढ़ चुके हैं। -नॉर्मन कजिंस

बीते माह चीन की विक्ट्री डे परेड से पहले वहां के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन डेढ़ सौ साल तक जीने के उपायों पर चर्चा करते हुए सुने गए। दीर्घायु होने या अमरता की खोज इन्सान के लिए नई नहीं है। करीब चार सहस्राब्दि पहले मेसोपोटामिया का राजा और उसके दो सहस्राब्दियों बाद एक चीनी जादूगर भी इसी खोज में निकले थे।

सब अमर होना चाहते हैं

सिकंदर से लेकर न्यूटन और सिगमंड फ्रायड तक अपने समय में अमरता की प्राप्ति के लिए हुए प्रयोगों का हिस्सा रहे। विज्ञान ने मनुष्य की जीवन प्रत्याशा बढ़ाई है, लेकिन अमरता का विचार अब तक अप्राप्त है।

जो क्लोक
द न्यूयॉर्क टाइम्स

दीर्घायु बनाने का दावा करने वाला उद्योग शायद अपने अब तक के सबसे बेहतरीन दौर से गुजर रहा है। 1900 के बाद से एक अमेरिकी की अपेक्षित जीवन अवधि लगभग तीन दशक बढ़कर 2023 तक करीब 78 वर्ष हो गई है। लेकिन कई लोगों के लिए ये 78 वर्ष भी पर्याप्त नहीं होंगे। उदाहरण के लिए, बायोमेडिकल चैरिटी संस्था, मेथुसेलाह फाउंडेशन 90 वर्ष के व्यक्ति को 50 वर्ष का युवा बनाना चाहती है। एक बायोटेक्नोलॉजी फर्म के वैज्ञानिकों ने तर्क दिया है कि बीमारियों से मुक्त होकर, शरीर संभवतः 150 साल की उम्र तक जीवित रह सकता है। कुछ और आशावादी अनुमान इस संख्या को 1,000 के करीब बताते हैं। मानव जीवन की अधिकतम अवधि चाहे जो भी हो, लोग उसे जानने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं-खासकर पुरुष, जो जीवन को मौलिक रूप से (शायद अनिश्चित काल तक) बढ़ाने के पक्ष में हैं। पबमेड बायोमेडिकल और जीवन विज्ञान संबंधी शोधपत्रों का एक डाटाबेस है।

पिछले साल, दीर्घायु पर लगभग 6,000 अध्ययन पबमेड में शामिल हुए। यह संख्या दो दशक पहले की तुलना में लगभग पांच गुना ज्यादा है। दर्जनों पॉडकास्ट और एक बड़े पूरक उद्योग के निर्माण के साथ-साथ इस उत्साह ने अंगों को संरक्षित करने, जीवन बढ़ाने वाले आहारों की खोज करने और यहां तक कि बुढ़ापे को उलटने की कोशिशों को भी जन्म दिया है। यह ठोस विज्ञान, मनगढ़ंत प्रयोगों और संदिग्ध सलाह का वही मिला-जुला रूप है, जिसने इस खोज को परिभाषित किया है। मानवता का सबसे पुराना महाकाव्य अमरता की एक विफल खोज को दर्शाता है।

लगभग चार सहस्राब्दी पहले, सुमेरियों ने गिलगमेश नामक एक मेसोपोटामिया के राजा के बारे में बताया, जो शाश्वत जीवन की खोज में निकला था और उसने जवानी लौटाने वाले पौधे को खोज निकाला, लेकिन घर लौटते समय वह उसे खो बैठा। कहानी के अनुसार, दो सहस्राब्दियों बाद, शू फू नाम के एक चीनी जादूगर ने सम्राट को यकीन दिलाया कि पीले सागर के पार अनंत जीवन देने वाला एक अमृत है।

सम्राट ने शू फू को जहाज और 3,000 कुंवारियां दीं, जिनके बारे में जादूगर ने कहा था कि वे इस खोज के लिए जरूरी हैं। सम्राट को पता चला कि इस खोज में उसने ज्यादा प्रगति नहीं की है। उधर, शू फू ने कहा कि उसे एक सेना की भी जरूरत है, जो सम्राट ने उपलब्ध कराई। शू फू रवाना हो गया और सम्राट ने उसे फिर कभी नहीं देखा। अमर होने की चाहत ने मैसेडोनिया के राजा सिकंदर महान और स्पेनिश विजेता जुआन पोंस डी लियोन को भी प्रेरित किया। उनका भी अंत विफलता में हुआ। यह एक ऐसा सबक है, जिसका असर उन अलकैमिस्टों पर नहीं पड़ा, जो सदियों से अमरता की घूंटी बनाने की कोशिश कर रहे थे। उनमें से एक थे आइजैक न्यूटन, जो 1700 के दशक के शुरू में इस विश्वास के साथ मरे कि उनका रसायन विज्ञान संबंधी अनुसंधान एक दिन उनके गति के नियमों से भी अधिक महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। लेकिन न्यूटन की मृत्यु से पहले ही ज्ञानोदय के विचारक अमरता के सपने को छोड़कर, दीर्घायु जीवन पाने के अपेक्षाकृत कम महत्वाकांक्षी लक्ष्य को अपनाने लगे। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी के अनुसार, 'दीर्घायु' शब्द पहली बार 1500 के दशक में सामने आया था। जैसा कि पहली दीर्घायु आहार पुस्तक में भी हुआ था, जब लुइगी कॉर्नारो नाम के इतालवी रईस को आशंका हुई कि शराब, आलीशान दावतों और देर रात तक जागने की आदत उनकी सेहत पर नकारात्मक असर डाल रही है। फिर वह रोज बहुत कम भोजन करने लगे, और वह 80 साल की उम्र तक जीवित रहे, जब उन्होंने *डिस्कोर्सेस ऑन ए सोबर लाइफ* में अपने खाने की आदतों का जिक्र किया। कॉर्नारो को कैलोरी प्रतिबंध की आधुनिक धारणा का पता चला था, जिसके बारे में शोधकर्ताओं ने बताया कि इससे कुत्तों, चूहों, बंदरों, कीड़ों और शायद मनुष्यों की जीवन अवधि भी बढ़ जाती है। लेकिन कॉर्नारो संयम जैसे कम वैज्ञानिक प्रतिबंधों का भी समर्थन करते थे, क्योंकि उनका मानना था कि इससे उनकी जीवन शक्ति बनी रहेगी। उनकी मृत्यु के बाद भी सदियों तक यही सोच प्रचलन में रही।

शिकागो में एक मूत्र रोग विशेषज्ञ ने लोगों के अंडकोषों को (जिनमें उनका अपना भी शामिल था) युवा पुरुषों के अंडकोषों से बदलना शुरू कर दिया। ऑस्ट्रिया के शरीरक्रिया वैज्ञानिक यूजेन स्टाइनाच बुढ़ापे से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए एक नई जननांग सर्जरी का ढिंढोरा पीट रहे थे। इसके शुरुआती लाभार्थियों में सिगमंड फ्रायड भी थे, जिनकी 83 वर्ष की आयु में कैंसर से मृत्यु हो गई। पर यह सर्जरी (जिसे नसबंदी कहा जाता है) आज भी जारी है, हालांकि इसका उद्देश्य बिल्कुल अलग है। 19वीं और 20वीं शताब्दी तक बुढ़ापा-विरोधी गुरु, अखबारों के लेखक और ढोंगी सभी नियमित रूप से जीवनशैली में बदलाव को बढ़ावा देते थे। 'लंबा जीवन जीने की कला' की लोकप्रियता बढ़ती गई। हालांकि, लंबा जीवन जीने की सबसे ज्यादा रुचि पुरुषों में ही थी, महिलाओं में नहीं। बीसवीं सदी के मध्य तक प्रकाशित पुस्तकों में 'दीर्घायु' का उल्लेख 'अमरता' से आगे निकल गया था।

रोमन लेखक प्लिनी द एल्डर ने एक ऐसे समय के बारे में बताया है, जब ऐसे लोगों की कोई कमी नहीं थी, जो 800 साल की उम्र तक जीवित रहे। उन्होंने बताया कि वे जिंदगी से इतने थक गए थे कि उन्होंने खुद को समुद्र में फेंक दिया।

अपेक्षित जीवन अवधि में वृद्धि हुई, जिसका एक बड़ा कारण सार्वजनिक जल को साफ करने और उसमें क्लोरीन मिलाने का प्रचलन, पेनिसिलिन जैसी एंटीबायोटिक दवाओं की खोज और पोलियो जैसी घातक बीमारियों के टीकों का आगमन था। जो कभी जादूगरों का क्षेत्र था, वह डीएनए की खोज जैसी सफलताओं की मदद से अब ज्यादा वैधानिक गतिविधि बन गया है। फिर भी, उस दौर के कुछ सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के बीच भी पुराने सनकी मनोरंजन तेजी से जारी रहे। मसलन, यूक्रेन की राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के प्रमुख रहे अलेक्जेंडर बोगोमोलेट्स ने घोड़े के खून और शव के मज्जा से बना एक सीरम विकसित किया था, जिसके बारे में उनका मानना था कि इससे व्यक्ति '150 साल तक जीवित रह सकता है।' और नोबेल विजेता जीवविज्ञानी एलेक्सिस कैरेल ने दावा किया था कि उन्होंने मुर्गे के दिल के ऊतकों को वर्षों तक जीवित रखा है।

आणविक जीव विज्ञान के संस्थापकों में से एक और रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार विजेता लिनस पॉलिंग ने अपने कॅरिअर के अधिकांश समय में विटामिन सी की बड़ी खुराक को 75 प्रतिशत कैंसर की रोकथाम और 150 वर्ष की आयु तक जीवन बढ़ाने के तरीके के रूप में बढ़ावा दिया। 1994 में जब पॉलिंग की कैंसर से मृत्यु हुई, तब तक उनकी दीर्घायु संबंधी शोध की साख समाप्त हो चुकी थी। जैसा कि पुरानी कहानियों में कहा गया है, अमरता की खोज एक विफल प्रयास हो सकता है। लेकिन लंबी उम्र की चाहत जल्द रुकने वाली नहीं है। हार्वर्ड और ऑक्सफोर्ड के शोधकर्ताओं ने हाल ही में अनुमान लगाया कि वैश्विक जीवन प्रत्याशा में एक दशक और जोड़ने वाली किसी भी वैज्ञानिक सफलता का कुल मूल्य 3,67,000 अरब डॉलर होगा। लेकिन यहां भी, प्राचीन लोग सावधानी बरतने की सलाह देते थे। रोमन लेखक प्लिनी द एल्डर ने एक ऐसे समय के बारे में बताया है, जब ऐसे लोगों की कोई कमी नहीं थी, जो 800 साल की उम्र तक जीवित रहे। उन्होंने बताया कि वे जिंदगी से इतने थक गए थे कि उन्होंने खुद को समुद्र में फेंक दिया।

जानना जरूरी है
संस्कृति के पन्नों से

आशुतोष गर्ग
लेखक एवं अनुवादक

देवी लक्ष्मी स्वयं रुक्मिणी को बताती हैं कि घर की स्वच्छता और सुंदरता उन्हें पसंद है। महालक्ष्मी ने भक्त प्रह्लाद को भी बताया कि तेज, धर्म, सत्य, व्रत, बल एवं शील आदि गुणों में मेरा निवास है।

दीपावली और देवी लक्ष्मी का संबंध

दीपावली कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी से कार्तिक शुक्ल द्वितीया तक पांच दिनों का पर्व है। इससे जुड़ी विभिन्न कथाएं हमें धर्मग्रंथों में मिलती हैं। कहीं राजा पृथु द्वारा पृथ्वी का दोहन करके देश को धन-धान्य से संपन्न बनाने के उपलक्ष्य में दीपावली मनाने का उल्लेख है, तो कहीं इसे समुद्र-मंथन के समय श्रीलक्ष्मी के प्रादुर्भाव से जोड़ा जाता है। कहीं श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर-वध के बाद सोलह हजार राजकन्याओं के उद्धार पर श्रीकृष्ण का अभिनंदन दीपमाला के रूप में किया है, तो कहीं पांडवों के वनवास से लौटने पर प्रजा द्वारा दीपमालाओं से उनका स्वागत करने का प्रसंग है। किसी ग्रंथ में श्रीरामचंद्र के अयोध्या आगमन पर दीपावली के आयोजन का वर्णन हुआ है।

धूप आने दो

एक कथा के अनुसार, वामन रूप में अवतरित भगवान विष्णु ने कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को राजा बलि से तीन पग भूमि मांगकर उसे पाताल भेज दिया। तब बलि ने विष्णुजी से वरदान मांगा, 'आपने तीन दिन में मुझसे तीनों लोक ले लिए, इसलिए इन तीन दिनों तक जो व्यक्ति दीपदान करे, उसे यम का भय न रहे और उसका घर कभी लक्ष्मी से विहीन न हो।' उसी दिन से दीपदान (दीपावली) का पर्व आरंभ हुआ।

दीपावली की एक कथा के अनुसार, एक बार मुनियों ने सनत्कुमार जी से पूछा, 'भगवन! दीपावली लक्ष्मी-पूजा का पर्व है, फिर लक्ष्मी पूजा के साथ अन्य देवी-देवताओं की पूजा का महत्व क्यों प्रतिपादित किया गया है?'

सनत्कुमार जी ने बताया, 'राजा बलि के कारागार में लक्ष्मी सहित सभी देवी-देवता बंद थे। कार्तिक अमावस्या को वामन रूप में भगवान विष्णु ने बलि को बांध लिया और सब देवी-देवता मुक्त हुए। इसलिए दीपावली के दिन लक्ष्मी के साथ उन सब देवताओं का पूजन कर उनके शयन का अपने घर में उत्तम प्रबंध करना चाहिए, जिससे वे लक्ष्मी के साथ वहीं निवास करें और कहीं और न जाएं। जो इस विधि से लक्ष्मी-पूजन करते हैं, लक्ष्मी उनके यहां स्थिरभाव से निवास करती हैं। मान्यता है कि दीपावली की रात्रि में देवी लक्ष्मी सद्गृहस्थों के घरों में विचरण करती हैं, जो निवास अनुकूल दिखाई पड़ता है, वहीं वे रम जाती हैं। अतः हमें अपने घर को लक्ष्मी के मनोनुकूल बनाना चाहिए।

देवी लक्ष्मी को कैसे लोग और कैसा घर पसंद है? *महाभारत* में देवी लक्ष्मी स्वयं रुक्मिणी को बताती हैं कि घर की स्वच्छता और सुंदरता उन्हें पसंद है। महालक्ष्मी ने भक्त प्रह्लाद को भी बताया कि तेज, धर्म, सत्य, व्रत, बल एवं शील आदि गुणों में मेरा निवास है। लक्ष्मी ने एक बार देवराज इंद्र से कहा, 'मैं उन पुरुषों के घरों में निवास करती हूं, जो निर्भीक, सच्चरित्र, कर्तव्यपरायण, अक्रोधी, कृतज्ञ तथा जितेंद्रिय हैं। इसी प्रकार मुझे उन स्त्रियों के घर प्रिय हैं, जो क्षमाशील, जितेंद्रिय, सत्य पर विश्वास रखने वाली, शीलवती, सौभाग्यवती, गुणवती, पतिपरायणा तथा सद्गुणसंपन्न होती हैं।' देवी ने रुक्मिणी से यह भी कहा, 'जो पुरुष अकर्मण्य, नास्तिक, वर्णसंकर, कृतघ्न, दुराचारी, क्रूर, चोर तथा गुरुजनों के दोष देखने वाला हो, उसके घर में मैं निवास नहीं करती। जिनमें तेज, बल, सत्व और गौरव का अभाव है, जो जहां-तहां हर बात में खिन्न हो उठते हैं, जो मन में दूसरा भाव रखते हैं और ऊपर से कुछ और दिखाते हैं, ऐसे मनुष्यों के यहां भी मैं निवास नहीं करती हूं।

इसी प्रकार जो नारियां अपने गृहस्थी के सामान की चिंता नहीं करतीं, बिना सोचे-विचारे काम करती हैं, पति के प्रतिकूल बोलती हैं, पराये घर से अनुराग रखती हैं, निर्लज्ज, पापकर्म में रुचि रखने वाली, अपवित्र, चटोरी, अधीर, झगड़ालू तथा सदा सोनेवाली हैं-ऐसी स्त्रियों के घर को छोड़कर मैं चली जाती हूं। देवी लक्ष्मी धन की अधिष्ठात्री हैं और दीपावली पर निम्नलिखित सूक्त से उनका आह्वान किया जाता है-*कां सोस्मितां हिरण्यप्राकारामार्द्रां ज्वलन्तीं तृप्तां तर्पयन्तीम्। पद्मेस्थितां पद्मवर्णां तामिहोप ह्वये श्रियम्॥* अर्थात जिन भगवती लक्ष्मी का स्वरूप मन और वाणी के लिए अवर्णनीय है, जो अपने मंदहास्य से सबको आह्लादित करती हैं, जो स्नेह तथा आर्द्र हृदयवाली हैं, उन तेजोमयी, भक्तों का मनोरथ पूर्ण करनेवाली, कमल पर विराजमान भगवती लक्ष्मी का मैं आह्वान करता हूं।

तब समस्या, समस्या नहीं रहेगी

अवज्ञातोऽपि दुष्टेन गुणो दोषो न मन्यते।
न हि चम्पकसौगन्ध्यं पूतिर्भृङ्गावहेलया॥

अर्थात दुष्ट व्यक्ति द्वारा अवज्ञा किए जाने मात्र से गुण को दोष नहीं माना जा सकता, जैसे-भंवरे द्वारा अवहेलना करने से चंपक पुष्प की सुगंध दुर्गंध में नहीं बदलती, बल्कि वह सुगंध ही रहती है।

सुभाषित-सुधारत्न-भाण्डागार
(361.4)

प्रस्तुति : **शास्त्री कोसलेंद्रदास**

जान्सी डन
द न्यूयॉर्क टाइम्स

जिंदगी में समस्याएं तो आती ही हैं, लेकिन अगर आपने इनसे लड़ने की ठानी है, तो ये पांच चरण आपके काम के हैं।

जब भी मैं अपने जीवन के उन बड़े फैसलों पर गौर करती हूं, जिनको लेकर मैं झिझकती रही, तो हैरानी होती है। मुझे मां बनने का संकल्प लेने में एक दशक लग गया। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की प्रोफेसर फ्रांसिस फ्रेई और फॉर्च्यून 500 कंपनियों की लीडरशिप सलाहकार ऐनी मॉरिस ने मिलकर *मूव फास्ट एंड फिक्स थिंग्स* पुस्तक लिखी है। फ्रेई और मॉरिस मानती हैं कि कुछ दुविधाएं दूसरों की तुलना में ज्यादा जटिल होती हैं। पर कई समस्याओं का समाधान 'तेजी' से किया जा सकता है। किसी निर्णय पर पहुंचने के लिए वे पांच कदम सुझाती हैं।

मूल कारण पहचानें : उन्होंने कहा कि जब तक आप अपनी समस्या की असली जड़ को नहीं पहचान लेते, तो आगे बढ़ना मुश्किल होगा। इसलिए बिना किसी निर्णय के पूरी ईमानदारी से, खुद से यह सवाल पूछें कि समस्या असल में क्या है? यह किन भावनाओं को जन्म देती है? फ्रेई कहती हैं, 'खुद से पूछते हुए एक परत और गहराई में जाएं। कम से कम तीन परतों तक पहुंचने का लक्ष्य रखें।'

योजना के लिए जानकारी जुटाएं : एक बार जब आप वास्तविक समस्या की पहचान कर लेते हैं, तो जानकारी इकट्ठा करें, ताकि समस्या की पूरी तस्वीर पा सकें। जब आपके पास पर्याप्त जानकारी इकट्ठा हो जाए, तो संभावित रणनीतियों पर विचार करें।

अलग नजरिया भी तलाशें : फ्रेई और मॉरिस का कहना है कि समस्या के बारे में ज्यादा संतुलित नजरिये के लिए अपने करीबी लोगों से भी राय लें। हो सकता है कि वे ऐसे समाधान भी सुझाएं, जिनके बारे में आपने सोचा भी न हो। किसी पड़ोसी, दोस्त के दोस्त या कार्यस्थल पर किसी दूसरे विभाग के व्यक्ति से सलाह लें। दूसरी पीढ़ी के लोगों से भी उनकी राय पूछी जा सकती है।

संभावित परिवर्तन की कहानी रचें : इसके बाद आप जो बदलाव लाने वाले हैं, उसके बारे में एक कहानी बनाएं। अपनी समस्या के बारे में स्पष्ट भाषा में लिखें। लिखें कि बदलाव की जरूरत क्यों है, चीजें कैसे बदलेंगी और निर्णय लेने के बाद भविष्य में आपको कैसा लगेगा। मॉरिस ने कहा, 'स्पष्ट और विशिष्ट शब्दों' का प्रयोग करें और भविष्य के मार्ग को आशावादी भाषा में लिखें, जो आपको ऊर्जावान बनाएगा।

अब छलांग लगाएं : अब अपने फैसले पर पूरी तत्परता से अमल करें। मॉरिस ने कहा, 'अगर आप अपने फैसले को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं, तो कोई बात नहीं, आत्मविश्वास काम का बायप्रोडक्ट है। और यह जरूरी नहीं कि आपका अगला कदम नाटकीय हो या जिंदगी बदल देने वाला हो। बस इस अंतहीन दुविधा के चक्र से बाहर निकलें।'

©The New York Times 2025

अध्ययन कक्ष

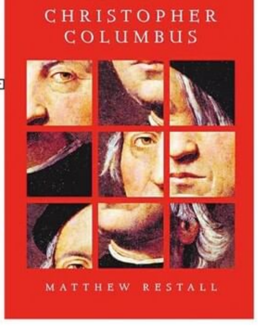

द नाइन लाइव्स ऑफ क्रिस्टोफर कोलंबस

लेखक : मैथ्यू रेस्टॉल

प्रकाशक : डब्ल्यू डब्ल्यू नॉर्टन एंड कंपनी

मूल्य : 3,204 रुपये (हार्डकवर)

कोलंबस और उनकी नौ जिंदगियां

पुरानी कहावत है कि बिल्ली के नौ जीवन होते हैं, उसी तरह अक्तूबर में लॉन्च हुई यह पुस्तक कोलंबस की रहस्यपूर्ण जिंदगी पर रोशनी डालते हुए यह पड़ताल करती है कि आखिर वे नायक व संत थे या शैतान!

चंगेज खां, नेपोलियन, ईसा मसीह के साथ क्रिस्टोफर कोलंबस उस विशिष्ट समूह का हिस्सा हैं, जिनका नाम दुनिया के अरबों लोगों की जुबान पर आता ही रहता है। कोलंबस ने समुद्र पार किया, यह तो सभी मानते हैं, लेकिन उनकी जीवनी और विरासत से जुड़ी हर बात 500 से भी ज्यादा वर्षों से कई व्याख्याओं, अटकलों और मनगढ़ंत कहानियों का विषय रही है।

अपनी मनोरंजक कृति *द नाइन लाइव्स ऑफ क्रिस्टोफर कोलंबस* में मशहूर इतिहासकार मैथ्यू रेस्टॉल कोलंबस के जीवन से जुड़े सभी विवरणों का परीक्षण करते हैं। लेकिन, ये परीक्षण उस वास्तविक कोलंबस से कम जुड़े हैं, जिसे ऐतिहासिक अभिलेखों से जोड़ा जा सके, बल्कि ये उनकी समुद्र के नायक और अवतार जैसी प्रचलित छवियों से अधिक संबंधित हैं।

रेस्टॉल की किताब कहती है कि जैसे बिल्ली के नौ जीवन कहे जाते हैं, उसी तरह अगर कोलंबस को समझना है, तो उन्हें एक व्यक्ति के बजाय एक दूरगामी सांस्कृतिक घटना की तरह देखना होगा, जिसके कई आयाम हैं। इन आयामों को वह 'कोलंबियाना' कहते हैं। किताब के अनुसार, कोलंबस के बारे में हर नई कहानी तब लोकप्रिय होती है, जब वह स्थापित मान्यता को रोचकता के चरम तक खींच देती है। उनसे जुड़े मिथकों का एक सामान्य प्रस्थान बिंदु यह है कि कोलंबस के बारे में बेहद कम जानकारियां उपलब्ध हैं। इससे व्याख्याओं के कई दरवाजे खुल जाते हैं, जिनमें उन्हें यूनान, नॉर्वे, कोर्सिका, स्पेन, डेनमार्क, पुर्तगाल या फिर अन्य स्थानों से जोड़ा जाता है और एक समुद्री डाकू, एक यहूदी या फिर रहस्यमयी इन्सान के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

रेस्टॉल द्वारा चिह्नित किए गए कोलंबस के नौ जीवन इतने व्यापक हैं कि इनके आगे कोलंबस के पार्थिव शरीर और उनके ठिकाने को लेकर स्पेन व डोमिनिक गणराज्य के बीच हुए विवाद गौण लगते हैं। इसके विपरीत, एक संत के रूप में कोलंबस की कहानी बेहद दिलचस्प है। दरअसल, अमेरिका में कैथोलिक धर्म के प्रसार के उद्देश्य से उन्हें ईश्वर का एक साधन बनाने के प्रयास कोलंबस के जीवन काल में ही शुरू हो गए थे। ऐसे प्रयास कामयाब तो नहीं हुए, लेकिन इससे कोलंबस की एक ईश्वरीय शक्ति के रूप में प्रतिष्ठा यकीनन बढ़ गई। खासकर अमेरिका में यह प्रतिष्ठा तेजी से फैली, जहां वाशिंगटन को राष्ट्र का पिता और कोलंबस को दादा माना गया। उनकी संत की छवि ने प्रतिक्रिया का एक मंच भी तैयार किया, जिससे उनकी जिंदगी के अप्रिय विवरण प्रसारित होने लगे। कोलंबस पूरी जिंदगी कर्ज में डूबे रहे, मुकदमों में फंसे रहे और मौत के बाद भी उनकी प्रतिष्ठा के साथ छेड़छाड़ की जाती रही। कुल मिलाकर, रेस्टॉल की यह किताब एक ऐसे व्यक्ति के बारे में कुछ नया और दिलचस्प कहने में सक्षम है, जिसके बारे में सब कुछ पहले ही कहा जा चुका है।

अभियान

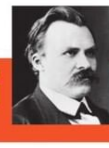

“ दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं। एक वे, जो जानना चाहते हैं और दूसरे वे, जो यकीन करना चाहते हैं।
- फ्रेडरिक नीत्शे, जर्मन दार्शनिक

Hindi@mithelesh
▪ मिथिलेश बारिया

गोल चबूतरा

बंगले में लगी उन बस्तियों में गुरूर चमकता है,
घर के उस छोटे से दीये से रोशनी आती है...

हर शख्स शहर में यहां अजनबी सा लगे,
और मेरे गांव का वो बूढ़ा पेड़ भी, मेरे यार सा है...

छोड़ के दिन, छोड़ के रात,
छोड़ के दोपहर आ गए,
गांव से जब बिछड़े, शहर आ गए...

टीबी को लेकर ऐतिहासिक खोज

झरोखा
19 अक्तूबर

आज के ही दिन 1943 में ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) के खिलाफ प्रभावी इलाज की दवाई स्ट्रेप्टोमाइसिन की खोज हुई थी। यह पहला एंटीबायोटिक था, जो टीबी के इलाज में मील का पत्थर साबित हुई। यह दवा आज विश्व स्वास्थ्य संगठन की आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल है। टीबी मुख्यतः फेफड़ों को प्रभावित करती है, लेकिन यह शरीर के अन्य अंगों को भी संक्रमित कर सकती है। यह रोग हवा के माध्यम से फैलता है, जब संक्रमित व्यक्ति खांसता या छींकता है। स्ट्रेप्टोमाइसिन की खोज से पहले टीबी को 'कंजम्प्शन' या 'व्हाइट प्लेग' जैसे नामों से जाना जाता था। 17वीं से 19वीं शताब्दी तक यह मृत्यु का प्रमुख कारण थी। 18वीं शताब्दी में यूरोप में हर एक लाख में से लगभग 900 लोग इससे मरते थे। भारत में आज भी स्थिति गंभीर है-लगभग 40 प्रतिशत आबादी टीबी बैक्टीरिया से संक्रमित है और हर वर्ष लगभग 3 लाख लोग इस रोग से मरते हैं। स्ट्रेप्टोमाइसिन की खोज ने न केवल असंख्य जीवन बचाए, बल्कि चिकित्सा इतिहास को नई दिशा दी।

▪ ऋतिका झा, जम्मू

'त्रिशूल' के बीच दो महान सितारे

महानायक अमिताभ बच्चन और अभिनेता संजीव कुमार में गहरी दोस्ती थी। दोनों कई फिल्मों में एक साथ आए। 1978 में बनी फिल्म 'त्रिशूल' भी इन्हीं में से एक थी।
▪ आशीष सिन्हा, शिमला

छायानट
कभी रिलीज नहीं हुई दत्ता की पहली फिल्म

बेहतरीन निर्देशन और सेना के अदम्य शौर्य को फिल्मों के जरिये लोगों तक पहुंचाने वाले राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक जेपी दत्ता को भला कौन नहीं जानता। उन्होंने दत्ता फिल्म्स के बैनर तले 'बॉर्डर', 'हथियार', 'एलओसी कारगिल', 'गुलामी' जैसी एक से बढ़कर एक हिट फिल्में बनाईं। लेकिन यह बात बहुत कम लोगों को पता होगी कि जेपी दत्ता की बतौर निर्देशक पहली फिल्म 'सरहद' थी। यह युद्ध में कैद किए गए बंदियों पर केंद्रित थी। इसमें लीड रोल में विनोद खन्ना थे। किसी वजह से इसकी शूटिंग पूरी नहीं हो सकी और

नतीजतन, यह फिल्म कभी रिलीज ही नहीं हो पाई। जेपी दत्ता को इस बात का आज तक मलाल है कि उनकी पहली निर्देशित फिल्म कभी रिलीज नहीं हो पाई। जेपी दता को देशभक्ति पर आधारित फिल्म बनाने के लिए अच्छा निर्देशक माना जाता है। 1998 में जेपी दत्ता को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा गया था। देशभक्ति फिल्मों के अलावा जेपी दत्ता ने 'यतीम' (1988), 'बंटवारा' (1989), 'क्षत्रिय' (1993), 'रिफ्यूजी' (2000), 'उमराव जान' (2006), 'पलटन' (2018) जैसी फिल्मों का निर्देशन भी किया है।
▪ अनिल सिंह, देहरादून

दीपावली में हम दीप जलाकर अमावस के अंधकार को दूर करते हैं। हम मन में व्याप्त अमावस की बातें तो खूब करते हैं, लेकिन अपनी गलतियों पर आत्मनिरीक्षण करने के बजाय परदा डाल देते हैं।

ये आत्मावलोकन का भी पर्व है

इस प्रकाश को पहचानें

चिट्ठी 1

आज के गिरते मानवीय जीवन चरित्र को देखते हुए यह धारणा प्रबल हो चली है कि 'दोस पराए देखि करि चला हसंत-हसंत' अर्थात यह मनुष्य का स्वभाव है कि जब वह दूसरों के दोष देखकर हंसता है, तब उसे अपने दोष याद नहीं आते, जिनका न आदि है, न अंत। दूसरों के दोषों को देखने के बजाय यदि हर व्यक्ति अपने मन की अमावस को दूर कर उसे सच्चाई और मानवता के उजाले में बदलने का प्रयास करे तो यह न केवल समाज, बल्कि स्वयं के लिए भी अत्यंत लाभकारी होगा। हमें अपने मन को अशांति और द्वेष से मुक्त करने की दिशा में निरंतर प्रयास करना चाहिए। युद्ध और आतंकवाद के वातावरण में इन्सानियत को तार-तार किया जा रहा है। हिंसा और नफरत भरे माहौल के कारण ही आज ऐसा वातावरण बन रहा है कि इन्सानियत और हैवानियत की दूरियां कम होती जा रही हैं। मन में व्याप्त अमावस का ही परिणाम है कि हम दूसरे के दोषों की चर्चा तो खूब करते हैं, किंतु अपनी गलतियों पर परदा डाल लेते हैं। दूसरों के दोष तो हमें नजर आ जाते हैं, किंतु हम आत्मनिरीक्षण करने की कोशिश तक नहीं करते। अपने विवेक दर्पण में वही सब कुछ देखना चाहते हैं जैसा हमारा मन करता है। अपने मन की अमावस में आत्ममंथन का दिया जलाने का रत्ती भर भी प्रयास नहीं करते। यही कारण है कि सामाजिक अपराधों में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। यदि हम सभी लोग इस दिशा में बढ़ें, तो निश्चित रूप से समाज में सकारात्मक बदलाव आएंगे और साथ ही संतुष्टि एवं आंतरिक शांति का अनुभव भी होगा। इसे अपनाकर ही हम मन की अमावस को प्रकाश में बदल सकते हैं।

▪ मुनीष भाटिया, कुरुक्षेत्र

ग्राहकों की सजगता भी जरूरी है

चिट्ठी 2

दीपावली जैसे बड़े पर्व पर बाजारों में मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों की मांग तेजी से बढ़ जाती है। ऐसे में चर्चित ब्रांड द्वारा उत्पाद की आड़ में पेस्टीसाइड के नाम पर लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जाता है। त्योहारों पर मिठाइयां, दूध उत्पादों और तेल, घी जैसे सामानों की बिक्री तेजी से बढ़ जाती है। ऐसे में सिर्फ सरकारी मिशनरी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। ग्राहकों को भी जागरूक और सजग होना होगा। उन्हें सतर्क होकर शुद्धता के लिए लड़ाई लड़नी होगी, यह उनका कानूनी और नैतिक अधिकार है। सस्ती कीमत देखकर लालच में नहीं आना चाहिए। समय-समय पर ब्रांडेड और पैक्ड उत्पादों के स्वाद को भी परखना चाहिए। कई बार इनकी अधिक मांग के कारण लेबल, एक्सपायरी डेट और एफएसएसएआई नंबर भी नहीं देखते हैं। ग्राहक त्योहारी सीजन में मिलावटखोर चर्चित और आकर्षक पैकेजिंग के नाम पर ग्राहकों को भ्रम में डाल देते हैं। ऐसे में उपभोक्ता को 'खाद्य एवं मानक अधिनियम 2006' के तहत अपने स्तर पर भी खाद्य पदार्थों की शुद्धता की जांच करवानी चाहिए। यदि किसी खाद्य उत्पाद को लेकर संदेह है तो ग्राहक सैंपल जांच के लिए सरकारी या निजी लैब में भेज सकता है। सरकारी लैब की रिपोर्ट कानूनी रूप से मान्य होती है और इसके आधार पर मिलावट करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

▪ शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी, फिरोजाबाद

स्वदेशी वस्तुओं से ही दिवाली देशहित में

चिट्ठी 3

दिवाली पर आमजन खूब खरीदारी करेगा। इससे व्यापार जगत पर जो आर्थिक मंदी का काला अंधेरा छाया है, वहां उजियारा होगा और देश की आर्थिक व्यवस्था में भी सुधार होगा, लेकिन अगर हम भारतीय दिवाली स्वदेशी वस्तुओं से मनाएं, तो अच्छा होगा। ज्यादातर लोग दिवाली पर लाइटिंग या सजावट के लिए फैंसी और सस्ते सामानों के चक्कर में दूसरे देश की वस्तुओं और सामानों का प्रयोग करने लगे हैं। ऐसा करने से हमारे देश के कुटीर और सजावट के सामान से जुड़े उद्योग धंधे का तो दिवाला निकलता ही है, साथ ही देश को करोड़ों रुपये का नुकसान भी होता है। ये सारा पैसा दूसरे देश में चला जाता है। अगर दिवाली पर रोशनी करने के लिए मिट्टी के दियों का प्रयोग किया जाए तो इससे देश के लाखों-करोड़ों उन लोगों के घर भी लक्ष्मी आएगी, जो इन्हें तैयार करते हैं और देश की लक्ष्मी (मुद्रा) देश में ही रह जाएगी। दीपावली एक ऐसा त्योहार है, जिस पर लोग खरीदारी तो करते ही हैं, भले ही उनकी आमदनी कम हो। उम्मीद यही की जानी चहिए कि इस बार लोग स्वदेशी उत्पादों की खरीद पर अधिक जोर देंगे और राष्ट्र को मजबूत बनाने में योगदान देंगे।

▪ राजेश कुमार चौहान, जालंधर

इनकी **चिट्ठियां** भी सराहनीय रहीं

नई दिल्ली से योगेश कुमार गोयल, मुरादाबाद से डॉ. राकेश चक्र, फिरोजाबाद से शिवम राठौर, नई दिल्ली से श्वेता गोयल, अमरोहा से डॉ. महताब अमरोहवी, बरेली से सीमा गुप्ता, हरिद्वार से ललित शंकर, मोहाली से अभिलाषा गुप्ता, इंदौर से अमृतलाल मारू, रायपुर से संजीव ठाकुर, सूरत से कांतिलाल मांडोत, रायपुर से भावना संजीव ठाकुर।

हमें लिखें
abhiyan@amarujala.com

कुछ अलग

म्यूजियम ऑफ भारत की जरूरत

भारत वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन सांस्कृतिक और संस्थागत प्रतिनिधित्व की कमी को म्यूजियम ऑफ भारत पूरा कर सकता है।

दुनिया की सभी महान शक्तियां केवल अपनी आर्थिक या सैन्य ताकत के कारण महान नहीं होतीं; वे सांस्कृतिक दृष्टि से भी सशक्त होती हैं। उनके पास ऐसे संस्थान होते हैं, जो उनकी सभ्यता, इतिहास और आत्मा का प्रतिनिधित्व करते हैं। पेरिस में लूव्र है, वाशिंगटन में स्मिथसोनियन है और बीजिंग में राष्ट्रीय संग्रहालय। चीन ने स्वयं को 'म्यूजियम सुपरपावर' घोषित किया है। 1980 में जहां उसके पास 400 से भी कम संग्रहालय थे, वहीं आज उनकी संख्या 7,000 से अधिक हो चुकी है। इनमें से 91 प्रतिशत में प्रवेश निःशुल्क है और वे हर वर्ष लगभग डेढ़ अरब आगंतुकों को आकर्षित करते हैं। यह सच में महाशक्ति कहलाने योग्य उपलब्धि है।

भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे तेजी से बढ़ता हुआ बड़ा बाजार है, परंतु सांस्कृतिक आख्यानों और संस्थागत प्रतिनिधित्व के स्तर पर यह अब भी कमजोर दिखाई देता है। यही वह कमी है, जिसे एक 'म्यूजियम ऑफ भारत' पूरा कर सकता है। यह केवल कलाकृतियों से भरा एक हॉल नहीं होना चाहिए, बल्कि हमारी सभ्यता की जीवंत यात्रा का एक अनुभवात्मक रंगमंच होना चाहिए जहां इतिहास सांस लेता हो और विरासत बोलती हो। 'म्यूजियम ऑफ भारत' को यह दिखाना होगा कि हमारी संस्कृति कितनी विविध परंपराओं से बनी है- हिंदू, बौद्ध, जैन, इस्लामी, सिख, ईसाई और आदिवासी परंपराएं, सभी ने मिलकर भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को समृद्ध किया है। भारत की सच्ची प्रतिभा उसके संश्लेषण में निहित है, जिसमें भिन्नताओं को टकराव नहीं बल्कि सहअस्तित्व का अवसर माना जाता है। ऐसा संग्रहालय केवल स्मृतियों का भंडार नहीं, बल्कि शिक्षा का जीवंत विद्यालय बन सकता है।

▪ अरिहन, मुंबई

क्या युद्ध विराम से शांति कायम होगी?

इस्राइल और गाजा के बीच युद्ध विराम से सभी ने राहत की सांस ली है, लेकिन यह एक छोटा कदम है। शांति और न्याय की स्थापना के लिए अभी कई बाधाओं को पार करना है।

किसी राष्ट्र या किसी भी धर्म का कोई भी हो, हर समझदार व्यक्ति को इस बात से राहत महसूस होनी चाहिए कि आखिरकार गाजा में युद्ध विराम हो गया। बचे हुए इस्राइली बंधकों को हमास ने रिहा कर दिया है। इस्राइली सेना ने फिलहाल युद्ध रोक दिया है, जिससे संकटग्रस्त और बर्बरता से पीड़ित फलस्तीनियों तक भोजन, दवाइयां और अन्य प्रकार की राहत पहुंच सकती है। लेकिन हर समझदार व्यक्ति जानता है कि यह युद्ध विराम एक बहुत ही छोटा कदम है। शांति और न्याय का मार्ग अभी भी कठिन है, जिसके लिए और कई बाधाओं को पार करना है।

यह महज संयोग ही था कि युद्ध विराम से पहले वाले सप्ताह में मैं दो किताबें पढ़ रहा था, दोनों में इस बात को लेकर प्रमुख अंश थे कि गाजा में युद्ध विराम के बाद क्या हो सकता है। ये दोनों किताबें 1980 के पहले लिखी गई थीं, जिसमें इस्राइल और फलस्तीन के बीच का विवाद के बारे में महज एक पन्ने में लिखा गया है। इस विवाद के 40 से अधिक साल बीत जाने के बाद भी इस संघर्ष के बारे में किताब में जो कुछ भी कहा गया है, वह आज भी प्रासंगिक है।

पहली पुस्तक दक्षिण अफ्रीकी स्वतंत्रता सेनानी जो स्लोवो की आत्मकथा है। स्लोवो लिथुआनिया में जन्मे यहूदी थे, जो 1930 के दशक में यूरोप में यहूदियों पर हो रहे उत्पीड़न की वजह से परिवार सहित दक्षिण अफ्रीका आ गए। उन्होंने वहीं रहते हुए श्वेत-शासन के खिलाफ संघर्ष में भाग लिया। 1960 के दशक में उन्हें निर्वासन में जाना पड़ा और रंगभेद की समाप्ति के बाद वे दक्षिण अफ्रीका लौटे तथा नेल्सन मंडेला की कैबिनेट में आवास मंत्री बने। कुछ समय बाद कैंसर से उनका निधन हो गया।

स्लोवो की आत्मकथा दो विषयों पर केंद्रित है- कम्युनिस्ट पार्टी में उनकी सक्रियता और रंगभेद विरोधी आंदोलन और गोरों के शासन की दमनकारी नीतियां। लेकिन इन सबके पहले वे बताते हैं कि उन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध के अंतिम चरण में इटली में सेवा की थी। युद्ध समाप्त होने के बाद वे कुछ महीनों तक यूरोप में रहे और फिर दक्षिण अफ्रीका लौटते हुए बीच में फलस्तीन में ठहरे। एक यहूदी होने के नाते वे किब्बुत्ज यानी सामुदायिक जीवन के बारे में जानने चाहते थे।

1946 में तेल अवीव की यात्रा के दौरान एक किब्बुत्ज में अपने प्रवास का वर्णन करते हुए स्लोवो लिखते हैं- "यदि इसे अलग से देखा जाए तो यह समाजवादी जीवनशैली का सुंदर उदाहरण लगता था। वहां अधिकतर वे युवक-युवतियां थे, जिनके माता-पिता पश्चिमी देशों में संपन्न यहूदी व्यापारी थे। वे आदर्शवाद और मानवता की भावना से प्रेरित थे—उन्हें विश्वास था कि केवल इच्छा-शक्ति और मानवता के बल पर आप एक फैक्ट्री या एक किब्बुत्ज में समाजवाद स्थापित कर सकते हैं।"

स्लोवो आगे लिखते हैं- "ध्यान से देखने पर स्पष्ट हुआ कि इन सभी किब्बुत्जों में प्रमुख विचार यह था कि बाइबिल के अनुसार, फलस्तीन की भूमि हासिल करने के लिए हर यहूदी को 'लड़ना' चाहिए और यदि ऐसा करने के लिए पांच हजार सालों से वहां रह रहे लाखों लोगों को उजाड़ना भी पड़े तो कोई बात नहीं।"

स्लोवो ने 1980 के दशक में लिखी अपनी स्मृतियों में इस विचारधारा के परिणामों पर टिप्पणी करते हुए लिखा-

रामचंद्र गुहा
जाने-माने इतिहासकार

"कुछ ही वर्षों में इस्राइली विस्तार और एकीकरण के युद्ध शुरू हो गए। विडंबना यह रही कि 'होलोकॉस्ट' के भयावह अनुभवों को ही यहूदी राष्ट्रवादियों ने फलस्तीन के मूल निवासियों पर अपने उत्पीड़न और नरसंहार को जायज ठहराने का औजार बना लिया।"

दूसरी किताब जो मैं पढ़ रहा था, वह मेक्सिको के मशहूर लेखक ओक्tavियो पाज का निबंध संग्रह 'वन अर्थ, फोर ऑर फाइव वर्ल्ड' था। पाज नोबेल पुरस्कार विजेता होने के साथ भारत में मेक्सिको के राजदूत भी रहे थे। 1983 में प्रकाशित इस पुस्तक में उन्होंने अमेरिका, लैटिन अमेरिका, भारत और मध्य-पूर्व के राजनीतिक-सांस्कृतिक विषयों पर गहन विचार किए हैं।

पाज का मत था कि फलस्तीनी नेताओं की कट्टरता का दूसरा पहलू 'इस्राइली हठधर्मिता' थी। वे लिखते हैं, "यहूदियों और अरबों दोनों की जड़ें एक ही वृक्ष की शाखाएं हैं। जब वे पहले सह अस्तित्व में रह सकते थे, तो अब क्यों एक-दूसरे को मार रहे हैं? यह संघर्ष ऐसा है, जिसमें जिद आत्मघाती अंधता में बदल चुकी है। कोई भी पक्ष निर्णायक विजय नहीं पा सकता, दोनों को एक-दूसरे के साथ रहना ही होगा।"

जब पाज यह लिख रहे थे, तब शायद ही कोई 'दो-राष्ट्र समाधान' की बात करता था। इस्राइल 1967 में कब्जा की गई भूमि छोड़ने को तैयार नहीं था और फलस्तीनी संगठन पीएलओ भी इस्राइल के अस्तित्व को मान्यता देने को राजी नहीं थे। इसे पाज की दूरदर्शिता ही कहा जाएगा कि उन्होंने कहा- "इस भयानक संघर्ष का समाधान सैन्य नहीं, बल्कि 'राजनीतिक' होना चाहिए, जो न्याय और शांति दोनों की गारंटी दे सके और वह सिद्धांत कहता है कि 'फलस्तीनियों को भी उसी तरह मातृभूमि का अधिकार है, जैसा यहूदियों को है।' पाज की इस भविष्यवाणी के लगभग एक दशक बाद 1993 में ओस्लो समझौते हुए, जिनमें पीएलओ ने इस्राइल के अस्तित्व को मान्यता दी और इस्राइल ने फलस्तीनी राज्य के गठन को सैद्धांतिक रूप से स्वीकार किया। लेकिन बीते तीस वर्षों में इस्राइल राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य रूप से मजबूत होता गया, जबकि फलस्तीनियों का स्वतंत्र राष्ट्र का सपना हर कदम पर कुचला गया। इस्राइल और फलस्तीन के शांति प्रयासों को बड़ा झटका तब लगा, जब इसके मुख्य नायक इस्राइल के प्रधानमंत्री यित्जाक राबिन की एक यहूदी उग्रवादी द्वारा हत्या कर दी गई। इसके बाद वेस्ट बैंक पर फलस्तीनी जमीन पर यहूदी बस्तियों का विस्तार होता गया और जो भी लोग वहां बसे, उन्हें इस्राइली सेना का पूर्ण समर्थन मिला। पश्चिमी तट और गाजा का भौगोलिक रूप से अलग-अलग होना पहले ही राज्य गठन में बाधा था; वहां बसने वाली यहूदी बस्तियों ने इसे लगभग नामुमकिन बना दिया। अब वेस्ट बैंक दो हिस्सों में बंटा हुआ है - एक तरफ संरक्षित और सुविधाभोगी यहूदी क्षेत्र और दूसरी ओर उत्पीड़ित तथा सीमित अधिकारों वाले फलस्तीनी क्षेत्र। यह स्थिति दक्षिण अफ्रीका के रंगभेदी दौर से तुलना योग्य बन गई है। यहूदी-फलस्तीनी संघर्ष पर जो स्लोवो के विचार अत्यंत दूरदर्शी थे; और शायद उनसे भी अधिक प्रासंगिक पाज के विचार हैं। अगर आज पाज जीवित होते, तो वे यह जरूर स्वीकार करते कि हमास की हिंसा, अंधभक्ति और निर्दयता पहले के फलस्तीनी समूहों से भी अधिक भयावह है। वे इस्राइली सेना की क्रूर हठधर्मिता को न तो उचित ठहराते हैं और न ही उसकी व्याख्या करते हैं या फलस्तीनियों की अपने ही देश में वैधता को अमान्य नहीं करते हैं।

अपनी पुस्तक में पाज लिखते हैं- "द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान आंद्रे ब्रेतों ने लिखा था, 'दुनिया यहूदी लोगों की ऋणी है, उसे उसकी क्षतिपूर्ति करनी चाहिए।' मैंने ये शब्द पढ़ते ही अपने हृदय में उतार लिए, लेकिन चालीस वर्ष बाद मैं कहता हूं- अब इस्राइल फलस्तीनियों का ऋणी है, उसे उसकी क्षतिपूर्ति करनी चाहिए।"

आज 2025 में भी मैं पाज की इस बात से पूर्ण सहमत हूं, लेकिन दो संशोधनों के साथ। पहला-होलोकॉस्ट के बाद, यह 'दुनिया' नहीं, बल्कि विशेष रूप से पश्चिमी और पूर्वी यूरोप के देश थे जो यहूदियों के प्रति प्रायश्चित के ऋणी थे। और दूसरा- आज यह पहले से कहीं अधिक स्पष्ट है कि केवल इस्राइल ही नहीं, बल्कि वे देश भी फलस्तीनियों के प्रति क्षतिपूर्ति के पात्र हैं, जिन्होंने इस्राइल की विस्तारवादी और उपनिवेशवादी नीतियों को खुला समर्थन दिया है- जैसे 'ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी' और सबसे बढ़कर संयुक्त राज्य अमेरिका।

चंदननगर से आती रोशनियों की कहानी

अलका 'सोनी'

खुला आकाश

दीपावली आती है तो चंदननगर की याद आती है। यहां के कारीगर रोशनी के साथ खेलते हैं और उनकी कला में आकाश में आतिशबाजी से लेकर ताज महल, लाल किला, हावड़ा स्टेशन या विक्टोरिया मेमोरियल भी रोशनी में नहाते खिलते रहते हैं।

दीपावली आती है तो बेबस ही जेहन में झिलमिलाता है 'चंदन नगर'। हावड़ा से लगभग 33 किलोमीटर दूर यह नगर है। कभी फ्रांसीसियों द्वारा औपनिवेशिक उद्देश्यों से बसाया गया चंदन नगर, आज बल्बों की अद्भुत सजावट के लिए विश्व-स्तर पर जाना जाता है। यहां सैकड़ों कारीगर बिजली की झालर बनाते-सजाते मिल जाएंगे। चंदन नगर के एक व्यवसायी कौशिक यादव हंसते हुए कहते हैं, "मैं पिछले पंद्रह सालों से इस व्यवसाय में हूं। मेरी कंपनी स्थानीय मांग के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों एवं विदेशों में भी लाइट तैयार कर सप्लाई करने का काम कर रही है। एक ऑर्डर पूरा करने में लाखों बल्ब लग सकते हैं।"

चंदन नगर में यह काम सबसे पहले श्रीधर दास ने शुरू किया था।

हालांकि अब वे सक्रिय नहीं हैं, फिर भी वहां के कारीगरों में वे एक सम्मानित नाम हैं। उनसे बात करना चंदन नगर के इस व्यवसाय के मर्म को समझने जैसा है।

जब श्रीधर 17 वर्ष के थे, तब उन्होंने अपने एक मित्र के साथ सड़क किनारे एक छोटी-सी इलेक्ट्रॉनिक की दुकान खोली थी। एक अन्य मित्र, जो इलेक्ट्रिकल इंजीनियर था, उनके साथ बिजली की बारीकियों पर चर्चा किया करते थे। उनका उद्देश्य बंगाल की संस्कृति को अपने हुनर के साथ मिलाकर दुनिया के सामने प्रस्तुत करना था। उन्होंने टैगोर, स्वामी विवेकानंद और शरत चंद्र चटर्जी के जीवन पर आधारित एनिमेटेड लाइट्स की प्रस्तुतियां भी दी थी, जिसकी दुनिया भर में तारीफ हुई थी। उन्होंने लाइट की दुनिया में एक पायनियर-मानदंड सेट किया। यह पूछने पर कि इस काम को करने की प्रेरणा उन्हें कहां से मिली, श्रीधर दास जी के चेहरे पर आत्मविश्वास की एक चमक आ जाती है। वे पूरी आत्मीयता से बंगला में बताते हैं, "एक दिन डायनेमो का घूमना देखकर ही बल्बों को लय में सजाने की धुन जागी थी।" यहां के कारीगर दुर्गा पूजा से लेकर नववर्ष तक अनेक दृश्य-रचनाएं सजीव कर देते हैं। हिंदू मिथकों और समसामयिक घटनाओं को दर्शाती असंख्य रंगीन रोशनियां दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। रोशनी की यह जादुई दुनिया पूरे देश को जगमग रखने में मदद करती है।

Join My Official Private Channel

GET ACCESS TO 3 NEWSPAPERS CHANNELS MENTIONED BELOW:

Indian Newspapers:

In Just
19 Rupees

1) Times of India
2) Hindustan Times
3) Business line
4) The Indian Express
5) Economic Times
6) The Hindu
7) Live Mint
8) Financial Express
9) Business standard
+All Editorial PDFs

Click below to

Join

International Newspapers Channel

Magazine Channel (National & International)